# मसीह परमेश्वर का वह भेद है जो कि प्रगट हुआ

भाई नेविल, आपका धन्यवाद। परमेश्वर आपको आशीष दे। बस कुछ छणों के लिये खड़े रहिये, जबकि हम अपने सिरों को प्रार्थना के लिये झुकाते हैं।

2 अनुग्रहकारी स्वर्गीय पिता, हम इस प्रातः आपके पास आज पुनः पवित्र आत्मा की करूणा और मार्गदर्शन के लिये आते हैं, जैसे कि यह बात हमारे ऊपर प्रगट हुयी है, कि हमें इस प्रातः आपके वचन को सिखलाने के लिये एक साथ मिलना चाहिये, और इसलिये भी कि हम यह जानने पायें कि हमें आज के इस दिन में किस प्रकार से जीना चाहिये, और यह कि हम दिन के किस समय में रह रहे हैं। अपने विचारों के लिये और अपने हृदयों के लिये हम आपका पवित्र मार्गदर्शन चाहते हैं, कि आप उस हर एक वचन की तरफ हमारा मार्गदर्शन करेंगे जिसको कि जानना हमारे लिये आवश्यक है; कि आप हमारें मुँहों को और हमारे हृदयों को भी स्वतन्त्रता के साथ उस बात को ग्रहण करने के लिये खोलेंगे जो कि आप हमसे बोलते हैं, आप हमारा मुँह उन बातों के लिये बन्द कर देंगे जो कि ठीक नहीं हैं, और इस बात को जानते हुये कि केवल आप ही परमेश्वर के वचन को प्रगट कर सकते हैं,

3 और अब जबकि मुझे ठीक अभी इस छोटी कलीसिया को संसार के दूसरे भागों में जाने के लिये छोड़ना है, प्रभु, मैं इनको आपको सौंपता हूँ। जो कि हैं, वे मेरे भाग हैं, यदि कहा जाये तो वे मेरे बहुत प्रिय लोग हैं। यह वे लोग हैं जिन्होंने आत्मा के द्वारा और सत्य के वचन के द्वारा आपमें जन्म पाया है। और प्रभु, मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि आप उन्हें आशीषित करेंगे, और उन्हें मसीह के प्रेम के बंधनों के द्वारा एक साथ बाँध कर रखेंगे।

4 हमारे प्रिय प्यारे याजक अर्थात हमारे चरवाहे को आशीषित करें। हम

आपसे प्रार्थना करते हैं कि आप उन्हें अपने वचन के द्वारा पवित्र आत्मा से अभिषिक्त करेंगे, और उनपर प्रगट करेंगे और भेड़ों को पोषित करेंगे।

5 और एक बार, कुछ समय पहले, जब आपने इस आराधनालय में यहाँ पर भोजन को एकत्र करने के विषय में दर्शन दिखाया था, कि एक ऐसा समय आयेगा जब इस सारे भोजन की आवश्यकता पड़ेगी। जब हमने भाई सौथमैन को और भाई वुड को किसी दूसरे देश में प्रवेश करते हुये देखा था,... परन्तु आपने कहा, ''इस समय के लिये यहाँ पर भोजन को एकत्र करो।'' प्रभु, इस बात को मैंने श्रद्धा के साथ करने का यत्न किया है।

6 और अब इस प्रातः, इस पाठ में जिसके विषय में हमने सोचा है, मैं यह प्रार्थना करता हूँ कि प्रभु, आप उन सब बातों को आकर ढक लेंगे, यह दिखाने के लिये कि आप परमेश्वर हैं, और यह आपका वचन और सत्य है। प्रभु, आप इस बात को प्रदान करें, कि होने पाये कि लोग उस बात के ऊपर भोजन प्राप्त करें और मोटे हो जायें, जैसा कि यह परमेश्वर के अनुग्रह में था, कि वे यह देखने पायें कि यह परमेश्वर की इस दिन में हमारे लिये एक महान करूणा है। वे सभी जो कि उपस्थित हैं, पिता, उन्हें आशीषित करें और उन्हें भी जो कि उपस्थित होना चाहते हैं। और अपने लिये महिमा को प्राप्त करें, क्योंकि यह हम यीशु के नाम में माँगते हैं। आमीन।

प्रभु आप में से हर एक को आशीषित करे।

7 और मेरा विश्वास है कि इससे पहले कि हम आरंभ करें, हमारे पास यहाँ पर एक छोटा सा बच्चा है जो कि कालिन्स परिवार से है, जिसका कि वह चाहते हैं कि समर्पण किया जाये। और हम अभी यह करना चाहते हैं, यदि भाई या बहन कालिन्स में से कोई एक उस छोटे बच्चे को सामने लायेगा ताकि हम इस छोटे बच्चे के लिये समर्पण की एक सभा कर सकें।

8 इस बात को छोड़कर, आप जानते हैं कि क्यों, इससे होता है... जबकि ये... मसीह की देह के बफादार सदस्य हैं। आपने ध्यान दिया, मैंने यह नहीं कहा कि ''आराधनालय के''। ''मसीह की देह के,'' यह... यह देह जो कि यहाँ

पर है, उसकी देह का एक भाग हैं।

9 और यहाँ पर उनके पास एक छोटा बच्चा है जिसक़ा कि वे चाहते हैं कि समर्पण किया जाये। और–और यह एक ऐसा कार्य है जिसको करने से, बच्चों को पकड़ने से मैं सोचता हूँ कि मेरी पत्नी को बहुत ईष्या होती है। और भाई नेविल, यदि आप सामने आयेंगे, यदि आप आयेंगे।

10 भाई, आपका पहला नाम क्या है? ( पिता कहता है, "क्लाइड"– सम्पा.) यह भाई और बहन क्लाइड कौलिन्स हैं, ये हमारे अनमोल भाई, आदरणीय विलबर कौलिन्स के भाई हैं, जो कि यहाँ पर हैं। और यहाँ पर उनके पास कौलिन्स की संख्या में बड़ोत्तरी हुयी है, मैं समझा, और यह एक बहुत ही सुन्दर छोटा सा बच्चा है।

11 बहन कौलिन्स, यह कितने वर्ष का है? ( माता कहती है, "लगभग चार महीने का" –सम्पा.) लगभग चार महीने का। और उसका क्या नाम है? ("मार्क डेविड कौलिन्स") मार्क डेविड। यह एक़ बहुत अच्छा नाम है। यह एक बहुत अच्छे लड़के की तरह दिखता है। यह कहें कि वह एक प्रकार से एक बड़ा बच्चा भी है।

12 अब मैं अब मैं यह जानता हूँ कि जो मातायें यहाँ पर हैं, वे इस छोटे बच्चे की सराहना करेंगी जो कि यहाँ पर है। क्या यह एक गुड़िया की तरह से नहीं लगता है? ( भाई ब्रन्हम मार्क डेविड को सभा के सामने थाम लेते हैं–सम्पा)

ठीक है, जबकि हम अब अपने सिरों को झुकाते हैं।

13 स्वर्गीय पिता, जबकि यह युवा पिता और माता इस अनमोल मानव माँस के टुकड़े को लिये आते हैं, जो कि उनके मिलन के द्वारा उनको दिया गया है, उनके हाथ में प्रभु परमेश्वर को देने के लिये रखा गया है। वे छोटे मार्क डेविड को आदर के साथ यहाँ पर सर्वशक्तिमान को सर्मपित करने के लिये लेकर आते हैं, जिसने कि इस छोटे अनमोल बच्चे को अच्छा स्वास्थ

प्रदान किया है, और उनकी देखरेख में एक अच्छे बच्चे को परमेश्वर की महिमा में बड़ा करने के लिये दिया हैं।

14 प्रभु, पिता और माता को आशीष प्रदान करें। होने पाये कि घर में उनका पीपा कभी समाप्त न होने पाये, या उनकी कुप्पी कभी सूखने न पाये। प्रभु, होने पाये कि पिता कार्य करने के लिये और इस छोटे बच्चे के लिये भोजन की व्यवस्था करने के लिये भला चंगा और समर्थ रहे, और होने पाये कि माता अच्छे स्वास्थ में और उस भोजन को पकाने में समर्थ रहे; और प्रभु, उनके हृदय छोटे बच्चे को सिखाने के लिये और परमेश्वर की चेतावनीयों में उसका पालन पोषण करने के लिये तैयार रहें। प्रभु, इसे प्रदाने करें।

15 अब उनके हाथों से मेरे हाथों में यह प्यारा बच्चा, छोटा मार्क डेविड आता है। और कलीसिया के इन प्राचीनो के साथ मैं उसको, यीशु मसीह के नाम में, एक सेवामय जीवन के लिये आपको प्रदान करता हूँ। प्रभु, इसे प्रदान करें। उसके जीवन से महिमा प्राप्त करें। यदि यह बात आपको भाती है तो होने पाये कि वह एक लम्बी आयु का जीवन प्रभु यीशु के इस आगमन तक व्यतीत करे। और यदि ऐसा है, होने पाये कि वह प्रभु परमेश्वर के संदेश को इस आने वाले युग में ले जाने के लिये आये। प्रभु, इसे प्रदान करें। उसे स्वस्थ और प्रसन्न रखें, और होने पाये कि उसका हृदय उन बातों की ओर जो कि परमेश्वर के सामने ठीक हैं, रहने पाये। यीशु मसीह के नाम में हम इस बच्चे का समर्पण करने के लिये आपको अर्पण करते हैं। आमीन।

16 परमेश्वर आपको आशीष दे। बहन कौलिन्स, परमेश्वर आपको और इस अच्छे बच्चे को और आपको भाई कौलिन्स, आशीष दे। परमेश्वर आपके साथ में हो।

*उन्हें अन्दर ले आओ,* हम सभी एक साथ गायें।

उन्हें अन्दर ले आओ, उन्हें अन्दर ले आओ,
पाप के मैदानों में से उन्हें अन्दर ले आओ,
उन्हें अन्दर ले आओ, उन्हें अन्दर ले आओ,

छोटे बच्चों को यीशु के पास ले आओ।

17 मुझे वह अच्छा लगता है। समझे, इससे पहले कि शैतान को मौका मिले, उन्हें मसीह के पास ले आओ। तब उन्हें पहले से ही एक सेवामय जीवन के लिये परमेश्वर को भेंट में दिया जा चुका होता है।

18 क्या किसी को पता है कि डाउच परिवार में से कोई यहाँ पर आया है कि नहीं, क्या बहन डाउच यहाँ पर आयीं है कि नहीं? भाई ब्राउन, क्या आप यहाँ पर हैं, भाई ब्राउन? हाँ, मुझे खुशी है। और... भाई डाउच अभी भी हमारे साथ हैं? यह अद्‌भुत बात है! ( भाई टाम, भाई डाउच की स्थिति के बारे में टिप्पणी करते हैं–सम्पा.) भाई डाउच ने हमें लगभग छोड़ दिया था। समझे, हम बहुत अधिक कह नहीं सकते हैं या बहुत अधिक पूछ नहीं सकते हैं, वह पहले से ही उस समय से इक्कीस वर्ष आगे आ चुके हैं जहाँ कि परमेश्वर ने उन्हें जीने को दिया था। वह समय एक साधारण जीवनकाल है, वह उस समय को पार कर चुके हैं जो कि परमेश्वर ने उन्हें बताया था कि वे जी सकते हैं।

19 परन्तु दूसरी प्रातः हमारे पास एक बुलावा आया, कि उनकी मृत्यु हो रही है, और हम वहाँ पर वेगपूर्वक गये। और प्रभु परमेश्वर उनके साथ में वास्तव में बहुत अच्छा था, उसने उन्हें बचा लिया। बस, मैं यह सोचता हूँ कि वह–वह तैयार हैं और प्रभु के आगमन की बाट जोह रहे हैं। परन्तु, आप जानते हैं, हम सभी एक दूसरे को थामे हुये हैं। हम बस... वह बूड़ा व्यक्ति मेरे लिये यहाँ पर मेरे पिता के सामान है।

20 मुझे स्मरण है कि वे ठीक यहाँ पर इस पुराने आराधनालय में, इस पुराने वाले भाग में बैठे हुये थे, जब वे... वह प्रकाश यीशु मसीह के नाम में पानी के बपतिस्में पर चमका था, वह ठीक वहाँ से आये थे। और सत्तासी या अट्ठासी वर्ष की आयु में एक लकड़ी के सहारे वे ठीक यहाँ पर आये थे और उन्होंने कहा था, "मैं ठीक वहाँ पर जाकर बपतिस्मा लेना चाहता हूँ।" कोई गया था और उनके लिये कपड़े लेकर आया था। वह अगले समय के लिये इन्तजार नहीं कर सकते थे; उन्हें ठीक तभी आना था, ठीक तभी आना था। अतः

मुझे–मुझे वह बात बहुत अच्छी लगती है।

21 किसी दूसरे दिन मैं उनसे बातचीत कर रहा था, उन्होंने कहा, ''भाई ब्रन्हम, क्या आप सोचते हैं कि मैं अब बिलकुल ठीक हूँ?''

22 मैंने कहा, ''क्या आप कभी चिकित्सक के पास शारीरिक परिक्षण के लिये गये हैं?''

उन्होंने कहा, ''जी हाँ श्रीमान।''

23 मैंने कहा, ''चिकित्सक अपने कानों में आले को लगाता है, और आप के हृदय पर लगाता है, यह देखता कि क्या आपका हृदय अच्छी तरह से धड़क रहा है कि नहीं; और विद्युत की सहायता से हृदय तरंगो को नापने के यन्त्र से, रक्त चाप नापने वाले यन्त्र से, मूत्र के परीक्षण से, और इसी प्रकार से यन्त्रों से वह आपके शरीर के बारे में पता लगाता है कि वह कैसा है। अब जिस प्रकार से वह यह बात करता है, वह यहाँ पर एक पुस्तक में देखता है जहाँ पर विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों ने लिखी होती है, 'यदि ऐसा होता है तो यह बात गलत है।''

24 और मैंने कहा ,''अब जो आला मेरे पास प्राण के लिये है वह बाईबिल है, समझे।'' और मैंने कहा, ''मैं आपका एक परीक्षण करने जा रहा हूँ।'' मैंने कहा, ''संत यूहन्ना 5:24 ने कहा है, 'वह जो मेरे वचनो को सुनता है।''' मैंने कहा ,''वह बस बैठ कर सुनना ही नहीं है। वह उस बात को ग्रहण करना है, समझे, उस बात को ग्रहण करना है; आप विश्वास करते हैं। कुछ आपके अन्दर है जो कि यह बताता है कि वह सत्य है। आप ने उसे ग्रहण किया है, आप उस बात का विश्वास करते हैं, वह बात आपकी होती है। 'वह *जो सुनता है*' वह बात पहले से ही आपकी होती है, 'मेरे वचनो को सुनता है, और मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है।' क्या आप उस बात का विश्वास करते हैं?''

उन्होंने कहा, ''मैं करता हूँ।''

25 मैंने कहा, ''तब मैं आपको बताता हूँ कि मुख्य चिकित्सक ने क्या कहा है, 'वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका, वह न्याय में नहीं आयेगा

या उसके ऊपर कोई दोष की आज्ञा नहीं है।''' मैंने कहा, ''जहाँ तक मैं जानता हूँ, पुस्तकों के अनुसार आप ने परीक्षा को उत्तीर्ण कर लिया है।''

26 उस बूढ़े व्यक्ति ने जो कि लगभग सौ वर्ष का था, वह बिलकुल भी गिरजे जाने वाला व्यक्ति नहीं था; परन्तु बस पहली बार प्रकाश उसके मार्ग में चमका, उसने उसे ग्रहण कर लिया। उस पहले से चुने गये बीज को देखें जो कि वहाँ पर पड़ा हुआ था? हूँह। जी हाँ श्रीमान। समझे, जैसे ही प्रकाश उससे टकराता है, वह एकदम से जीवित हो उठता है।

27 अब, मैं जानता हूँ आज गर्मी है, और मुझे ऐसा लगता है कि मेरे लिये आप लोगो को एक साथ सभा के लिये बुलाना, जहाँ पर आप इस प्रकार से यहाँ पर अन्दर खचाखच भरे हुये बैठे हुये हों, कठिन बात है। परन्तु फिर भी मैंने–मैंने सोचा, कि परमेश्वर के अनुग्रह से, इससे पहले कि मैं आप सभी को छोड़ूं, कि मैं एक सभा और करूं; एक छोटे समय के लिये मुझे विश्वास है।

28 और मुझे कल रात्रि शिकागो जाना है, कि मैं बुद्धवार रात्रि को शुरूआत कर सकूं। यदि यह संभव है, मैंने सोचा कि मैं वहाँ पर थोड़ा जल्दी पहुंच जाऊँ, और इससे पहले की सभाओं की श्रंखला की शुरूआत हो, मैं थोड़ा सा विश्राम कर लूं। और मेरा विश्वास है कि उनके पास में वह है... यहाँ पर, मैं उसकी तरफ ठीक यहाँ पर देख रहा था। उसका–उसका विज्ञापन वहाँ पर दिया गया है। उसको मैंरन्गो कहते हैं... ( कोई कहता है, मैरीगोल्ड।''–सम्पा) ...जगह, हाँ, मैरीगोल्ड, मैरीगोल्ड, हाँ, वह एक मैदान है। मैरीगोल्ड मैदान ही वह स्थान है जहाँ पर उसे बुद्धवार रात्रि से आरंभ होकर रविवार तक उसे होना है। और शनिवार प्रातः, फुल गास्पल व्यापारीयों का एक नाश्ता भी है। और मैं यह नहीं जानता हूँ कि बस ठीक कहाँ पर उन्होंने उसका विज्ञापन दिया है, कहाँ पर दिया है। नहीं। तब फिर शनिवार की संध्या को लेन टेक पर होनी है। मैं यह देख रहा हूँ कि उसका विज्ञापन यहाँ पर है।

29 अब, यदि आप उस क्षेत्र के आस पास हैं, या वहाँ पर हैं, तो यह एक नियमित, बस एक नियमित प्रचार कार्य की सभा होगी जैसे कि हर एक बार हमारी होती है। अधिकांश संदेश मुख्यतः उस बात पर होंगे जो कि यहाँ पर

सिखायी जाती है, क्योंकि आप समझे, यही वह स्थान है जहाँ पर हम टेप बनाते हैं। वहाँ बाहर वे बात का बतंगण बना सकते हैं। परन्तु यदि उनको यहाँ के बने हुये टेप मिलते हैं, तब फिर यह बात उनपर होती है वे उसको सुनना चाहते हैं कि नहीं। यह ठीक यहाँ से आते हैं। यह हमारा अपना प्रचार मंच है।

30 अतः वहाँ पर, प्रायः मैं कुछ ऐसी बात को लेता हूँ जो कि बहुत अधिक गहरी बात नहीं होती है, क्योंकि उनमें से बहुतेरों का अनुभव कम होता है और आनेवाली बातों के विषय में बहुत अधिक नहीं जानते हैं। परन्तु यहाँ पर मैं महसूस करता हूँ कि जो भी कुछ परमेश्वर मेरे हृदय में डालता है, उसे बोलने का मेरे पास अधिकार है, उस बात को यहाँ से कहने का अधिकार है। अतः हमारे सब टेप यहाँ पर से बनाये जाते हैं। समझे? और वे ठीक अभी उस कक्ष में हैं, आप उनके सिरों को उस धुँधले शीशे के ऊपर से देख सकते हैं, जहाँ पर वे अपने रिकार्डरों के साथ में बैठे हुये हैं।

31 अब, यदि आप सभा में आना चाहते हैं, हमें आपको पाकर बहुत खुशी होगी। बस, यदि आप वहाँ पर पहुँच जाते हैं, और यह नहीं जानते हैं कि कहाँ जाना है, क्यों, बस किसी भी संपूर्ण सूसमाचार वाले व्यक्ति से संपर्क करें, अथवा–अथवा भाई कार्लसन से संपर्क करें, और वह बता देंगे–वह आप को बता देंगे कि... वह आपको सलाह दे सकते हैं, या फिलेडेलफिया कलीसिया, या उनमें से कोई भी, वे आपको ठीक यह बता सकते हैं कि उस स्थान पर कैसे पहुँचना है।

32 तब फिर मैं अगले सोमवार की संध्या को वापस आऊँगा, दोपहर को किसी समय या शाम को वापस आऊँगा। और मंगलवार को हमें बच्चों को स्कूल में डालने के लिये ऐरीजोना वापस आना है, और ऐसी ही बातें करनी है। और फिर मैं ठीक–ठीक यह नहीं जानता हूँ कि बस कब वापस आना है, क्योंकि, मैं चाहता हूँ कि प्रभु मेरी अगुवाई उस बात में करे कि क्या करना है।

33 एक बहुत ही विचित्र बात हुयी है। शायद मैं... मैं जानता हूँ कि इसे

टेप किया जा रहा है, और शायद मैं इस बात को यहाँ पर बताऊँ। और ठीक जब दर्शन और पवित्र आत्मा की अगुवाई हो रही होती हैं, मैं बस ठीक उस समय प्रहार करना चाहता हूँ जब वह चल रही होती हैं। वह है... अब, पिछले वर्ष एक बात ठीक उन दर्शनों के सबसे महान समयों में हुयी जो कि मेरे साथ कभी नहीं हुयी, पिछला वर्ष वह समय रहा है जब कि बातें हुयी हैं जो कि आप लोग जानते हैं कि उनके घटित होने से पहले उनको बता दिया गया था, और वे बस वैसे ही हुयीं जैसा कि कहा गया था कि वे बातें होंगी।

34 अब, हम यहाँ पर वापस आ गये हैं, और–और मिलने के लिये आये हैं। इस स्थान की जलवायु मुझे निश्चित रूप में अच्छी नहीं लगती है, क्योंकि मैं हूँ ... बस जैसे ही मैं यहाँ पर पहुँचता हूँ यह मुझे तोड़ देती है। और मैं बस...मैं वहाँ उसके ऊपर से होकर आता हूँ और इस घाटी में आता हूँ, और मुझे यहाँ आये हुये दस मिनट ही हुये होते हैं और मेरे चकत्ते पड़ जाते हैं, मैं बिमार पड़ जाता हूँ। इस मौसम से मुझे चक्कर आने लगते हैं, हर एक चीज डरावनी और अंधकारमय प्रतीत होती है, और मुझे–मुझे बस वहाँ पर से निकलना होता है। समझे? और किसी दूसरे दिन मैं अपनी पत्नी से बातचीत कर रहा था ...

35 परन्तु वह पहली बात क्या है जो कि मुझे अन्दर लेकर आती है, क्या चीज मुझे यहाँ पर लेकर आती है, वह यह कलीसिया है, समझे। मैं आपको बताता हूँ, वो सभी स्थानों में से जहाँ कि मैं कभी सुसमाचार प्रचार करने के लिये गया, यह स्थान सुसमाचार प्रचार करने के लिये मेरा प्रिय स्थान है। और ऐसा दिखने में आता है कि हम यहाँ पर जो टेप बना सकते हैं, वह कहीं और बनाने के दस गुना ज्यादा अच्छी बात है। समझे? समझे, यही कारण है कि मैं कहता हूँ, "जहाँ पर परमेश्वर कुछ कर रहा होता है, तब फिर वहाँ पर ठीक उसके साथ में बने रहें।" परन्तु मैं सोचता हूँ कि महान बात यह है कि जब उसने मुझे पहली बार बुलाया तो वह बात मुझे बाहर जाने में असफल कर रही थी, और इसलिये जब मैं अन्दर आता हूँ, तो वह मेरे लिये एक प्रकार से कठिन कर देता है। आज्ञाकारिता बलिदान चड़ाने से अच्छी बात है।

36 और फिर मैं सभी समय आता जाता रहूंगा, आराधनालय में प्रचार

करता रहूंगा। और आप लोग जो कि शहर के बाहर से हैं, आप लोगों को बता दिया जायेगा। बिली पॉल, ठीक अपने कार्यालय में रहेगा, और–और आप उनसे कभी भी संपर्क कर सकते हैं, उनके द्वारा कर सकते हैं। और हम यहाँ पर वापस... आयोजित करने के लिये आयेंगे। और यदि प्रभु की इच्छा हुयी तो फ़िर सात तुरहीयाँ, सात अंतिम विपत्तियाँ, और कटोरे और ऐसी ही बातें बहुत जल्दी आने जा रही हैं, बस जैसे ही हमें थोड़ा सा ठंडा मौसम मिलता है, शायद, या कुछ इसी प्रकार की बात होती है, जैसे भी प्रभु अगुवाई करता है।

37 और अब, जब मैं किसी दूसरे दिन अन्दर आ रहा था, किसी विषय पर एक प्रश्न उठाया गया था, किसी ऐसे व्यक्ति के विषय में जिसने कि मुझे एक–एक चेक दिया था, और उसपर लिखा था ''व्यक्तिगत रूप से'', बस ठीक मेरे लिये था, और वह मेरे लिये था, ''टैक्स अदा किया गया, मुफ्त में'' और सभी कुछ़ था। अच्छा, हम गये, और बिली जानता था कि एक प्रकार से अब मुझे उस चेक की आवश्यकता थी।

38 वह गया और वकीलों से पूछा कि क्या वह उसको भुना सकता है। उसने कहा, ''क्यों, वह अमेरिका का नागरिक है। वह इसे क्यों नहीं भुना सकता है? समझे, उसपर यह लिखा था कि उसका 'टैक्स अदा किया गया', और सभी कुछ था और 'मुफ्त में' था। कोई भी नागरिक उस बात को कर सकता है।''

39 अतः बिली, वह उस बात से संतुष्ट नहीं हो सका, अतः वह जन समुदाय के लेखपाल के पास गया। उसने कहा, ''क्यों, निश्चित रूप से वह उसको भुना सकता है।'' कहा, ''वह संयुक्त राष्ट्र के नागरिक हैं।''

40 अतः, अच्छा, वह उसके विषय में सोच न सका, अतः उसने मर्ली मिलर, जो कि वहाँ इंन्डियानापोलीस टैक्स संस्था के शीर्ष हैं, बुलाया, वे हमारे वकील थे, और अतः आइस और मिलर थे। अतः, ''निश्चित रूप, यह ठीक बात है। समझे? निश्चित रूप से, वह उस चेक को ले सकते हैं। यह–यह–यह उनको दिया गया है, 'केवल पृष्ठांकन करने वाले के लिये''' मैं ही केवल उस

चेक का पृष्ठांकन कर सकता हूँ, और ऐसी ही बातें कर सकता हूँ, और उसके ऊपर हमारी मोहर नहीं लग सकती है...

41 समझे, मैं किसी भी चेक को भुनाता नहीं हूँ। इसी बात के लिये किसी समय उन्होंने मुझे पकड़ लिया था। कोई ढेर सारे चेक सभा में लेकर आया था, और उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, ये यहाँ पर हैं। मैंने कहा, "विलियम ब्रन्हम, विलियम ब्रन्हम.." अच्छा, सरकार हर समय उस बात की देखभाल कर रही थी। और मैं उन चेकों को स्वयं को हस्ताक्षर करके दे रहा था और उनसे वहाँ के उधार चुकता कर रहा था, परन्तु उन्होंने कहा कि किसी भी तरह से मेरे ऊपर इन सभी चेकों का टैक्स उधार के रूप में है, जो कि तीन हजार डालर है। अतः—अतः तब वहाँ पर वह विवाद हो गया।

42 अतः जैसे ही मैंने वह चेक अन्दर डाला, यहाँ पर वह ऐजन्ट वापस आया और कहा, "हम उस मुकदमे को अब उनके लिये फिर से शुरू करेंगे।" अतः एक प्रकार से यह बात कठिन हो गयी।

43 और भाई ली वेल यहाँ पर बैठे हुये हैं, मेरा अनुमान है कि यह कहना ठीक होगा, हम बस... वह नीचे आये थे, और इस अच्छे विद्वान बैपटिस्ट ने यहाँ लिया... मैंने उन्हें, भाई ली वेल को यहाँ किसी दूसरे दिन इस कुंड में यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया। और अतः वे वास्तव में एक अच्छे व्यक्ति हैं, मसीह में एक भाई हैं। उन्होंने यहाँ पहले हमें प्रचार किया है, और वे बहुत ही बौद्धिक रूप में शिक्षा प्राप्त व्यक्ति हैं, और, उसके अलावा वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जिसकी अगुवाई आत्मा करता है। जब उजियाला उनके ऊपर चमका, उन्होंने कहा कि उन्होंने उससे दूर भागने का यत्न किया, परन्तु वे बस ऐसा नहीं कर पाये, अतः मैंने उन्हें ठीक यहाँ पर दूसरी सुबह बपतिस्मा दिया। इस बात को और अधिक सह नहीं पाये, अतः हम यहाँ नीचे उतरे और अपने कपड़े पहने और अन्दर चले गये, और उनका यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा हुआ।

44 अच्छा, मैंने सोचा, जबकि उन्होंने एक अच्छा आत्मिक भोजन लिया है, शायद थोड़ी बातचीत करने के लिये हमें कुछ शारीरिक भोजन लेना चाहिये।

अतः हम ब्लू बोर रेस्तरां गये, और बैठ गये, और बातचीत करते हुये एक पाठ सामने आया, "आप कैसे लोगो को अपने विषय में इस प्रकार से बातचीत करने देते हैं?"

45 अब, भाई वेल उन सबसे अच्छे व्यक्तियों में से हैं जिनको कि मैंने कभी जाना है, परन्तु वे "बन्दूक का घोड़ा दबाने में बस थोड़ी सी जल्दी कर देते हैं," आप जानते हैं, मैंने उनको हमेशा बताया है। और अतः, उन्होंने, अतः मैंने कहा,...मैं आशा करता हूँ कि यह ठीक बात है, भाई वेल। अतः उन्होंने... मैंने कहा, "आप बिना सोचे समझे एकदम से कार्य न करें। शान्त खड़े रहें। परमेश्वर ही वह है जो कि उस बात को कर रहा होता है।"

46 उन्होंने कहा, "हाँ, शायद यह बात आप के लिये ठीक हो," उन्होंने कहा, उन्होंने यह कहा। परन्तु, अच्छा, वह–वह... मैं विश्वास करता हूँ कि वह–वह इतने अधिक तेज तर्रार हैं कि वे उन्हीं लोगों से मुलाकात करते हैं, उन तेज तर्रार बुद्धिजीवी लोगों से मुलाकात करते हैं; अतः उनको पता है कि बस कैसे वहाँ पर कार्य करना है, और उनके पास खड़े होने का कोई स्थान नहीं होता है। बस यही सब कुछ है।

47 अतः मैंने कहा, "भाई वेल, देखिये।" हम ब्लू बोर में बैठे हुये थे। मैंने कहा, "दाऊद एक समय, जब उसे अपने ही पुत्र के द्वारा सिहांसन से फेंक दिया गया था, उसे सिहांसन से उतार दिया गया था, विद्रोह हुआ था, इस्राएल का बंटवारा हो गया था, और दाऊद को अपने ही पुत्र के द्वारा सिहांसन से उतार दिया गया था, और वह शहर के बाहर रोता हुआ जा रहा था। और आप जानते हैं कि एक व्यक्ति जिसको कि उसका अंतिम दिन का संदेश अच्छा नहीं लगा था; उसको उसकी परवाह नहीं थी; वह एक छोटा सा बूढ़ा पुरूष था, एक प्रकार से अपंग व्यक्ति था, वह उसके साथ जा रहा था और उसका उपहास उड़ा रहा था, और उसने दाऊद पर थूका। और उस सन्तरी ने अपनी तलवार खींच ली, कहा, "मैं उस कुत्ते के सिर को उसके ऊपर रहने दूंगा जो कि मेरे राजा के ऊपर थूकता है?' दाऊद ने कहा, "उसे अकेला छोड़ दो। परमेश्वर ने ही उसे ऐसा करने के लिये कहा है।' समझे? उसके ऊपर थूका, उसका उपहास उड़ाया, और फिर उसके ऊपर थूका। कहा, 'परमेश्वर ने उसे

ऐसा करने के लिये कहा है।''' अच्छा, हम उस कथा को जानते हैं, कि कैसे वह बात वापस आयी। भाई वेल ने सोचा कि ऐसा करने के लिये बहुत अधिक अनुग्रह की आवश्यकता पड़ेगी।

48 अतः जैसे ही वह वापस आया और अपने कार्यालय में प्रवेश किया, जन समुदाय के लेखाकार ने बिली पॉल का बुलाया और उसे इस बात के विषय में बताया। अतः भाई वेल मेरे साथ घर में गये। जब मैं अन्दर आया, मैंने अपनी पत्नी से कहा... यह बात दोपहर के किसी समय में हुयी। हम कमरे में गये। मैंने कहा, ''प्रिय, मेरे पास तुम्हें बताने के लिये कुछ है।''

49 इससे पहले कि मैं जाता, हम बातचीत कर रहे थे। उसने कहा, ''बिल, मैं जानती हूँ कि परमेश्वर ने तुम्हें वहाँ पर भेजा है; हम सभी इस बात को जानते हैं, परन्तु उसने तुमसे वापस आने के लिये कभी नहीं कहा। आप समझे, अब, इसी बात पर मैं चिन्तित हूँ।''

50 मैंने कहा, ''अच्छा, मैं सोचता हूँ कि यह बात तुम्हारे और बच्चों के लिये है। इस बात से मेरा कोई तात्पर्य नहीं है। परमेश्वर की इच्छा हुयी तो जहाँ कहीं भी जाऊँ, मैं उसकी सेवा करूंगा।'' और अतः मैं वापस चलकर गया, और मैंने उसे इस प्रकार से बताया। अतः मैं बस वापस मुड़ा और अपनी टोपी को वहाँ पर रख दिया।

51 और किसी ने उसके विषय में कुछ कहा, ''ओह, यह टैक्स एकत्र करने वाला! हमें बाहर जाना चहिये...'' बस एक प्रकार से कुछ कहा।

52 भाई वेल के विषय में जो मैंने बताया था, उस बात के विषय में न सोचते हुये मैंने कहा, ''उसे अकेला छोड़ दो। शायद प्रभु ने ही उसे ऐसा करने के लिये कहा है।''

53 मेरा ऐसा कहना ही था कि एक प्रकाश दिवार पर चमका और उसने उसपर लिख दिया, भाई वेल और मेरी पत्नी वहाँ पर बैठे हुये थे, ''ऐरीजोना में वापस आ जाओ।'' अक्षर दिवार पर लिखे हुये थे, ''ऐरीजोना में वापस आ

जाओ।'' यह ठीक बात है। अतः अब मैं वापस ऐरीजोना को चला, आमीन।

54 अब यह सप्ताह महान आशीषों का एक सप्ताह रहा है। इस सप्ताह हमने उन लोगो के निजि साक्षात्कार किये जो कि सात मुहरों से इन्तजार कर रहे थे। और मैं उनमें से कुछ को छोड़कर सन्देह नहीं करता हूँ परन्तु उनमें से कुछ को शहर के बाहर से और राष्ट्र में से बुलाया गया था। परन्तु उस प्रातः, साक्षात्कार आरंभ होने के पहले, जब मैं अपने कमरे में बैठा हुआ था, पवित्र आत्मा ने मुझे ठीक–ठीक वह सब कुछ लिखवाया जो कि वे जानते थे, उस हर एक बात को लिखवाया जो कि वे पूछना चाहते थे, उन प्रश्नो को जिस प्रकार से वे चाहते थे, घुमा दिया, और उनके सपनो और अनुवादों को इससे पहले कि वे कभी बता पाते, उन्हें बता दिया।

55 अब लोग यहाँ पर कमरे में हैं, वहाँ पर हैं। और मैं आगे जाऊँगा और उन्हें बातचीत करने दूंगा। वे यह कहेंगे, ''अच्छा, भाई ब्रन्हम, मैं अमुक–अमुक स्थान से आया हूँ।''

56 मैंने कहा, ''अब स्मरण रखिये, हम यहाँ पर सहभागिता के लिये एकत्र नहीं हुये हैं। हम यहाँ पर एक दूसरे के साथ में सहभागिता करने के लिये नहीं आये हैं। आप के मस्तिष्क में, आपके हृदय में कोई प्रश्न है, जिसपर–जिसपर आप लड़खड़ा गये हैं और आप नहीं जानते हैं कि वह क्या है। और शायद मैं प्रभु की सहायता से उसे करने पाऊँ।''

57 मैंने कहा, ''स्मरण रखिये कि शीबा की रानी के पास भी कुछ प्रश्न थे, जब वह सुलेमान के पास आयी थी। और बाईबिल कहती है कि कोई भी बात ऐसी नहीं थी जो कि प्रगट न की गयी या न बतायी गयी, जो कि सुलेमान उसे न बता सका हो।'' और मैंने कहा, ''सुलेमान से भी बड़ा यहाँ पर है। समझे? यह ठीक बात है। प्रभु यीशु ने प्रतिज्ञा की है, 'जहाँ भी दो या तीन मेरे नाम में एकत्र हैं, वहाँ पर मैं उन के बीच में होऊँगा। और जिस किसी बात के विषय में वे सोचते हैं, या इच्छा कर रहे हैं, और–और वे माँगेंगे, तो वह उन्हें दे दिया जायेगा।' और अब आपका प्रश्न किसी ऐसी बात के विषय में है जो कि आप नहीं जानते हैं, कोई ऐसी बात है जिसके विषय में आप नहीं जानते

हैं कैसे पास आना है, कोई ऐसी बात जिसके विषय में आप नहीं जानते हैं कि क्या करना है।''

58 और मैंने कहा, ''फिर से वचन ने इस बात को कहा है कि, 'यहोवा के डरवैयों के चारों ओर उसका दूत छावनी किये हुये उनको बचाता है,' अतः यह किसी और संसार में होता है जहाँ पाँच इंन्द्रियाँ कार्य नहीं करती हैं।''

59 पाँच इन्द्रियाँ केवल इस संसार से संपर्क करती हैं। यदि आप के पास कोई अनुभूति नहीं होती, आप कुछ अनुभव नहीं कर सकते थे। अनुभूति आप के लिये कुछ भी ...; वह एक दूसरा संसार होता। यदि आप के पास कोई दृष्टि नहीं होती, आप जिस चीज की तरफ देख रहे होते, वह एक दूसरा संसार होता, आप उसके विषय में कुछ भी नहीं जानते। अतः यह पाँच इन्द्रियाँ केवल वह चीज हैं जिनको कि परमेश्वर ने हमे दे रखा है।

60 अब एक और है जिसका नाम विश्वास है। परन्तु विश्वास के द्वारा आप एक सीढ़ी पर चढ़ते हैं, और अन्त में आप इतने ऊँचे उठ जाते हैं जबतक कि आप दूसरे संसार में, जो कि दर्शनों का संसार है, प्रवेश नहीं कर लेते। वहाँ पर आप देख सकते हैं।

61 बस वैसे ही जब आप यह कभी नहीं जान पाते हैं कि आप अपनी अनुभूति से क्या अनुभव कर रहे हैं, आप ने उस बात को कभी नहीं देखा है; तब फिर आपकी आँखें खुल जाती हैं, आप उस चीज को देखने लगते हैं। उस व्यक्ति के लिये जो कि इस बात को देख नहीं सकता है, यह सब कुछ भेदभरा होता है। उसके लिये यह भेद में होता है, परन्तु फिर भी ऐसा होता है।

62 और वहाँ अन्दर प्रभु... इससे पहले कि हम यहाँ पर आते, देश के चारों ओर से, हर स्थान से, पूर्व से, पश्चिम से, दक्षिण से लोग इन साक्षात्कारों के लिये आये। और जैसे ही वे बोलना आरंभ करते, बस ठीक वही प्रश्न उन्होंने पूछे, जिस बात के विषय में वे पूछ रहे थे, मैं उनसे कहता, ''यहाँ पर देखिये,'' मैं खड़ा होता, और वहाँ पर एक कागज का टुकड़ा रखा था जिसपर वे सारे प्रश्न लिखे हुये होते, और ठीक वैसे ही लिखे हुये थे जैसे कि उन्होंने पूछा था,

या पूछने जा रहे थे, उनके प्रश्नों के उत्तर बस ठीक वैसे ही जैसे कि उनका उत्तर दिया गया। प्रभु महान है। वह सब बातों को जानता है। परन्तु फिर भी, उस दोपहर की बातों से बाहर आने के लिये मुझे तीन दिन लगे, वह क्या बात थी, उसने मुझे इतना अधिक थका दिया था। और हालाँकि, इससे पहले कि हम गये, अब मैंने सोचा कि मैं उसे ले लूंगा।

63 अब व्यक्तिगत रूप से लोगों के लिये एक उचित तरीका है, वास्तविक तरीका है। अब कुछ बातें हैं जो कि कही जा सकती हैं।

64 और यदि वे लोग यहाँ पर होते, जिनके मनों के गुप्त विचारों को प्रगट किया गया था, वो पूर्ण रूप से... यह बहुत ही भयानक बात होती; यदि यह बात जन–समुदाय में, जन–समुदाय के सामने इस प्रकार से ठीक इस मंच पर प्रगट की गयी होती, यह किसी अपराध को करा देती यह एक व्यक्ति से किसी दूसरे के ऊपर गोली चलवा देती, या कुछ और हो जाता। यह बात दण्ड देने योग्य अपराध करवा देती और सब कुछ करवा देती।

65 परन्तु जब आप पवित्र आत्मा में इस प्रकार से एक साथ बैठे हुये होते हैं, बस दो इस प्रकार से बैठे हुये होते हैं। परन्तु हम इस बात को समझते हैं कि जो भी कुछ उन्होंने मुझसे पूछा है वह निजि होता है। मैं उसके विषय में कुछ नहीं बोलता हूँ। और जब मैं उनसे यह कहता हूँ, तो यह बात उनपर होती है कि वे इसे कहना चाहते हैं कि नहीं। समझे? परन्तु यह बात साक्षात्कार में हमारे मध्य में जानी जाती है। यह एक व्यक्ति को एक–एक करके लेना होता है, और तब तक बैठे रहना होता है जब तक कि सब कुछ पवित्र आत्मा की सहायता से ठीक नहीं हो जाता है।

66 और फिर अनुग्रह के विषय में सोचता हूँ, पवित्र आत्मा मुझे उसके विषय में सब कुछ बता देता है, उनमें से हर एक के विषय में, उन सब के विषय में, इससे पहले कि वे यहाँ पर आयें; देश के चारों ओर से लोग आते हैं जिनको कि मैंने अपने जीवन में कभी नहीं देखा होता है। और मैं उस बात को लिख लेता हूँ ताकि वे जानने पायें, बस नियमित तौर पर प्रश्नों के अनुसार लिख लेता हूँ और जिस प्रकार से वे उस का उत्तर देंगे।

67 एक भाई के पास सर्प वंश के ऊपर प्रश्न थे, जिसका उत्तर मैं बस ठीक प्रकार से नहीं दे पाया क्योंकि उनका छोटे सा आधा घंटा पूरा हो चुका था। मैं आशा करता हूँ कि उन्होंने कागज के टुकड़े के ऊपर उसके ठीक उत्तर पा लिये हैं। मैं... उन्होंने उसको कागज पर लिख रखा था, और वह अपने सारे उत्तरों को लिख नहीं पाये, अतः मैंने उनको कागज के टुकड़े पर उत्तर लिख कर दिये। यदि वे नहीं कर पाये हैं, तो बिली पॉल के पास में वह है। मैं जानता हूँ कि वह व्यक्ति यहाँ पर बैठा हुआ है; कुछ क्षणों पहले मैंने उनकी ओर देखा था। अतः–अतः यदि वह उसका पता लगाना चाहते हैं, आपके प्रश्नों के उत्तर एक कागज के टुकड़े पर लिखे हुये हैं।

68 अब ओह, प्रभु कितना अच्छा है! मैं आशा करता हूँ कि सभी बहुत अच्छा अनुभव कर रहे हैं।

69 और अब आइये हम यह स्मरण रखें, और अब जबकि मैं इन रूमालों के लिये प्रार्थना करता हूँ, भाई डाच को भी स्मरण किया जायेगा। वह एक अनमोल भाई हैं, और हम यह चाहते हैं कि उन्हें प्रार्थना में स्मरण किया जाये।

70 और मैं–मैं भाई उनग्रेन को देख रहा हूँ, परन्तु मैं–मैं बहन उनग्रेन को कहीं पर नहीं देखता हूँ, क्या वह अभी ठीक–ठाक हैं। हाँ, वह उनसे दूर वहाँ पर बैठी हुयी हैं। निश्चित रूप में। हाँ। मैं खुश हूँ। क्योंकि हमें दूसरी रात्रि ...उसमें बुलाया गया था। उनका और उनकी पुत्री का एक आपात्कालीन मामला था, बहन...मैं...डाऊनिंग, डाऊनिंग। वे सड़क पर से फिसल गये थे, और बस परमेश्वर का अनुग्रह था, अन्यथा उन दोनो के ठीक वहाँ पर टुकड़े–टुकड़े हो जाते । और यहाँ पर वे कलीसिया में ठीक–ठाक आ गये हैं, वे ट्रेन पर चढ़े और यहाँ पर आ गये।

71 मैं आप सभी को कभी नहीं भुला पाऊँगा। मैं आप से प्रेम करता हूँ। परमेश्वर उस बात को जानता है। मैं–मैं आपसे प्रेम करता हूँ। कैसे इस देश के खराब मौसम में मैंने पार किया है!

72 जब मैं कुछ भाईयों को देखता हूँ जो कि यहाँ जार्जिया से आये हैं,

और अलाबामा, बौर विभिन्न जगहों से आये हैं, और टेनेसी और उसके चारों ओर से आये हैं, जहाँ पर वे सभा में आने के लिये सड़क पर अपनी कार में चलते हैं, जहाँ पर बर्फ पड़ी होती है और आगे और पीछे फिसलन होती है।

73 जब मेरे पास वह आपातकालीन बुलावा भाई डाच के लिये किसी दूसरे दिन आया, मुझे इस बात का अहसास नहीं था कि लीमा, ओहायो इतना दूर है। बस.. मैंने सोचा था कि वह बस एक छोटी सी छलांग, उछाल और एक बार कूदने भर की देरी पर है। परन्तु हे मेरे परमेश्वर, मैंने उस प्रातः यहाँ से वास्तव में बहुत जल्दी शुरूआत की थी, वहाँ पर मैं उस दोपहर एक बजे तक भी नहीं पहुंच पाया था, उतनी तेजी से कार चला रहा था जितना कि रफ्तार सीमा मुझे चलाने देती थी, और दो सड़कों वाले राजमार्ग पर मैं था। और मैं सोचता हूँ कि यह बात वहाँ नीचे दक्षिण में, जहाँ से दूसरे लोग आये हैं, और वहाँ पूर्व और पश्चिम में, जहाँ से वे लोग आये हैं, कितनी मेल खाती है।

74 मैं आपसे प्रेम करता हूँ, और यही कारण है कि मैं यहाँ पर मैं अत्यधिक सत्यनिष्ठ हूँ।

75 और वे पुराने समय के लोग! मैं भाई क्रीच को और उन लोगो को वहाँ पीछे बैठे हुये अभी देख रहा हूँ, और उन लोगो को भी जो कि इन सब वर्षों और इन सब बातों में मेरे साथ रहे हैं, और कैसे हम एक साथ बड़े हुये हैं। मैं मैरी जो की तस्वीर को देख रहा था, मैं विश्वास करता हूँ कि ऐसा दो रात्रि पहले हुआ था। जब हम पहले मिले थे, वह एक छोटी सी लड़की थी, और अब मेरा अनुमान है कि उसकी शादी हो गयी है, और उसके पास बच्चे हैं। भाई और बहन क्रीच, और मेडा और मैं, युवा और काले बाल वाले थे, और यहाँ पर हम सफेद बाल के और झुके हुये से हैं। समझे, लोगो के विषय में उस प्रकार से कुछ बात होती है जो कि—जो कि आप को मंत्रमुग्ध कर देती है। समझे, आप—आप—आप उनके साथ में रहना पसन्द करते हैं। समझे? कुछ और बात होती है जो कि हमेशा आपके दिमाग को खींचती है। बस उनका उदाहाण दूसरो को जो कि यहाँ पर हैं, युवा और बूढ़े लोगो को देते हैं। हम प्रभु के आगमन की बाट जोह रहे हैं।

76 अतः इस प्रातः मैंने रखा है... मैं विश्वास करता हूँ कि परमेश्वर ने इस प्रातः यहाँ पर सन्डे स्कूल के पाठ को सिखाने के लिये मेरे हृदय में रखा है, परमेश्वर की इच्छा हुयी तो यह एक लम्बे समय तक होगा। मैं... और अब, कुछ समय तक के लिये यह अंतिम सभा होगी, जहाँ तक मैं जानता हूँ...

77 और मैं चाहता हूँ कि आप यह स्मरण रखें कि भाई नेविल को पवित्र आत्मा की आधीनता में आराधनालय के कार्यभार के लिये इस कलीसिया में छोड़ दिया गया है, उनको इसलिये छोड़ दिया गया है, और वे इस संदेश का विश्वास करते हैं और–और उसे वैसे ही सिखाते हैं जैसे कि मैं उसे सिखाता हूँ। यह ठीक बात है। और किसी भी समय जब आप चाहते हैं, जब आप ठीक समझते हैं कि आकर भाई नेविल को सुने, वह निश्चित रूप में आपका भला करेंगे, मैं निश्चित हूँ। वह यीशु मसीह के एक महान दास हैं।

78 मैं भाई आरमन नेविल को तब से जानता हूँ जब से मैं एक छोटा लड़का था, और वह एक बिन्दू भी नहीं बदले हैं, केवल परमेश्वर के और नजदीक हो गये हैं। मुझे स्मरण है जब मैं उनसे पहली बार ... पर मिला था। मुझे उनके मेथोडिस्ट मंच पर आने का निमंत्रण दिया गया था। और जब मैं इस आराधनालय में वापस आया, मैंने कहा, "किसी दिन मैं उन्हें यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दूंगा।" और वह अब यहाँ पर संदेश के साथ में हैं, आगे बड़ रहे हैं, वह एक वास्तविक निडर दास हैं।

79 और भाई नेविल बहुत सारे खिचावों से और हृदय के टूटने से गुजरते हैं, जो कि वह यहाँ पर आराधनालय में नहीं दिखाते हैं। परन्तु चूंकि प्रभु मुझे लोगो के जीवनो में एक छोटी दृष्टि डालने देता है, मैं जानता हूँ कि वह किस चीज से होकर गुजर रहे हैं; बहुत कुछ बातों से होकर गुजर रहे हैं, समझे। और वह निश्चित रूप से बहुत सारे परिश्रंम और खिचांवो और बातों से होकर गुजरते हैं। और आप लोग जो कि यहाँ पर हैं, उन्हें उसी प्रकार से थामे रहें जैसे कि यहोशु और कालेब ने मूसा के हाथों को थामा था, क्योंकि वह परमेश्वर के वचन को लेकर आते हैं।

80 एक दूसरे से सब बातों से बड़कर प्रेम रखें। एक दूसरे से प्रेम रखें।

यह नहीं.. इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि शैतान क्या कहता है! अब आप एक बड़ा महान मधुर झुण्ड हैं, परन्तु मेरी चेतावनी को याद रखें, समझे, शैतान आप को उस प्रकार से नहीं रहने देगा। नहीं श्रीमान। वह हर एक बात को निशाना बनायेगा, यदि उसे किसी ऐसे व्यक्ति को अन्दर लाना पड़े जिसको कि वह अपना निशाना बनाये। वह किसी आलोचक को या किसी अविश्वासी को अन्दर लायेगा, और उसे बैठायेगा, और उसे शान्ति के साथ और उन बातों के साथ सहभागिता करने देगा, और फिर वह उस व्यक्ति के ऊपर निशाना बनाकर कोई जहरीली बात फेंकेगा, और वह कलीसिया में उस बात को आरंभ कर देगा। आप उसकी तरफदारी न करें। आप को किसी भी बात से कोई लेना देना न हो। आप एक दूसरे के साथ प्रेममय और मधुर और दयालु बने रहें। आप उस व्यक्ति के लिये, या उस स्त्री के लिये, या वो कोई भी हो, प्रार्थना करें कि वह भी बच जाये। और एक दूसरे के साथ में मिले रहें।

81 और आप अपने पास्टर के साथ में बने रहें। समझे, वह आपका चरवाहा है, और आप उनको आदर दें। वह आपकी अगुवाई करेंगे, और, क्योंकि वह इस बात के लिये परमेश्वर की ओर से अभिषिक्त हैं।

82 अब क्या आप यह स्मरण रखेंगे? ( सभा कहती है, "आमीन"–सम्पा) शत्रु आयेगा। और जब वह आता है, आप एक साथ उतना ही और नजदीक आ जायें। और जिसको शैतान शत्रु के रूप में उपयोग कर रहा है, या तो वह बाहर चला जायेगा या वह अन्दर आकर आपमें मिल जायेगा। यही बात है।

83 आप कभी भी अपने मध्य में दल न बना लें, या–या बातचीत करके और अपने आप को किसी दल का बना लें। हम सब एक हैं। मैं यह नहीं कह सकता हूँ, "बायें हाथ, मैं–मैं तुझपर पागल हो जाऊँगा, मैं तुझे हटा दूंगा क्योंकि तू दायाँ हाथ नहीं है।" वह मेरा बायाँ हाथ है। मैं चाहता हूँ कि वह वहाँ पर बना रहे। यहाँ तक कि मेरी अँगुली का छोटा कोना, मैं चाहता हूँ कि वह ठीक वहाँ पर बना रहे, मेरे शरीर का हर एक छोटा हिस्सा मैं चाहता हूँ कि वह ठीक वहीं पर बना रहे। और जबकि हम विश्वासीयों की एक देह हैं, परमेश्वर हमसे चाहता है कि हम ठीक एक दूसरे के साथ में बने रहें, ठीक एक दूसरे के साथ बने रहें।

84 और अब आपके पास में उस विषय पर टेप हैं। आप के पास उस बात के टेप हैं कि हम क्या विश्वास करते हैं। आप के पास कलीसिया के अनुशासन के ऊपर टेप हैं, कि हमें परमेश्वर के घर में किस प्रकार से व्यवहार करना चहिये, कि कैसे हमको एक साथ यहाँ पर आना है और एक साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठना है। आप घर पर न रूके रहें। यदि परमेश्वर आपके हृदय में है, आप कठिनता से ही उन दरवाजों के खुलने का इन्तजार करते हैं, कि आप अपने भाईयों के साथ में सहभागिता कर सकें। यदि आप ऐसा अनुभव नहीं करते हैं, तब फिर मैं आप को बताता हूँ कि यह समय है कि आप प्रार्थना में जायें।

85 क्योंकि, हम अंतिम दिनो में हैं, जबकि बाईबिल ने ऊँचा उठाया है.. .या हमें उपदेश दिया है कि, "जैसे–जैसे तुम उस दिन को नजदीक आते देखो, ऐसा और अधिक किया करो," आप एक दूसरे से मसीही प्रेम के साथ और दिव्य प्रेम के साथ प्यार करें, "कि हम स्वर्गीय स्थानों में और–और–और मसीह में एक साथ एकत्र हों," और एक दूसरे से प्रेम करें। "इससे सब लोग यह जानेंगे कि तुम मेरे चेले हो, जब तुम आपस में प्रेम रखोगे।" यह ठीक बात है। एक साथ बनें रहें।

86 यदि एक भाई के लिये आप सोचते हैं कि वह थोड़ा सा गलत है, या वह बहन बहन कहती है, "प्रभु, मुझमें कभी भी कोई कड़वाहट की जड़ न बड़ने दें, क्योंकि यह–यह बात मुझे प्रभावित करेगी, और यह मसीह को मेरे जीवन से बहुत दूर ले जायेगी।" वह द्वेष, और ईर्ष्या, और घृणा का जहरीला तेजाब, वह पवित्र आत्मा को बस आपसे दूर ले जायेगा। यह बात उसे यहाँ आराधनालय से दूर भगा देगी। यह परमेश्वर की आत्मा को मार देगी, या उसे यहाँ से दूर भगा देगी, पास्टर, आप को चोट पहुँचायेंगी। यह सब कुछ करेगी। समझे? आप ऐसा कदापि न करें।

87 आप उतना ही और अधिक आपस में जुड़ जायें। आप निकाल लें... जैसा कि इस भाई, एक सेवक ने दूसरी रात्रि यहाँ पर कमर कस के विषय में गवाही दी, उसने इस बात को दर्शन में देखा, आप कमर कस को लें। बस. .. उस चीज से आप परमेश्वर के सारे हथियारों को बाँध लेते हैं। बस उस चीज

को खींच लें, उसे कस कर बाँध लें, आप एक दूसरे के और नजदीक आ जायें। हर हालत में एक दूसरे से प्रेम रखें। एक दूसरे के विषय में अच्छी बात बोलें, और फिर परमेश्वर आपको आशीष देगा।

88 अब इस प्रातः, यदि प्रभु की इच्छा हुयी, उसकी सहायता और उसके अनुग्रह के द्वारा मेरे पास यहाँ पर प्रश्नों का एक झुण्ड है, बल्कि वचनो का है। और इससे पहले हम उसके पास जायें... मैंने सोचा कि मैंने वहाँ रिकार्डरों को आरंभ होते सुना है। अब परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, हम संदेश को लाने जा रहे हैं।

पहले प्रार्थना करेंगे।

89 प्रभु यीशु, मैं इस कलीसिया रूपी देह से बातचीत कर रहा हूँ कि वे परमेश्वर के न बदलने वाले हाथ को, अपने परम–सत्य को थाम लें, जो कि वचन है; उनको चेतावनी दे रहा हूँ जैसे कि पौलूस ने अपने झुण्ड को चेतावनी दी, कि, ''भेड़िये अन्दर आ जायेंगे।'' आप वही परमेश्वर हैं जो कि तब थे, और शत्रु वही है। होने पाये मसीह के अन्दर, यह सहभागिता और प्रेम के बन्धन हमेशा इन लोगो में बने रहें।

90 प्रभु, इस प्रातः जब हम वचन को पढ़ते हैं, आप सहायता कीजीये। होने पाये कि पवित्र आत्मा उसको हमारे ऊपर प्रगट करे, कि कलीसिया, ''उस विश्वास को जो कि संतो को दिया गया था,'' उसमें पूर्ण रूप से स्थापित हो जाये। और होने पाये कि जैसे आपने कुछ दो वर्ष पहले जो दर्शन दिया था, ''कि भोजन को एकत्र करो,'' उस दर्शन में मैंने अच्छी, स्वस्थ दिखने वाली सब्जीयाँ जो कि मैंने देखीं थी, वे इस आराधनालय में जमा की जा रही हैं, होने पाये कि हमें वह वे पूरी टोकरी भरकर मिलने पायें। प्रभु, इसे प्रदान करें। या, टेपों का ढेर मिलने पाये, कि जिस घड़ी में हम रह रहे हैं, उसमें हमारे ऊपर मसीह को प्रगट करे, कि जो कार्य आगे आना बाकि हैं, उनके लिये पोषण करने वाली सामर्थ और आत्मिक सामर्थ प्राप्त हो। पिता, इसे प्रदान करें।

91 अपने इन बच्चों को आशीषित करें। ये इस प्रातः यहाँ पर राष्ट्र के

विभिन्न भागों से आये हैं। यह एक गर्म, चिपचिपी सुबह है, परन्तु फिर भी इन सब बातों में हमें पवित्र आत्मा की उपस्थिति का आभास होता है।

92 हम जॉन वेसली, और कैलविन, और सैन्की, और नॉक्स, फिनी, और उनमें से बहुतेरों के विषय में सोचते हैं, यहाँ तक कि वे बिना बिजली के पंखो के थे, जहाँ पर लोग हालों में बैठते थे, और पसीना उनके चेहरे पर से होकर जा रहा होता था। स्त्रियाँ, अच्छी तरह से ढकी हुयी और वस्त्र पहनी हुयी सभा में तब तक बैठी हुयी होती थी जब तक कि उनके कपड़े तर–बतर न हो गये होते थे, वे परमेश्वर के वचन को सुन रही होती थीं, अपने प्राणों को पोषित कर रही होती थीं। अब, प्रभु, हमें यह आभास होता है कि वे कहीं पर विश्राम कर रहे हैं, प्रभु के आगमन की बाट जोह रहे हैं।

93 पिता, हमें एक साथ बनाये रखीये। पवित्र आत्मा को हमारा मार्गदर्शन करने दें और रास्ता दिखाने दें। हमें आपके लिये एक लम्बा सेवामय जीवन प्रदान करें। इस प्रातः इस महान संदेश को हमें दें जो कि हम आपके वचन में से आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, कि यह हर एक हृदय के पास जाने पाये। प्रभु, जो होठ इसको बोलते हैं, उन्हें सत्य बुलवायें। जो हृदय इसको सुनते हैं, उनको सत्य को ग्रहण करने के लिये उपजाऊ बनाइये, और होने पाये कि यह बड़ा होकर अनन्त जीवन के वृक्ष बन जाये, ताकि यह चमकने वाली ज्योति बने और सब मनुष्यों के द्वारा पढ़ी जाने वाली पत्री बनने पाये; वे यह जानने पायें कि यीशु मसीह मुर्दों में से जी उठा है और हमारे मध्य में रहता है। हमें इतना अधिक प्रेम से और आत्मा के फलों से भरा हुआ बनायें जब तक कि दूसरे पुरूष और स्त्री, लड़के और लड़कियाँ हमारे अन्दर मसीह के जीवन के परिणामों को देखें, जो कि हमारे अन्दर, उस महान घटना के दो हजार वर्षों के बाद अब जी रहा है। पिता, इसे अपने आदर के लिये प्रदान करें। हम यह यीशु मसीह के नाम में माँगते हैं। आमीन।

94 अब मैं वचनों में से कुछ पढ़ना चाहता हूँ। और मैं विश्वास करता हूँ कि आप के पास आपकी पेंसिलें और कागज हैं और सब चीजे तैयार हैं।

95 और, भाई नेविल, आप शान्त बैठे हुये हैं। मैं बस अपना कोट उतारने

जा रहा हूँ। वह है... ( भाई नेविल कहते हैं, "यह ठीक बात है।"–संम्पा) यह है... मुझे अपना कोट उतारने के लिये क्षमा करें, परन्तु यहाँ पर बहुत बुरी गर्मी है।

96 अब मैं चाहता हूँ कि आप कुलुस्सियों की पुस्तक निकालें, कुलुस्सियों का पहला अध्याय निकालें। और तब जबकि हम इसके...से आरंभ करते हुये पढ़ेंगे मैं आपसे चाहता हूँ कि जब आप घर जायें, आप कुलुस्सियों के सारे अध्यायों को पढ़ें। परन्तु इस प्रातः मैं चाहता हूँ कि आप मेरे साथ 15वीं आयत से 29वीं आयत तक पढ़ें।

97 अब आप जितना संयम रख सखते हैं, उतना रखें, क्योंकि मुझे आभास होता है कि यहाँ पर, यदि परमेश्वर मेरी सहायता करेगा, तो वह इन सब दूसरी बातों को प्रगट करेगा और आपके मन में लायेगा, जिनके विषय में मैंने आराधनालय के दिनों में बातचीत करी है; क्यों मैंने वैसा कहा, मैंने क्या कहा, और जो भी मैंने किया है, वह मैंने क्यों किया है। यह इसलिये किया है।

98 अब 15वीं आयत से आरंभ करते हुये।

*वह तो अदृश्य परमेश्वर का प्रति–रुप और सारी सृष्टि में पहिलौठा है।*

*क्योंकि उसी में सारी वस्तुओं कि सृष्टि हुई, स्वर्ग की हो अथवा पृथ्वी की, देखी... या ...अनदेखी, क्या सिंहासन..., क्या प्रभुताएं..., क्या प्रधानताएं... क्या अधिकार, सारी वस्तुएं उसी के द्वारा और उसी के लिए सृजी गई हैं।*

*और वही सब वस्तुओं में प्रथम है, और सब वस्तुएं उसी में स्थिर रहती हैं।*

*और वही देह, अर्थात् कलीसिया का सिर है; वही आदि है और मरे हुओं में से जी उठने– वालों में पहिलौठा कि सब बातों में वही प्रधान ठहरे।*

99 मुझे इस बात पर थोड़ा सा जोर फिर से डालने दें, इस 19वीं आयत पर।

*क्योंकि पिता की प्रसन्नता इसी में है कि उस में सारी परिपूर्णता वास करे।*

*और उसके क्रूस पर बहे हुए लोहू के द्वारा मेल मिलाप करके, सब वस्तुओं का उसी के द्वारा से अपने साथ मेल कर ले चाहे वे पृथ्वी पर कि हों, चाहे स्वर्ग में की।*

ध्यान दें कि मेल–मिलाप कहाँ पर हुया था।

*और उस ने अब उसकी शारीरिक देह में मृत्यु के द्वारा तुम्हारा भी मेल कर लिया जो पहिले निकाले हुए थे और बुरे कामों के कारण मन से बैरी थे।*

*ताकि तुम्हें अपने सम्मुख पवित्र और निष्कलंक, और निर्दोष बनाकर उपस्थित करे।*

*यदि तुम विश्वास की नेव पर दृढ़ बने रहो, और उस सुसमाचार की आशा को जिसे तुम ने सुना है न छोड़ो, जिस का प्रचार आकाश के नीचे की सारी सृष्टि में किया गया; और जिस का मैं पौलुस सेवक बना।*

*अब मैं उन दुखों के कारण आनन्द करता हूँ, जो तुम्हारे लिए उठाता हूँ, और मसीह ...के क्लेशों की घटी उस की देह के लिए, अर्थात् कलीसिया के लिए, अपने शरीर में पूरी किए देता हूँ।*

*जिस का मैं परमेश्वर के उस प्रबन्ध के अनुसार सेवक बना, जो तुम्हारे लिए मुझे सौंपा गया, ताकि मैं परमेश्वर के वचन को पूरा पूरा प्रचार करूं।*

*अर्थात् उस भेद को जो समयों और पीढ़ियों से गुप्त रहा, परन्तु अब उसके उन पवित्र लोगों पर प्रगट हुआ है।*

और मैं उस आयत को फिर से पढ़ना चाहता हूँ।

*जिन पर परमेंश्वर ने प्रगट करना चाहा, कि उन्हें ज्ञात हो कि अन्यजातियों में उस भेद की महिमा का मूल्य क्या है? और वह यह है, कि मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहता है।*

*जिस का प्रचार करके हम हर एक मनुष्य को जता देते हैं और सारे ज्ञान से हर एक मनुष्य को सिखाते हैं, कि हम हर एक व्यक्ति को मसीह में सिद्ध करके उपस्थित करें।*

*और इसी के लिए मैं उस की उस शक्ति के अनुसार जो मुझ में सामर्थ के साथ प्रभाव डालती है तन मन लगाकर परिश्रम भी करता हूँ।*

101 अब मुल–पाठ के लिये मैं वहाँ पर लेना चाहता हूँ, यह मूल–पाठ के लिये है, उस बात को मैं संपूर्ण बाईबिल पर आधारित कर रहा हूँ, परन्तु मैं इसका यह शीर्षक देना चाहता हूँ: *मसीह परमेश्वर का वह भेद है जो कि प्रगट हुआ।* मसीह परमेश्वर का वह भेद है जो कि प्रगट हुआ! अब, मैंने इसको एक सन्डे स्कूल के पाठ के रूप में लियां है, ताकि हम सब एक साथ पढ़ सकें और–और एक साथ इस सहभागिता को कर सकें।

102 अब, परमेश्वर का वह गुप्त भेद, जो उसके पास संसार के आरंभ होने के पहले से था। अब, वहाँ पीछे परमेश्वर के दिमाग के पिछले हिस्से में, एक बात थी जिसको कि वह करने का यत्न कर रहा था और उसको पाना चाह रहा था, और इस बात को करने में उसका एक उद्देश्य था, ताकि वह अपने आप को प्रगट करने पाये। क्योंकि, पहले, यहाँ तक कि चाँद, सितारे, अणु या कुछ भी नहीं थे। वह परमेश्वर था। परन्तु वास्तव में वह उस समय पूर्ण रूप से परमेश्वर नहीं था, क्योंकि परमेश्वर आराधना करने का पात्र होता है, और उसकी आराधना करने के लिये कुछ भी नहीं था।

103 अतः उसके महान मस्तिष्क में, वह चाहता था कि यह गुण प्रगट हों। और उसके अन्दर प्रेम था; अपने अन्दर वह चाहता था कि वह एक पिता हो;

अपने अन्दर वह चाहता था कि वह एक पुत्र हो; अपने अन्दर वह चाहता था कि वह एक चंगा करने वाला हो। और इन सारे गुणों को जिनको कि हम पहले से ही प्रगट हुआ देखते हैं, वे परमेश्वर के अन्दर थे।

104 अतः, मेरी राय में, पहली चीज जो उसने बनायी वह स्वर्गदूत थे। और फिर वे उसकी आराधना करने लगे, और उस बात ने उसे परमेश्वर बना दिया। और उसने वहाँ से शुरूआत करी। और अपने पिछले संदेशों में मैंने इस बात का समझाने का यत्न किया है, उस बात का विश्लेषण करने का यत्न किया है। और अब, जब स्वर्गदूतों ने उसकी आराधना करना आरंभ की, यह बात इससे पहले कि पृथ्वी में एक अणु भी हो, घटित हुयी। कुछ भी नहीं था। सभी ओर पूर्ण अंधकार था। कोई सूरज नहीं था, न ही कोई चाँद था, कोई सितारे नहीं थे, कुछ नहीं था, तब वह परमेश्वर था। और उसने अय्यूब से पूछा, "तू कहाँ था जब मैंने संसार की नींव रखी थी, समझे, जब भोर के तारे एक संग आनन्द से गाते थे, और परमेश्वर के पुत्र आनंद के मारे चिल्लाते थे? समझे, अब, तू कहाँ पर था?" समझे? यह बात वहाँ पृथ्वी के बनने के बहुत पहले हुयी थी।

105 अब, परमेश्वर के पास एक उद्देश्य था और एक गुप्त भेद था। और मैं आज इस प्रातः कलीसिया से इसी बात के ऊपर बातचीत करना चाहता हूँ, कि परमेश्वर के दिमाग में इससे पहले कि संसार कभी आरंभ होता, एक गुप्त भेद था, और कैसे इस बात ने अपने आप को, ठीक इस वर्तमान घड़ी में जिसमें कि हम रह रहे हैं, प्रकट किया है। समझे? मैं विश्वास करता हूँ कि तब फिर आप अच्छी तरह से समझने पायेंगे, आप समझे, कि क्या किया जा रहा है।

106 परमेश्वर का वह महान भेद कि कैसे, यह गुप्त था उसने इस बात को गुप्त रखा। किसी को इस बात के विषय में कुछ भी पता नहीं था। यहाँ तक कि स्वर्गदूत उस बात को नहीं समझ पाये। समझे, उसने इस बात को प्रगट नहीं किया। यही कारण है कि हमारें सातवें भेद में, जब सातवीं मोहर खोली गयी, उसमें सन्नाटा था। यीशु, जब वह पृथ्वी पर था, वे यह जानना चाहते थे कि वह कब आयेगा। उसने कहा, "यह नहीं है... यहाँ तक कि पुत्र भी इस बात को नहीं जानता है कि कब यह बात होने जा रही है।" समझे, पूर्ण रूप

से यह बात परमेश्वर के पास में थी। यह एक भेद है। और यही कारण था कि स्वर्ग में आध घड़ी का सन्नाटा छा गया, और सात गर्जनों ने अपनी आवाजें दीं, और यहाँ तक कि युहन्ना को इस बात के लिये, यीशु मसीह के आगमन को लिखने के लिये मना कर किया गया था। यही एक वह बात है जो कि उसने अभी तक प्रगट नहीं की है, कि वह कैसे आयेगा, और वह कब आयेगा। यह एक अच्छी बात है कि उसने ऐसा नहीं किया है। नहीं।

107 उसने इस बात को हर एक प्रतिछाया के रूप में दिखाया है और प्रगट किया है जो कि बाईबिल में पायी जाती है। इसीलिये, संपूर्ण बाईबिल मसीह में परमेश्वर के भेद का वह प्रकाशन है। हम्म! संपूर्ण बाईबिल परमेश्वर के पास जो एक लक्ष्य था, उसको अभिव्यक्त करती है, और संपूर्ण बाईबिल मे एक ही उद्देश्य था जो कि वह पाना चाहता था। और बाईबिल में विश्वासीयों के सारे कार्य प्रतिछाया के रूप में हैं, और वे इस बात को अभिव्यक्त कर रहे हैं कि परमेश्वर का वह महान लक्ष्य क्या है, और अब इन अंतिम दिनो में उसने इस बात को प्रगट किया है और दिखलाया है। और परमेश्वर की सहायता से, अच्छा, आप इस बात को ठीक यहाँ पर इस प्रातः देखेंगे, कि परमेश्वर के दिमाग में, इन सब समयों में क्या था, और उसने इस बात को अभिव्यक्त किया है।

108 इसीलिये, इस बात को जानने में क्या बात होती है, आप उसके महान अर्थ को देख सकते हैं, और फिर लोगो के पास इस बात को ले जाने का यत्न करना। समझे? और फिर आप नहीं करते हैं... मैं इस बात को समझाने के लिये उसके विवरणों में नहीं गया हूँ, जैसाकि परमेश्वर ने मुझपर प्रगट किया है।

109 अब, यदि आप इस बात को चिन्हित करना चाहते हैं। मेरे पास बहुत सारे स्थान हैं जहाँ से मैं पढ़ना चाहता हूँ। और अब संत लूका की पुस्तक में, संत लूका की पुस्तक के 24वें अध्याय में, हम यह पता लगाते हैं कि... दो प्रेरित इम्माऊस के मार्ग पर जा रहे हैं। और अपने पुनुरूत्थान के बाद, यीशु बाहर निकलकर आया, और वे–वे अपने मार्ग पर इम्माऊस को जा रहे थे, सड़क पर चल रहे थे, सोच–विचार कर रहे थे और बातचीत कर रहे थे, और –उसकी

उसकी मृत्यु होने के कारण रो रहे थे, और कैसे उन्होंने उसे उस बात के लिये दुःख उठाते हुये देखा था जो कि वे सोचते थे कि उस बात का कोई मूल्य नहीं था; वे उनके प्रभु को ले गये थे और उसे क्रूस पर चढ़ा दिया था। और–और वे एक साथ रोते हुये चले जा रहे थे।

110 और वह सड़क के किनारे पर से चलकर आया और उनके साथ मसीह के विषय में बातचीत करने लगा। उसने कहा, "ओह निर्बुद्धियों और मन्दमतियों। क्या तुम नहीं जानते हो कि सो भविष्यद्वक्ताओं और भजनो..." समझे, वह क्या कर रहा था? वह अपनी पहचान उन प्रेरितों के साथ में करवा रहा था, कि वे सभी भविष्यद्वक्ता, और सारे भजन, और सभी कुछ उसको अभिव्यक्त कर रहे थे। समझे?

111 और जिस कारण से मैं इस प्रातः प्रचार करना नहीं चाहा, वह इसलिये था कि मैंने सोचा, कि सिखाने में हमें यह बात अच्छी तरह से समझ में आयेगी, बजाये इसके कि बस एक मूल पाठ लेकर और उसे छोड़ दिया जाये। हम इस बात को बस सिखायेंगे।

112 अब, वह यह कह रहा था कि सारे भजनों ने और सारे भविष्यद्वक्ताओं ने उसके विषय में बोला है। अच्छा, वहाँ पर, इसीलिये, यह इस बात को दिखाता है कि संपूर्ण पुराना नियम, और सारा का सारा नया नियम, और सारे भजन, वो गाने, वे गाने जो कि गाये गये, उसके विषय में गाये गये थे।

113 आप 22वें भजन सहिंता को लें, और उसे गायें, और उसे क्रूस पर चड़ाये जाने वाली प्रातः से तुलना करें। समझे, "मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया? मैं अपनी सारी हड्डियों को गिन सकता हूँ, वे मुझे देखते हैं और निहारते हैं; उन्होंने मेरे पैरों को और मेरे हाथों को छेद दिया है।" फिर भी, वे सब बातें जो वहाँ पर हुयी थीं, वे वहाँ मन्दिर में उन भजनों को गा रहे थे, और उसी व्यक्ति को क्रूस पर चड़ा रहे थे। समझे? समझे, वे महान धार्मिक नेता थे, वे महान व्यक्ति थे, वे महान शिक्षक थे, और फिर भी इतने अधिक अंधे थे, जो कि भविष्यद्वक्ताओं को पढ़ रहे थे और उन गानो को गा रहे थे, और उस अपराध को कर रहे थे जो कि उन्होंने कहा था कि वे

करेंगे।

वही बात इस प्रातः यहाँ घटित हो रही है!

114 अब ध्यान से सुनिये क्योंकि... अब मैं इस बात की ओर ध्यान देने नहीं जा रहा हूँ कि घड़ी क्या कहती है। मैं चाहता हूँ कि आप को यह समझ में आ जाये। समझे? मैं इस बात की परवाह नहीं कर रहा हूँ। समझे? ( सभा आनंदित होती है और कहती है, "आमीन।"–संम्पा)

115 अतः आप यहाँ पर यह देख सकते हैं कि बुनियादी तौर पर परमेश्वर के दिमाग में ठीक–ठीक वह क्या विचार था, जो कि उसने इन सारे विद्वानों से छुपा कर रखा। और... बस कुछ गिने चुने, पहले से चुने गये कुछ चुनिन्दा लोग, चुने गये लोग ही वे थे जिन्होंने उस बात को सुना। और अब आप वचन में उन भविष्यद्वक्ताओं के युगों में होते हुये उसे बात को ढूढ़ें, और देखें कि क्या ऐसा ही नहीं था। समझे?

116 अब, और यीशु यहाँ पर उनका हवाला भविष्यद्वक्ताओं से और भजनों से दे रहा था, उसने कहा कि उन सभी ने उसके विषय में बोला है। समझे? और यहाँ पर इन यहूदी गुरूओं, रबीयों, व्यवस्था के डाक्टरों, प्राफेसरों ने ठीक वही किया जैसा कि उन्होंने पहले किया था।

117 अब पुनः ध्यान दें, उसने कहा, "वचन में ढूढ़ो, क्योंकि वे ही मेरी गवाही देते हैं।" वचन में ढूढ़ों, वचन में, संपूर्ण वचन में। मैं क्या करने का यत्न कर रहा हूँ? आप को यह दिखा रहा हूँ कि बाईबिल ही वह चीज है जो कि ठीक है।

118 किसी दूसरे दिन मैं अस्पताल के कमरे में खड़ा हुआ था, बातचीत कर रहा था, किसी बहन ने मुझसे कहा था मैं संस्थाओं के विषय में समझाऊँ, क्यों मैं संस्थाओं के और कुछ संस्थाओं के लोगो के विरोध में हूँ।

119 आप समझे, इसे वचन पर वापस आना होता है, क्योंकि वचन ही

परमेश्वर है। समझे? और यीशु इसी बात को यहाँ पर घोषित कर रहा था, कि वचन परमेश्वर है। आप वचनों को एक दूसरे से खण्डित नहीं कर सकते हैं। "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन ही परमेश्वर था। और वचन देहदारी हुआ!" समझे?

120 अब यहाँ पर वह कहता है, "वचन में ढूढ़ों, वे मेरी ही गवाही देते हैं। उनमें तुम सोचते हो कि अनन्त जीवन पाया जाता है," और यह सच बात है, "और वे ही हैं जो कि मेरी गवाही देते हैं। और मैं उनकी गवाही देता हूँ। और यदि मैं उन कार्यों को नहीं करता हूँ जिनके विषय में प्रतिज्ञा की गयी है कि मैं करूंगा, तब फिर तुम मेरी न सुनो। परन्तु यदि मैं उन कार्यों को करता हूँ, और तुम मेरा विश्वास नहीं कर सकते हो, तो मेरे कार्यों का विश्वास करो, क्योंकि वे उस बात की गवाही देते हैं कि वह वचन है।" ओह, ऐसा प्रतीत होता है कि यह बात इससे और अधिक स्पष्ट नहीं हो सकती है। समझे? ठीक है। अब, "वचन में ढूढ़ों।" उसने कहा कि मूसा और सारी व्यवस्था, और ऐसी ही बातें, और भविष्यद्वक्ता, और भजनो ने उसी के विषय में बोला है। और, पुनः उसने कहा कि वचन उसकी गवाही देते हैं।

121 वह संपूर्ण बाईबिल का मूल विषय है। यदि आप बाईबिल को पढ़ते हैं और मसीह को उसकी हर एक आयत में नहीं देखते हैं, वापस जायें और उसे फिर से पढ़ें। समझे? यदि आप मसीह को बाईबिल की हर एक आयत में नहीं देखते हैं, तब आप उसे फिर से पढ़ें, क्योंकि आप किसी बात से चूक गये हैं। बाईबिल मसीह है। वह वचन है। जब आप पढ़ते हैं, "आरंभ में परमेश्वर ने सृष्टि की," वहाँ पर मसीह पाया जाता है। समझे? हर एक... वहाँ से प्रकाशितवाक्य के "आमीन" तक, हर एक वचन मसीह की गवाही देता है।

122 इसी कारण से यह जोड़ी गयी पुस्तकें जिनको कि वे कहते हैं, "दान्नियेल की दूसरी पुस्तक, और मैक्बीस की पुस्तक, और एजिस का शोधक स्थान", और उसी प्रकार की चीजें, समझे, उनके विषय में वचन में नहीं बोला गया है। समझे? इसका विषय बाकि बाईबिल के साथ में नहीं मेल खाता है। वहाँ ,र शोधक स्थान को रखने के लिये कोई जगह नहीं है। संतो की मध्यस्था और चीजों को रखने के लिये वहाँ पर कोई जगह नहीं है। वहाँ पर

उस बात के लिये कोई स्थान नहीं है। संस्थाओं के लिये वहाँ पर कोई स्थान नहीं है। बाईबिल के बाहर पाये जाने वाले मतों के लिये वहाँ पर कोई स्थान नहीं है। समझे? अतः जब आप उन बातों को देखते हैं, वे–वे बस तस्वीर में नहीं आ पाते हैं। और इसी कारण से लोगो ने उन चीजों को जोड़ दिया है और उनकी–उनकी–उनकी तस्वीर वाली पहेली ठीक–ठीक नहीं बैठती है। समझे? वे उसे ठीक प्रकार से, "कल, आज और सर्वदा एक सा!", नहीं बना सकते हैं।

123 परन्तु, यदि उस चीज को ठीक प्रकार से लगाया जाये, तब वहाँ पर गिरावट और पुनुरूज्जीवन की संपूर्ण तस्वीर उभर कर आती है। सृष्टि की पूरी तस्वीर और परमश्वर की योजना यीशु मसीह में ठीक–ठीक प्रगट होती है। आमीन! वही सारी तस्वीर है जो कि हर एक मोड़ और कोने से एक साथ जुड़ कर ठीक बैठती है। वह बस उस प्रकार से है... अब, इस बात को कहने में मेरा मतलंब धर्मविरोधी होने से नहीं है, परन्तु यह एक तस्वीर की पहेली को एक साथ जोड़ना होता है।

124 इसी कारण हमारे पास वह तस्वीरें हैं जो कि दिखने में भयानक लगती हैं। कहा, "हम विश्वासी हैं," और गाय पेड़ के ऊपर घांस चर रही होती है। इससे काम नहीं चलेगा। यह तब होता है जब हम कहते हैं, "हाँ, वह सब प्रकार से है परन्तु बस उस निश्चित... वह कल, आज और सर्वदा एक सा है, एक निश्चित बात को छोड़कर वह ऐसा सब बातो में है।" समझे?तब फिर आप अपनी तस्वीर को खराब कर देते हैं।

125 बाईबिल ने कहा है कि वह एक सा है! संत युहन्न 5 या संत युहन्ना 14:12, उसने कहा, "वह", वह, कोई भी। "वह जो मुझपर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूँ, वह भी करेगा।"

"अच्छा, यह बात तो किसी और युग के लिये थी।"

126 वहाँ पर फिर आपकी तस्वीर गलत हो जाती है। आप के पास में एक ऐसा व्यक्ति है जो कि रेगिस्तान में मछली पकड़ रहा होता है, मछली के लिये

वह ऐसा कर रहा होता है, वह ऐसा गर्म बालू के ढेर में कर रहा होता है जहाँ पर कोई मछली नहीं होती है। समझे? समझे, आप को उसे वापस वहीं पर, गलील में लाना होता है जहाँ पर उसे मछली पकड़ना चाहिये, जहाँ पर बहुत सारी मछली होती है, आप समझे। समझे?

127 आप–आप को तस्वीर को ठीक प्रकार से दिखाना होता है। यह परमेश्वर की महान तस्वीर है। और केवल एक ही तरीका है जिससे कि आप उसे देख पायेंगे, यह तब होगा जब आप यीशु मसीह को देखेंगे। यही संपूर्ण बाईबिल है। वह बाईबिल का मूल विषय है।

128 अब आपको इस बात का अहसास हो रहा है कि इनमें से किसी भी स्थान पर जो कि यहाँ पर हैं, आप मूल पाठ को ले सकते हैं, और एक प्रचारक के लिये शान्त रहना कितना कठिन होता है। ऐसा दिखता है कि वह इस बात को लेकर बोलते रहना चाहता है, परन्तु आप को उस बात पर वापस आना होता है जिसपर हम सिखा रहे होते हैं।

129 वह संपूर्ण बाईबिल का आधारभूत मूल विषय है। वह भविष्यद्वक्ताओं में था। वह भजनों में था। वह बाईबिल के इतिहास में था। बाईबिल एक भविष्यद्वक्तायी पुस्तक है। बाईबिल एक ऐतिहासिक पुस्तक है। बाईबिल एक पुस्तक है। यह प्रेम की पुस्तक है। यह गीतों की पुस्तक है। यह जीवन की पुस्तक है। और वहाँ अन्दर आप मसीह को पाते हैं। वह भविष्यद्वक्ताओं में था। वह भजन–सहिंता में था। वह ईतिहास में था। और वह बाईबिल में उन बातों के रूप में भी है जो कि आने वाली हैं। अतः वह पहले था और आगे उसके बाद तक रहेगा। तब यह बात उसका क्या बनाती है? "कल, आज और सर्वदा एक सा बनाती है।"

130 और आप वहाँ अन्दर किसी ऐसी बात को भर देते हैं, जो कि उसे "कल, आज और सर्वदा एक सा" नहीं बनाती है, भाई ली, आप कहाँ पर जाते हैं? आप को वहाँ पर एक बहुत बुरी तस्वीर देखने को मिलती है। क्योंकि, वह इतिहास था, समझे, और वह भविष्यद्वक्ता है। वह भजन सहिंता है। वह सब कुछ है। और यदि आप उसे सब कुछ नहीं बनाते हैं, और एक सा नहीं बनाते

हैं, आप की तस्वीर कैसी दिखेगी? क्या आप इस बात को समझ पा रहे हैं? ( सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) ठीक है।

131 वह ही वह चीज है! वह भविष्यद्वक्ता था। वह उनमें था। वह भजनों में था। वह इतिहास में था, और वह उन बातों के रूप में है जो कि आने वाली हैं, "कल, आज और सर्वदा एक सा है।" इब्रानीयों 13:8, यदि आप उसे लिख रहे हैं। तब उसको फिर होना चाहिये, उसको मूलतत्व के रूप में होना चाहिये, यदि वह वही व्यक्ति है। और हम उस बात को विश्वास करते हैं, क्या हम नहीं करते हैं? ( सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) तब, यदि यह वही व्यक्ति है, तब उसे हमारी बातचीत का, हमारी सोच का, हमारे गानो का, हमारी चालों का मूल विषय होना चाहिये। ( "आमीन") उसको हमारे जीवन का मूल विषय होना चाहिये। यदि वह बाईबिल का मूल विषय है, और बाईबिल हमारे अन्दर है, तब फिर उसको सब बातों का मूल विषय होना चाहिये जो कि हम करते हैं, या सोचते हैं; मसीह को होना चाहिये। क्या यह ठीक बात है? ( "आमीन") ठीक है।

132 चूँकि हम इस बात को सोचते हैं, चूँकि उसे हमारे लिये "सब बातों" पर प्रधान बनाया गया है। कुलस्सियों ने ऐसा यहाँ पर कहा है। वह हमारे लिये "सब चीजों पर" प्रधान ठहरा है। क्योंकि उसे बनाया गया है... हमारे लिये, हमको "सब चीजों" समझा जाता है। आप कहते हैं, "पापी के विषय में क्या?" उसको पापी का न्याय करने के लिये बनाया गया, यदि वह इस बात को ग्रहण नहीं करता है। वह विश्वासी के लिये जो कि उस बात को ग्रहण करता है, महिमा बनाया गया। अतः वहाँ पर वह चीज है, "सब चीजें उसके द्वारा बनायी गयीं, और उसके लिये बनायी गयीं।"

133 और दिन की महिमा को प्रगट करने के लिये रात की आवश्यकता पड़ती है। आदर के पात्र के लिये प्रेम और चिन्ता को प्रगट करने के लिये अनादर के पात्र की आवश्यकता होती है। शिष्ट और निष्कपट महिला के सद्‌गुण को प्रगट करने के लिये एक दुष्ट स्त्री, जो कि अनैतिक वस्त्रों को पहनने वाली और अपनी–अपनी नैतिकता को बेचने वाली स्त्री की आवश्यकता पड़ती है। समझे? वास्तविक विश्वासी अर्थात वास्तविक मसीही की निष्कपटता

को प्रगट करने के लिये एक पुरूष में एक धोखेबाज और एक चोर की आवश्यकता पड़ती है। एक विश्वासी को दिखाने के लिये कि वह क्या है, एक पाखंडी की आवश्यकता होती है।

134 अतः, "सब चीजें उसके द्वारा बनायी गयीं।" और चूँकि उसे हमारे लिये सब कुछ बनाया गया, हम सभी के लिये, सब चीजें उसके लिये और उसके द्वारा बनायी गयीं। तब, चूँकि यह एक सच बात है, हमें अपनी पहचान उसके साथ करानी चाहिये। हमारी स्वयं की पहचान उसके साथ में होनी चाहिये, क्योंकि उसने अपनी पहचान हमारे साथ में करायी है। हमारी पहचान उसके साथ में होनी चाहिये। कैसे? उसके लिये जीवन जीकर; यह बस एक अंगीकार करना नहीं होता है।

135 बहुत से लोग एक अंगीकार करते हैं, कहते हैं... मैं यह बात कहता हूँ कि यह अब एक ऐसे स्थान पर पहुँच गया है। क्या आप मसीही हैं? "मैं मेथोडिस्ट हूँ।" अच्छा, मसीही व्यक्ति के रूप में पहचाने जाने से यह बहुत दूर की बात है। अच्छा, देखिये कि मेथोडिस्ट क्या करते हैं। "मैं बैपटिस्ट हूँ।" अच्छा, देखिये कि बैपटिस्ट क्या करते हैं। "मैं कैथलिक हूँ।" देखिये कि वे क्या करते हैं। समझे?

136 परन्तु केवल एक ही तरीके से आप वास्तव में मसीह हो सकते हैं, कि मसीह अपनी पहचान आपमें करे। यह हमारे लिये कितनी चोट पहुंचाने वाली बात है! मैं आशा करता हूँ कि इस टेप को सुनने वाले हर एक व्यक्ति को भी यह बात समझ में आ गयी होगी। समझे?समझे?समझे?

आप कहते हैं, "मैं पिन्तेकोस्तल हूँ।" उस बात का कोई भी अर्थ नहीं होता।

137 यह तो मसीह की आपमें पहचान होनी होती है। यह तभी होता है जब वह आपको पहचान लेता है।

आप कहें, "मैंने अन्यान्य भाषा में बोला।" शैतान भी ऐसा करता है।

138 "मैं चिल्लाया।" मुसलिम, बौद्ध धर्म को मानने वाले, और सभी लोग चिल्लाते हैं। भारतीय लोग सर्प नृत्य में चिल्लाते हैं। समझे? निश्चित रूप से। वे सभी करते हैं। किसी पंथ और कुल को माननेवाले और सभी लोग चिल्लाते और चीखते हैं। बेसबाल खेल में वे चिल्ललाते और चीखते हैं।

139 परन्तु जब मसीह की पहचान आपमें होती है, जब वह अपनी पहचान आपमें कर रहा होता है, तब आप मसीह के सामान हो जाते हैं। जो कि "क्रिसचियन" शब्द का अर्थ यह होता है कि "मसीह के सामान।" वहाँ पर आपकी पहचान है। ठीक है। अब, और चूँकि वह हमारी पहचान है, तब फिर हमारी पहचान उसके साथ में उसके लिये जीने में होनी चाहिये।

140 ध्यान दें, इस महान गुप्त भेद में परमेश्वर के पास जो उद्देश्य था वह तीन भागों मे है। परमेश्वर, अपने उस महान गुप्त भेद में, जो कि उसके पास संसार के आरंभ होने के पहले से था, उसके पास इस बात में जो उद्देश्य था वह तीन भागों में है। और अब इस प्रातः हम जिस बात को देखना चाहते हैं, वह यह है, कि वह तीन भागों में उद्देश्य क्या है? समझे? अब, मैं विश्वास करता हूँ कि परमेश्वर की सहायता से, जो कि उपस्थित है, और वह–वह हमको यह बात दिखायेगा। अब, यदि उसके पास जो उद्देश्य था वह तीन भागों में है, हम यह पता लगाना चाहते हैं कि वह जो उद्देश्य तीन भागों में है, क्या है।

141 पहली बात यह थी, कि परमेश्वर अपने आप को अपने लोगो पर प्रगट करना चाहता था।

142 वह ऐसा, महान यहोवा परमेश्वर होकर, जो कि सारे अन्तरिक्ष, समय और अनन्तता को ढाके हुआ था, नहीं कर सकता था। वह ऐसा नहीं कर सका। वह लोगो के ऊपर प्रगट होने के लिये अत्यन्त महान है, क्योंकि यह बात बहुत ही भेदभरी हुयी होती। ऐसा कैसे हो सकता है कि यह महान प्राणी जिसकी कि कभी शुरूआत नहीं हुयी हो... कि जब आप सहस्त्रों और लाखों और करोड़ों और करोड़ों गुना प्रकाशवर्ष अन्तरिक्ष में चले गये हों, और वहाँ अनन्तता में आगे चले जायें, और एक महान प्राणी वहाँ पर है ज़ो कि सभी कुछ

था, और अभी भी है।

143 परन्तु वह क्या करना चाहता था, उसको पितृत्व से प्रेम था, क्योंकि वह पिता था। और केवल एक ही तरीका है जिससे कि वह उस बात को अभिव्यक्त कर सकता था कि वह मनुष्य का पुत्र बन जाये। यही कारण था कि यीशु यह कहता रहा, "मनुष्य का पुत्र।" समझे, उनमें से बहुतेरे इस बात को समझ नहीं पाये कि वह किसके विषय में बोल रहा है। परन्तु अब क्या आप इसे समझ रहे हैं? ( सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा) समझे? वह अपने आप को अभिव्यक्त करना चाहता था। यह उसका उन तीन भागों में महान उद्देश्य का एक भाग था, कि वह अपने आप को अभिव्यक्त करना चाहता था, अपनी पहचान मनुष्य जाति के साथ करवाना चाहता था, अपने आप को मसीह में प्रगट करना चाहता था।

144 दूसरा, वह अपने विश्वासीयों की देह में प्रधान हो, जो कि उसकी दुल्हन है, कि वह अपने लोगो में वास कर सके।

145 अब, वह आदम और हव्वा में यह कर सकता था, परन्तु पाप ने उन्हें अलग कर दिया था, अतः अब उस चीज को पुनः वापस लाने के लिये कोई मार्ग होना चाहिये था। ओह मेरे परमेश्वर! ओह, अब यह बात मेरे लिये कितनी मूल्यवान है, बस यहाँ तक कि उसके विषय में सोचना भी मेरे लिये कितना मूल्यवान है। समझे? देखिये कि परमेश्वर का वह महान उद्देश्य क्या था? अब उसने आदम और हव्वा को उस प्रकार से क्यों नहीं रहने दिया? तब फिर वह अपनी परिपूर्णता को, अपने पूरे गुण को कभी भी अभिव्यक्त नहीं कर पाता। क्योंकि, वह वहाँ पर पिता हो सकता था, यह सच बात है, परन्तु वह उद्धारकर्ता भी है। आप कहते हैं, "आप यह कैसे जानते हैं कि वह था?" वह है, क्योंकि मेरे पास उसका अनुभव है। समझे? समझे? वह उद्धारकर्ता भी है, और उसे इस बात को अभिव्यक्त करना है। और वह यह कैसे कर सकता है? केवल मसीह के द्वारा। वह पुत्र कैसे हो सकता है? केवल मसीह के द्वारा। वह चंगा करनेवाला कैसे हो सकता है? केवल मसीह के द्वारा। समझे, सारी बातें एक ही व्यक्ति, यीशु मसीह में लिपटी हुयी हैं। ओह मेरे परमेश्वर! जब मैं—जब मैं...

146 जब मैं उस बात के विषय में सोचता हूँ, मैं–मैं बस यह देखता हूँ कि संस्थायें दृष्य पर से ओझल हो जाती हैं और सभी बातें बस हो रही होती हैं, समझे, जब मैं परमेश्वर के महान उद्देश्य को प्रगट होते हुये देखता हूँ। और पहला यह था, कि अपने आप को मसीह में प्रगट करना, "जो कि परमेश्वर की सारी परिपूर्णता सदेह," है। और फिर, लोगो में, "परमेश्वर की सारी परिपूर्णता को सदेह लाना" ताकि वह उनमें प्रधान हो सके, उनकी देखभाल और अगुवाई कर सके।

147 एक औंर बात है, एक रात्रि, यदि आप को वह टेप नहीं प्राप्त हुआ है, मैंने यहाँ पर एक रात्रि, "यीशु मसीह का कैदी", के ऊपर प्रचार किया था। पौलूस, एक कैदी! समझे? जब परमेश्वर आपको अपना कैदी बना लेता है, तब फिर आप बजाये उसके जो कि पवित्र आत्मा आपसे करने को कहता है, कुछ नहीं करते हैं। पौलूस, उसने अपने सारे बौद्धिक ज्ञान के द्वारा उनको शिक्षा दी...उसको किसी दिन गमलीएल ने, जो कि एक महान पुरोहित और रबी था, शिक्षा दी थी। और उसकी बहुत बड़ी महत्वकांक्षायें थीं। वह बौद्धिक रूप से एक महान व्यक्ति था, महान अधिकारी था, राष्ट्र में एक महान व्यक्ति था। परन्तु उसको, वचन का एक भाग बनने के लिये, यीशु मसीह को प्रगट करने के लिये उस बात के हर एक अंश को त्यागना पड़ा। वह जानता था कि उस बात को कहना क्या होता है...

148 उसके पास एक विचार था कि वह किसी स्थान पर जाये, कुछ भाईयों ने उसे बुलाया था, परन्तु उसको आत्मा के द्वारा अपनी इच्छा पूरी करने के लिये मना कर दिया गया था। ओह, यदि–यदि वे लोग, जो कि आधे आत्मिक हैं, इस बात को समझने पायें! समझे? उसको अपनी इच्छा पूरी करने के लिये मना कर दिया गया था। वह केवल कर सका... "आत्मा मुझे रोकता है।" समझे? वह मसीह का कैदी था।

149 तब, इस छोटे से भावी बताने वाली ने एक दिन, जिसको कि वह जानता था, पौलूस जानता था कि उसके पास शैतान को बाहर निकालने की सामर्थ है, परन्तु वह केवल वैसा ही कर सका जैसे कि परमेश्वर की इच्छा थी। दिन–प्रतिदिन वह उसका पीछा करती थी, उसके पीछे चिल्लाती फिरती थी,

परन्तु एक दिन आत्मा ने उसे आज्ञा दे दी। तब फिर उसने उस आत्मा को जो कि उसमें थी, डाँटा। समझे? वह जानता कि कैदी होना क्या होता है।

150 मूसा को अपने बौद्धिक ज्ञान में, मसीह को पाने के लिये, कैदी होने के लिये, उन बातों को खोना पड़ा। तब जबकि परमेश्वर ने उसके अन्दर से सारा संसार कूट–कूट कर निकाल दिया, और उसके अन्दर का सर्वशक्तिमान व्यक्ति जो कि वह था, बाहर निकाल दिया, और जब उस दिन वह आग के खंबे की उपस्थिति में खड़ा हुआ, वह बस कुछ न बोल सका। वह बोल तक न सका, उसने कहा। परमेश्वर के पास तब एक कैदी था। समझे? आप स्वयं ढूंढ़ने का यत्न नहीं कर सकते हैं। तब फिर परमेश्वर ने इस व्यक्ति को प्रदान करना था, पर्याप्त सामर्थ से भर देना था ताकि वह वहाँ पर जा सके।

151 और उसने कहा, "प्रभु, मैंने फिरौन को वह बात बतायी है जो कि अपने कही, और वह उसे नहीं करता है।"

152 उसने कहा, "तब फिर अपनी लाठी को ले," यह परमेश्वर बोल रहा था, यह परमेश्वर का वचन है, "वहाँ पर जाकर उसका इशारा पूर्व की ओर कर, और डांसों का बुला।" और डांसों की सृष्टि हो गयी, क्योंकि उसके पास एक कैदी था जिसको कि फिरौन किसी भी चीज से खरीद नहीं सकता था। कोई और भी उसे किसी और तरफ मोड़ नहीं सकता था। वह परमेश्वर की जंजीरों में जकड़ा हुआ उसका पूर्ण रूप से कैदी था, वह केवल **यहोवा यों कहता है** कि लिये बंधा हुआ था।

153 ओह, यदि परमेश्वर को उस प्रकार से कैदी मिल जायें! अब, तभी वह अपनी प्रधानता को प्रकट कर सकता है, आप समझे। उसके, उसके पास में एक पुरूष या एक व्यक्ति होता है, वह मसीह के अलावा किसी और चीज को नहीं जानता है। आप समझ गये कि मेरा क्या मतलब है? (सभा कहती है, "आमीन"–सम्पा) ठीक है। यह दूसरी बात है।

154 पहला यह था कि वह अपने आप को, मसीह में परमेश्वर को पूर्ण रूप से प्रगट कर सके।

155 दूसरा, इस बात के द्वारा वह अपनी कलीसिया में प्रधान हो सकता है, जो कि उसकी देह अर्थात दुल्हन है, जब तक कि उसके पास अपने आप को उनमें से प्रगट का परमाधिकार प्राप्त न हो जाये। यह ठीक बात है।

156 और, तीसरा बात यह थी कि राज्य को, जो कि पहले आदम के पाप के द्वारा गिर गया था, अपनी ठीक स्थिति के अन्दर उस मूल अवस्था में ठीक उसी स्थान पर लेकर आना जहाँ पर वह शाम के ठंडे समय में अपने लोगो के साथ में चला करता था, उनसे बातचीत किया करता था, उनके साथ में संगति किया करता था।

157 और अब पाप और मृत्यु ने उनको उसकी उपस्थिति से और उसके संपूर्ण प्रगटीकरण से अलग कर दिया था। क्या आप ने इस बात को पढ़ा है? संसार की उत्त्पत्ति से पहले, वह अपने–अपने सारे गुणों को और जो भी कुछ वह था, प्रगट करना चाहता था।

158 इसीलिये, यदि कोई त्रीएकता पर विश्वास करने वाला यहाँ पर बस आपको अपने समय में से एक मिनट दे दे, आप यह देख सकते हैं कि पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा तीन परमेश्वर नहीं हैं। यह एक परमेश्वर के तीन गुण हैं। समझे, यह एक प्रगटीकरण है। पिता, वह था, वह एक पिता होना चाहता था। वह एक पिता था, वह पुत्र था, और वह पवित्र आत्मा है। और पिता और पवित्र आत्मा एक ही आत्मा हैं। क्या आप इस बात को समझ रहे हैं? आप को यह बात समझ में आ गयी? ( सभा कहती है, ''आमीन''–संम्पा) यह तीन ईश्वर नहीं हैं। शैतान ने इन बातों को आप को इसीलिये बताया है ताकि वह आपको एक मूर्तिपूजक बना दे। समझे? यह एक परमेश्वर का तीन गुणों में प्रगट होना है। पिता होना, उद्धारकर्ता होना, पुत्र होना, चंगा करने वाला होना, समझे, यह उसके प्रगटीकरण हैं।

159 मैं बस कुछ देर के लिये इसी बात पर ही रूकना चाहूंगा ताकि जो लोग टेपों को सुनेंगे, उन्हें यह बात समझ में आ जाये। इन विषयों में हर एक विषय पर बोलने के लिये मुझे बहुत अधिक समय लग जायेगा। परन्तु मैं आशा कर रहा हूँ कि मैं इस बात को इतनी अधिक सफाई से बता रहा हूँ कि आप

यह बात समझ जायें कि मैं किस बात की तरफ आ रहा हूँ। समझ?

160 परमेश्वर यीशु मसीह में प्रगट हुआ, जो कि पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा, और "देह के साथ परमेश्वर की परिपूर्णता थी।"

161 अब "देह के साथ परमेश्र की परिपूर्णता" जो कि उसकी प्रधानता है, उसकी कलीसिया में वास करती है। वह सब कुछ जो परमेश्वर था, उसने मसीह में उढ़ेल दिया; और वह सब कुछ जो मसीह में था, वह कलीसिया में, अर्थात विश्वासीयों में उढ़ेल दिया गया।

162 नामधारी कलीसिया में नहीं! हम इस को कुछ मिनटों में देखेंगे, और यह बात आपके दिमाग से हमेशा के लिये चली जायेगी, समझे; आपको परमेश्वर की सहायता से, यदि वह बस हमें इस बात को जानने कि अनुमति देता है, यह दिखाया जायेगा कि उस बात के होने का क्या कारण है।

163 अब उसका क्या उद्देश्य है? अपने आप को पुत्र के रूप में प्रगट करना, समझे, और अब, कि उसमें "परमेश्वर की परिपूर्णता सदेह वास करे।" मेरे पास ठीक यहाँ पर सामने कुल्लिसयों की पुस्तक खुली हुयी है। समझे? कि सारे वचनों में वही परमेश्वर का उद्देश्य था। तब, और अपने पुत्र के जीवन के द्वारा, उसकी क्रूस, "उसके लहु" के द्वारा, ऐसा यहाँ पर लिखा हुआ है, "उसकी क्रूस" के द्वारा, मेल–मिलाप करके अपने लिये एक देह अर्थात दुल्हन को तैयार करे; जो कि हव्वा है, दूसरी हव्वा है। और परमेश्वर ने उस बात को प्रतिछाया के रूप में किया, जैसे कि उसने मूसा और उन सभी के साथ में किया था। वही बात उसने आदम और हव्वा में की, एक प्रतिछाया के रूप में दिखाया, कि वे मसीह और उसकी दुल्हन हैं। वह दूसरा आदम है; कलीसिया दूसरी हव्वा है।

164 और जब तक दूसरी हव्वा वचन के विरोध में समझौता करती है, क्या वह उसी बात को नहीं कर रही होती है जो कि पहली हव्वा ने किया था? (सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) वह यह कहने का यत्न करती है, "अच्छा, यह किसी और युग के लिये था।" और हम इस बात को कुछ मिनटों में

देखेंगे, कि क्या उसने ऐसा कहा है कि वह दूसरे युग के लिये है। यह दूसरे युग के लिये कैसे हो सकता है, जबकि वह "कल, आज और सर्वदा एक सा है"?

165 परन्तु परमेश्वर के पास में एक उद्देश्य था और "उसने इस बात को बुद्धिमानों और समझदारों से छुपा लिया, और पहले से ठहराये गये बच्चों के ऊपर प्रगट कर दिया" जिनको कि इस बात को ग्रहण करने के लिये पहले से ठहराया गया था।

166 यही कारण था, उन युगों में से होते हुये देखें, जब वह प्रकाश किसी से टकराया, उन्होंने उसे ठुकरा दिया, और उस उजियाले को बुझा दिया। और महान बुद्धिजीवी व्यक्ति और महान पुरोहित वहाँ पर खड़े हुये थे, वहाँ पर महान गुरू और अधिकारीयों में से महान रबी थे, जो कि उन विभिन्न व्यक्तियों की तरह थे. जैसे कि निकदुमुस और वह लोग थे, वह अनुभवी और विद्धान व्यक्ति था, और वह उस बात को समझ तक न पाया।

167 और वहाँ पर वे महान पुरोहित और रबी खड़े हुये थे, जिन्होंने वचन में शिक्षा प्राप्त की थी। ओह मेरे परमेश्वर, वे उस बात को बौद्धिक रूप से जानते थे! और उसने कहा, "तुम अपने पिता शैतान से हो और उसी के कार्यों को करते हो।" जरा उस बात के विषय में सोचिये, वे पवित्र व्यक्ति थे, आप उनके जीवन पर, या उनके पिता के जीवन पर, या उनके दादा के जीवन पर, या उनके परदादा के परदादा के परद्दादा के जीवन पर कहीं पर ऊँगली नहीं रख सकते थे। यदि वे ऐसा करते थे, उनकी शर्मनाक मृत्यु होती थी, उनको पत्थरवाह कर किया जाता था। परन्तु यहाँ पर यीशु खड़ा हुआ है, उस धार्मिक लोगो के झुण्ड को, "शैतानों का झुण्ड" कह रहा था।

168 अब, ओह, उस महान प्रकाशन को देखें! अब अपने सम्बन्ध को वापस अपनी मूल अवस्था में ला रहा है, उसने उन्हें खो जाने दिया। क्या आप इस बात को समझ पा रहे हैं? उसने उन्हें पाप करने दिया, उन्हें स्वतंत्र नैतिक. ... पर रखा। वह, वह उनको पाप करवाकर परमेश्वर नहीं बना रह सकता था, और फिर उनको कुछ ऐसी बात के लिये दण्ड देता जिसको कि उसने उन

लोगो से खुद करवायी हो।

169 परन्तु जब उसने मनुष्य को अपने साथ साझेदारी में रखा, और फिर मनुष्य को स्वतन्त्र नैतिक कर्ता के रूप व्यवहार करवाया, समझे, उसी बात पर उसने आप को आज रखा है। समझे? समझे? आप जिस प्रकार से चाहते हैं, उस प्रकार से व्यवहार करें; आप स्वतन्त्र नैतिक प्राणी हैं। अतः, इसीलिये, यदि उसने पहले व्यक्ति को इस प्रकार से रखा, तब उसे दूसरे को भी उसी प्रकार से रखना होगा, उसे हर एक को उसी प्रकार से रखना होगा, अन्यथा उसने पहली बार गलती की। समझे? परन्तु हर एक को उसी आधार पर रखा हुआ है।

170 अब जबकि वह उस बात को वापस ला रहा है, उसकी ओर ध्यान दें; और उसने उस मनुष्य को उसी प्रकार से करने दिया, और वह इस बात को जान रहा था कि वह ऐसा करेगा, वह इस बात को जानता था कि वह ऐसा करेगा। परन्तु उसने क्या किया? इस बात ने उसके उद्धारकर्ता के गुण को दिखाया। और सारा उद्देश्य तब फिर यीशु मसीह में है, कि वह बने... परमेश्वर ने स्वयं अपनी व्यवस्था के दण्ड को अपने ऊपर लिया, जो कि मृत्यु था, मरना था, ताकि वह उस पत्नी को छुड़ा सके जो कि उसको ठुकराने के बाद भटक गयी थी।

171 जब हव्वा वचन से दूर चली गयी, वह अपने साथी से दूर चली गयी। और जब कलीसिया वचन से दूर संस्था में चली जाती है, वह ठुकरा देती है और मनुष्य की सांसारिक बुद्धि के साथ व्याभिचार करती है, परमेश्वर के वचन के अधिकार को ठुकरा देती है। यह बात सुनने में स्पष्ट है? (सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा.) बाईबिल ने कहा है, "आत्मिक व्याभिचार कर रही है।" बाईबिल के किसी शब्द को यदि ठुकरा दिया जाता है, या यदि उसका कोई निजी अनुवाद किया जाता है, तो यह परमेश्वर, जो कि आपका पति है, उसको पूर्ण रूप से ठुकराना होता है और उसके विरूद्ध व्याभिचार करना होता है। एक व्याभिचारिन कभी भी स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेगी, हम उस बात को जानते हैं। समझे? अब, देखिये, हव्वा ने पहले यही किया था।

172 अब आप फिर से ध्यान दें, अब उसका तीन भाग में जो उद्देश्य है, वह क्या है? अपने आप को यीशु मसीह में से होते हुये प्रगट करना; एक देह में यीशु मसीह के द्वारा आना, ताकि वह प्रधान हो सके; (किसलिये?) अदन को फिर से अपनी मूल अवस्था में लाना, जो खो गया है उसको वापस लाना। वही केवल एक बात थी जो कि सुव्यवस्थित नहीं थी। उसकी बाकि सब बातें सुव्यवस्थिति थीं।

173 परन्तु उसको करना पड़ा, मनुष्य को स्वतन्त्र नैतिक प्राणी के रूप में रखना पड़ा, ताकि वह गिरावट में आये, ताकि वह एक उद्धारकर्ता बन सके, ताकि वह अपने उद्धारकर्ता के गुण को, जो कि उसके अन्दर था, प्रगट कर सके, समझे। किसी चीज को भटक जाना था। और वही बात घटित हुयी, मनुष्य गिरावट में आया और वह भटक गया, वह उस चीज के लिये उद्धारकर्ता बन गया, उसने अपनी ही व्यवस्था को ले लिया। और वह इस बात को महान् यहोवा होकर, जो कि संपूर्ण अंतरिक्ष और समय में विद्यमान है, नहीं कर सकता था; समझे, वह ऐसा नहीं कर सकता था। और उसे मनुष्य बनना पड़ा। और वह उस मनुष्य के साथ में कुटुम्बी बना जो कि भटक गया था, आमीन, और वह एक मनुष्य बन गया; परमेश्वर, जो कि देहदारी हुआ।

174 हालेलुइया! आप साच रहे हैं कि मैं उत्तेजित हूँ; परन्तु मैं नहीं हूँ। कुछ चीज है जो कि अन्दर है!

175 परमेश्वर, उस परमेश्वर से मुझ जैसा बन गया, ताकि वह मेरे पाप को अपने ऊपर ले ले, ताकि वह मुझे अपनी तरह बना दे, आमीन, ताकि वह परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियों के अपने उस महान उद्देश्य की ओर हमें वापस ले जाये, क्योंकि वह एक अनन्त पिता है। वह गुण उसके अन्दर था, समझे, अतः उस गुण को प्रदर्शित होना था।

176 अब आप उसके उद्देश्य को, जो कि तीन भागों में हैं, देखें? समझे, कि वह अपने आप को अभिव्यक्त कर सके, वह बनना चाहता है... अब, संसार भटक गया है, अब वह स्वयं को मनुष्य में प्रगट करना चाहता है, ताकि वह क्रूस पर बहे हुये लहु के द्वारा मेल मिलाप करने से, एक उद्धारकर्ता बन सके।

अब, उसको वह बनना पड़ा, उसको मरना पड़ा, ताकि वह उद्धार कर सके और स्वयं को कलीसिया में वापस लाये, ताकि वह अपनी कलीसिया में सर्वोच्च स्थान पर रहने पाये।

177 अब स्मरण रहे, कि ऐसा नहीं हो सकता है, और न ही होगा, और कभी नहीं होगा, और यह कभी भी नामधारी गिरजा नहीं हो सकता है! उसे सर्वोच्च स्थान पर रहना है और वह वचन है। आमीन! वहाँ पर किसी मत को कैसे अन्दर लाया जा सकता है? यह है... किसी मनुष्य के बनाये गये किसी भी मत की बातों को या किसी संस्था को ग्रहण करना, यह बात कलीसिया को एक वेश्या में बदल देती है। प्रकाशितवाक्य 17में उस प्रकार की कलीसिया को जल्दी से वेश्या के रूप में चिन्हित कर दिया गया है; रोमन कैथलिक कलीसिया वेश्या है, और प्रोटेस्टेन्ट वेश्यायें हैं। यह बात उतनी ही स्पष्ट है कि कोई भी व्यक्ति इसे पढ़ सकता है। हम कलीसिया कालों से होकर आये हैं, और यदि आप की यह इच्छा है, आप उन टेपों में उस बात को देख सकते हैं। यह बिलकुल ठीक बात है। तब, जो कोई भी बाईबिल के बाहर पाये जाने वाले मत के साथ में जुड़ता है, वह परमेश्वर की दृष्टि में एक वेश्या है। और इसी बात को हव्वा ने किया था; वह वचन से, जो कि मसीह है, दूर चली गयी थी। ओह मेरे परमेश्वर! ठीक है।

178 अब हम उसके भेद को देखते हैं जो कि उसके दिमाग में संसार की उत्त्पत्ति से पहले था। अब क्या आप इस बात के थोड़े से हिस्से को पढ़ना चाहेंगे? आईये, बस इसे पढ़ें। क्या आप के पास में बहुत सारा समय है? ( सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) हम–हम उसे पढ़ेंगे। अब आईये, हम सभी बस हर हालत में एक बार पढ़ने के लिये इफीसियों की पुस्तक को निकालें, और आईये, इफीसियों के पहले अध्याय से पढ़ना आरंभ करें। और अब जबकि सन्डे स्कूल का पाठ जो कि मसीह का तीन भागों में प्रगटीकरण होना है, चल रहा है, आईये इसे पढ़ें।

*पौलूस की ओर से जो कि परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का प्रेरित है,...*

179 अब ध्यान दें, यह संसार को नहीं सम्बोधित किया गया है, परन्तु:

*उन पवित्र और मसीह यीशु में विश्वासी लोगो के नाम जो कि इफिसुस में हैं।*

180 आप कैसे मसीह यीशु में आते हैं? कलीसिया में शामिल होने के द्वारा? (सभा कहती है, "नहीं"–संम्पा) एक जन्म के द्वारा! "एक आत्मा के द्वारा," पहला कुरिन्थियों 12, "हमारा बपतिस्मा एक ही देह में हुआ है।" समझे?

181 ठीक है, यह वही लोग हैं जिनसे वह बातचीत कर रहा है। यह बाहरी संसार को नहीं सम्बोधित किया गया है। हम इस बात पर पापी से बातचीत नहीं कर सकते हैं क्योंकि वह इस बात के विषय में कुछ नहीं जानता है। पौलूस ने इस बात के लिये पापीयों को सम्बोधित नहीं किया है। उसने कहा, "यह उस झुण्ड के लिये है जो कि मसीह यीशु में है।"

*हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।*

*हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, कि उस ने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आशीष दी है।*

182 "स्वर्गीय स्थानों में।" ओह, मैं कितना इस बात की इच्छा करता हूँ कि मेरे पास समय होता! यहाँ पर अपनी बाईबिल में मैंने इस बात को, जो कि स्वर्गीय स्थानों में होना है, चिन्हित किया हुआ है, कि स्वर्गीय स्थान क्या हैं। *स्वर्गीय स्थान,* बस कुछ छणों के लिये, "यह विश्वासी की मसीह में स्थिति होती है," समझे, "जहाँ पर एक विश्वासी मसीह में खड़ा होता है," वह स्वर्गीय स्थानों में खडा होता है।

*जैसा कि उस ने हमें जगत की उत्पत्ति से पहले.... (ध्यान से सुनें) .. उस में चुन लिया,...*

183 उसने हमें कब चुना? ''जगत की उत्पत्ति से पहले,'' जब उसका गुप्त भेद, उसका महान रहस्य।

*... उस ने हमें जगत की उत्पत्ति से पहले उस में चुन लिया, कि हम उसके निकट* (किस बात में?)*प्रेम में पवित्र और निर्दोष हों।*

*और अपनी इच्छा के अनुसार हमें* (क्या किया?)*अपने लिये पहले से ठहराया, कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हों,*

184 ''पहले से ठहराया!'' वहीं पर भेद है। उसने, इससे पहले कि मसीह या कोई भी चीज पृथ्वी पर होती, उसने दुल्हन को चुन लिया, आप उसके महान भेद को समझ रहे हैं। इस बात को जानते हुये कि हव्वा वचन पर अविश्वास करने के कारण गिरेगी, वह इस बात को जानता था कि हव्वा में गिरावट आयेगी; परन्तु वह एक ऐसी दुल्हन को चुनेगा जो कि नहीं गिरेगी, जो कि उस वचन को थामें रहेगी, इस बात की परवाह किये बगैर कि बाकि का संसार उस बात के विषय में क्या कहता है। वे उस वचन को थामें रहेंगे! वे वहाँ पर खड़े होने के लिये पहले से ठहराये गये हैं, ''कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हों,'' उसने कलीसिया को उस महान महिमायुक्त रूप में खड़े होने के लिये पहले से ठहराया!

185 अब क्या आप उसके भेद को देखते हैं? यह किसलिये किया गया *था?* हव्वा को उसकी मूल स्थिति में लाने के लिये, क्योंकि वह कलीसिया की प्रतिक्षाया थी। और अब ध्यान दें, जैसे कि परमेश्वर ने आदम के एक हिस्से को खोल दिया और हव्वा को उसके माँस और लहु से बनाया; और उसकी आत्मा को जो कि पुरूष और स्त्री की आत्मा थी, उसमें से स्त्री की आत्मा को विभाजित कर दिया, और हव्वा में रख दिया। उसके पास से एक पसली निकाल ली, और उससे हव्वा को बना दिया; अतः परमेश्वर ने वही किया, मसीह के पास से लहु और पानी को निकाला। और मसीह वचन है, और वह वचन को ले रहा है और अपनी कलीसिया अर्थात हव्वा को बना रहा है; समझे, उसकी देह में से बहे लहु के द्वारा छुटकारा प्राप्त करके हम वापस उसकी ओर, जो कि वह स्वयं है, जा रहे हैं। क्या आप उस बात को समझते हैं?(सभा

कहती है, "आमीन"–संम्पा)

186 परमेश्वर का वह महान भेद अब खुल रहा है, जो कि जगत की उत्पत्ति से पहले छुपा हुआ था, परन्तु उस बात को इन सब बातों में से होते हुये प्रतिछाया के रूप में दिखाया गया था। अब ध्यान दें, हम यह पाते हैं कि उसने–कि उसने यह किया। और यहाँ इफिसीयों में और बहुत से और स्थानों में, परन्तु यह आपको पर्याप्त बातें दे देगा कि आप कर सकते हैं... अब, उन युगों से होते हुये, वह इस भेद को थोड़ा थोड़ा करके खोलता आया है। क्या आप अब समझ सकते हैं? अब, उन से होते हुये...

187 उसने यह कैसे किया? उस प्रतिछाया अब में क्या हुआ था? उसने आदम के एक भाग को खोला और हव्वा को बनाने के लिये उसके माँस के एक टुकड़े को लिया। दुल्हन को वचन होना है, क्योंकि वह वचन है। वह मतों पर खड़ी नहीं हो सकती है। वह संस्थाओं पर खड़ी नहीं हो सकती है। वह अच्छे व्यवहार पर खड़ी नहीं हो सकती है। उसे केवल वचन पर खड़ा होना होगा, क्योंकि वह उसका एक भाग है। उसको मसीह में से लिया गया था। समझे?

188 और इस बात में निश्चित हो जायें, कि संपूर्ण स्वर्गारोहण में अब; लूथर एक भाग था, वेसली एक भाग था, भविष्यद्वक्ता एक भाग थे। यदि वे एक भाग नहीं हैं... बस उस प्रकाशन के अन्दर वे उस देह को, पैरों को, पैरों के अँगूठे को, हाथ को और ऐसी ही चीजों को बना रहे थे, जबतक कि सिर( जिसको कि हम कुछ मिनटों में देखेंगे) आता है, समझे, वही बात उस संपूर्ण स्वर्गारोहण को बनाती है। यह वचन रूपी देह है, जो कि मसीह है। आमीन!

189 उस चीज के बाहर, आप भटक जायेंगे। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ कि आप कितने अच्छे हैं, या आपका क्या सम्बन्ध है, या आपकी क्या सहभागिता है, या आपकी क्या संस्था है, इस बात के अलावा कि वचन आपके अन्दर पाया जाता है, कोई बात है, तो आप भटक जायेंगे।

190 "यदि तुम मुझमें, वचन में बने रहो, और मेरा वचन तुम में बना रहे,

तब जो भी कुछ तुम माँगो,'' क्योंकि आप और वचन एक ही हैं। उसके पास प्रधानता है। उसके पास शासन करने का अधिकार है। आप हैं... आप उसके कैदी हैं। संसार मृत हो जाता है। आप के पास और नहीं होता है...आप बाकि लोगो को जिस प्रकार वे चाहते हैं, जीवन को जीते हुये देख सकते हैं, परन्तु आप वैसा नहीं करते हैं। आप एक कैदी होते हैं। आप का जुआ उस के साथ में होता है। ''मेरा जुआ सहज है।'' आप मसीह के साथ, उसके वचन के साथ जुये में बंध जाते हैं। ''मैं केवल उसी बात को करता हूँ जो कि...जिससे पिता प्रसन्न होता है। और यदि तुम यह विश्वास नहीं कर सकते हो कि मैं ही वह हूँ, तब वचन पर विश्वास करो।'' इतना सिद्ध! ध्यान दें।

191 अब ध्यान दें, उन युगों से होते हुये, उन भविष्यद्वक्ताओं में से होते हुये और उन प्रतिछायाओं में से होते हुये वह इस बात को धीरे–धीरे खोल रहा है, इस भेद को धीरे–धीरे खोल रहा है। अब हम बस उस बात को देख सकते हैं, और वह अपने आप को प्रगट कर रहा है।

192 उसने अपने आप को मूसा में प्रगट किया। मूसा को देखिये। वह बच्चों के क्लेश के दिनों में पैदा हुआ था। उसने छुड़ानेवाले के रूप में जन्म लिया था। उसे सरकंडों में छुपाया गया था, जैसे कि यीशु मिस्र में ले जाया गया था। वह बाहर निकाला गया। वह पहाड़ी पर ऊपर गया, और आज्ञाओं को लेकर लौटा।

193 यीशु पहाड़ी के ऊपर गया, वह उसका पहला संदेश था, जो कि पहाड़ी के ऊपर दिया गया संदेश था, वह आज्ञाओं को लेकर नीचे आया।'' ''तुम सुन चुके हो कि पूर्वकाल के लोगो से कहा गया था, 'तुम व्याभिचार न करना।' मैं तुम से कहता हूँ, कि जो कोई किसी स्त्री पर कुदृष्टि डाले वह अपने मन में उससे व्याभिचार कर चुका।'' वह व्यवस्था को देने वाला, पुरोहित, राजा, अगुवा था, यह बिलकुल ठीक बात है।

194 उसने अपने आप को युसुफ में प्रगट किया, उसके भाई संस्थाओं में जन्में थे। वे उससे बिना किसी कारण के घृणा करते थे, क्योंकि वह आत्मिक था। वह दर्शन देखा करता था। परमेश्वर उसके साथ में था। वह सपनों का

अनुवाद कर सकता था। और उसके भाई उससे घृणा करते थे। अपने भाईयों के द्वारा वह लगभग... में बेच दिया गया था, लगभग तीस चाँदी के सिक्कों में बेच दिया गया था। ठीक वैसे जैसे कि उसे यहूदा इस्करियोति के द्वारा तीस चाँदी के सिक्कों में बेचा गया था, उसके भाईयों में से एक ने उसे तीस चाँदी के सिक्कों में बेच दिया था। उसे एक गड्ढे में फेंक दिया गया था और यह मान लिया गया था कि वह मर गया है। यह ठीक बात है। उसके पिता और उन लोगो को यह बताया गया था कि वह मर चुका है। कि उसको गड्ढे में फेंक दिया गया है; वह वहाँ से निकाला गया और फिरौन के दाहिने हाथ पर जाकर बैठ गया।

195 वहाँ गड़हे में उसको कितना कष्ट हुआ था! और–और वहाँ पर दो व्यक्ति थे जो कि ब्रचाये गये थे...पिलानेहारा और पकानेहारा, बल्कि उनमें से एक बचाया गया था और एक भटक गया था। और वह पिलानेहारा... उनमें से एक बचाया गया था और एक भटक गया था। जैसा कि क्रूस पर हुआ था, जबकि वह कैदखाने में था, हमारे पापों के लिये उसको क्रूस पर लटकाया गया था, जब वह कैदी बन गया था, एक डाकू भटक गया था और एक बचा लिया गया था। समझे, ठीक वैसा ही हुआ था।

196 तब फिर वह फिरौन के दाहिने हाथ पर जाकर बैठ गया, यह वह राजा था जिसके विषय में उसने स्वप्न देखा था, जिसके विषय में उसने दर्शन देखा था कि वह राजा के पैरों पर बैठेगा, और मिस्र का सारा अधिकार उसको दिया गया था। उसके दर्शन को पूरा होना ही था। हो सकता है कि जबकि वह वहाँ नीचे कैदखाने में था, उसने उस दर्शन का बहुत बार अधय्यन किया हो। उसकी मूँछें बड़ी हो रहीं थी, और ऐसी ही बातें हो रहीं थी, परन्तु उसने उसका अधय्यन किया। किसी दिन उसके दर्शन को पूरा होना था।

197 चाहे उसके पूरा होने में देरी हो, उसे तो पूरा होना ही है! जैसा कि मैंने पिछली रात्रि या उसके एक रात्रि पहले बोला था, बुद्धवार की रात्रि को यहाँ पर सभा में बोला था। समझे, उसे घटित होना ही है। जब परमेश्वर उसे कहता है, उस बात को घटित होना है। वह प्रमाणित भविष्यद्वक्ता था, और उस बात को घटित होना ही होता है, क्योंकि वह परमेश्वर का वचन है।

198 और वचन केवल भविष्यद्वक्ता के पास में आता है। भविष्यद्वक्ता शब्द का अर्थ लिखित वचन का दिव्य अनुवादक होता है, उसका अर्थ आगे आनेवाली बातों को बतानेवाला भी होता है, समझे, या देखनेवाला। ध्यान दें। और वह देखनेवाला, आप कैसे जानते हैं कि वह आने वाली बातों को बता रहा है, वह दिव्य रूप से आगे आने वाली बातों को बताने के लिये प्रमाणित होता है, और वह बात घटित होती है। "यदि कोई ऐसा है जो कि भविष्यद्वक्ता है, और वह तुमसे बात करता है और तुम्हें किसी निश्चित बात के विषय में बताता है कि वह घटित होने जा रही है। और यदि वह बात नहीं घटित होती है, तुम उसकी न सुनना। परन्तु यदि वह बात घटित होती है, तब फिर मैं उसके साथ में हूँ। अच्छा होगा कि तुम उसका भय मानो, क्योंकि मैं उसके साथ में हूँ, आप समझे।" यह बिलकुल ठीक बात है। वहाँ पर उस बात का प्रमाणित होना होता है, जहाँ पर आप यह जान जाते हैं कि यह सत्य है कि नहीं है।

199 परमेश्वर अपने वचन में होकर, अपने लोगो से और अपने लोगो के द्वारा बातचीत कर रहा है। समझे, परमेश्वर केवल मनुष्य के द्वारा बातचीत करता है। "मैं दाखलता हूँ, और तुम डालियाँ हो।" दाखलता फल लेकर नहीं आती है। डालियाँ बातचीत करती हैं, दाखलता के फलों को लेकर आती हैं। ध्यान दें, हमेशा से ही वैसा रहा है।

200 तब फिर हम युसुफ को पाते हैं, कि कोई भी व्यक्ति युसुफ को मिले बिना या उसको छुये बिना फिरौन के पास नहीं जा सकता था। "कोई भी व्यक्ति पिता के पास नहीं जा सकता है, केवल पुत्र के द्वारा।" और जब युसुफ ने सिहांसन छोड़ दिया, उन्होनें तुरहीयों को बजाया, "हर एक घुटना झुक गया! युसुफ आ रहा है!"

201 महिमा हो! और किसी दिन हर एक घुटना झुकेगा, और हर एक जीभ अंगीकार करेगी, जब वह आने के लिये अपने पिता के सिहांसन को छोड़ेगा, समझे। हर एक जन यह गवाही देगा कि यह परमेश्वर का पुत्र है। आप या तो... तब फिर बहुत देर हो जायेगी। आप उस बात को अभी करें।

202 अब हम उस बात को प्रतिक्षाओं में देखते हैं। हम यहाँ तक कि दाऊद

को ले सकते हैं, जैसे कि मैंने कुछ समय पहले बोला, कि वह सिहांसन से उतारा गया, अपने लोगो के द्वारा अस्वीकार किया गया; वह उसी पहाड़ी पर ऊपर जा रहा था, जैतून के पहाड़ पर, जब वह कैदखाने में जा रहा था। वह अपने कैदखाने इसलिये जा रहा था क्योंकि उसे अपने ही भाईयों और लोगो ने ठुकरा दिया था। वह रोता हुआ ऊपर गया। उसके अन्दर मसीह का आत्मा था, जबकि उसने ऊपर येरूशलम की ओर देखा और वह रोया, और कहा, 'हे येरूशलम, मैंने कितना चाहा..." एक अस्वीकृत राजा। आठ सौ वर्ष के बाद, दाऊद का पुत्र येरूशलम में खड़ा हुआ, वहाँ ऊपर येरूशलम में खड़ा हुआ, और वह उसको अस्वीकार कर दिया गया था और वह येरूशलम के ऊपर रो रहा था, और उसने कहा, "अब तुम्हारा समय आ गया है।" यह ठीक बात है। समझे?

203 वे सारी बातें उसकी प्रतिछाया थीं, बस प्रतिछाया में थीं, परन्तु फिर भी भेद छुपा हुआ था। वे व्यक्ति यह नहीं जान पा रहे थे कि वे क्या कर रहे हैं। वे केवल इस बात को जानते थे कि उनको कुछ करने के लिये आत्मा के द्वारा अगुवाई की जा रही थी। अब, उस बात को, उस महान प्रकाशन को अंतिम दिनों के लिये रोक लिया गया था। परन्तु, वह प्रगट कर रहा था, उसने अपने आप को मूसा में, दाऊद में, और युसुफ में, और ऐलिय्याह में, और उन सभी में से होते हुये प्रगट किया। आप... हम उनमें से हर एक भविष्यद्वक्ताओं को ले सकते हैं, और उनके जीवनो को देख सकते हैं और यह दिखा सकते हैं कि उन्होंने सिद्ध रूप में बिलकुल ठीक–ठीक यीशु मसीह को प्रगट किया, फिर भी उसने अपने भेद को कभी पूर्ण रूप में नहीं दिया; वह इस बात को अंतिम दिनो में पता लगने का इन्तजार कर रहा था, जैसे कि उसने प्रतिज्ञा करी है, वह इस बात का इन्तजार कर रहा था कि इससे पहले वह इस बात को प्रगट करे, यह बात पूर्ण रूप से समझ में आ जाये, समझे, यदि उसने पूरी बात बता दी होती।

204 क्योंकि बाईबिल भेदों में लिखी गयी है। यीशु ने इस बात के लिये पिता का धन्यवाद दिया, समझे, कि वह भेदों में लिखी गयी है।

205 अब, प्रभु का आगमन एक भेद है। हम यह नहीं जानते हैं कि वह कब

आ रहा है, वह कैसे आ रहा है, परन्तु हम इस बात को जानते हैं कि वह आ रहा है। समझे? और ऐसा ही परमेश्वर के उन सारे भेदों कि विषय में है जो कि इस अंतिम दिन का इन्तजार कर रहे थे। जब वह पहले से ही पूरा कर देता है, तब फिर वह यह प्रगट करता है और दिखाता है कि उसने क्या किया है। ओह मेरे परमेश्वर! उसने कभी भी अपने भेद को पूर्ण रूप में नहीं दिया।

206 यह बस इस प्रकार से है, सात मोहरों की तुलना करने जैसा है। अब, जबकि परमेश्वर ने मार्टिन लूथर को उस पहले कलीसिया काल से या उस कलीसिया काल से बाहर निकालने में उपयोग किया, और जब उसने जॉन वेसली का उपयोग किया, और उसने उन्हें धीरे–धीरे बाहर निकाला, और वह उनमें उस कलीसिया काल को प्रगट कर रहा था, जब हम... जब हम उस बात को अब बाईबिल में जाकर देखते हैं और पता लगाते हैं। परन्तु अंतिम दिनो में, जिस कारण से वह इतनी जबरदस्त बात थी, कि उसने उस बात के विषय में यहाँ पर बोला और उन सात गर्जनों को दिखाया। और *लुक* और *लाईफ* पत्रि...

207 लाईफ पत्रिका में उस बादल और प्रकाश के घेरे को दिखाया गया था जिसको कि वे समझ नहीं पाये थे, और अभी तक नहीं जानते हैं। परन्तु यहाँ पर बता रहा है, "वहाँ जाओ और उन भेदों के खुलने का इन्तजार करो," और यहाँ उस बात के घटित होने के महीनो पहले, और फिर वह बात ठीक वैसे ही घटित हुयी जैसे कि उसने कहा था कि वह होगी। क्या आपने उस तस्वीर पर ध्यान दिया? यहाँ तक कि वह स्वर्गदूत जो कि दाहिने ओर है, जब वह कार्यान्वित हो रहा था, अपने पंखो को पीछे किये हुये और अपने सिर को एक ओर किये हुये नीचे आ रहा था, वह वहाँ पर ठीक उस तस्वीर में है, बिलकुल वैसे ही है। इस बात के घटित होने के महीनो पहले यहाँ पर यह बता दिया गया था कि, "वह उन विश्वासीयों की देह को एक साथ लेकर आयेगा; प्रगट करने के लिये, उन बातों को समझाने के लिये जो कि छूट गयी थीं।"

208 यहाँ पर लूथर आता है, उसने केवल न्यायोचित्त ठहरने का प्रचार किया, बस उस युग में उसने प्रहार किया। वह यह नहीं जानता था कि वह युग क्या था। यहाँ पर वेसली आता है, और उसने अपने युग में प्रहार किया।

समझे? और उस बात से द्वार खुल गये, दूसरी कलीसियायें खड़ी होने लगीं। तब फिर यहाँ पर पिन्तेकोस्तल लोग आते हैं, वे भी प्रहार करते हैं, और वे संगठित हो जाते हैं और वापस मृत्यु में फिर से चले जाते हैं; हम इस बात को कुछ मिनटों में देखेंगे, वे ठीक वापस "मृत्यु" में चले जाते हैं।

209 और तब उस भेद का प्रकाशन आता है, इस बात को प्रगट करने के लिये आता है कि उस बात के विषय में क्या बात थी। जहाँ पर यह छोटे मत–सिद्धान्त थे, जैसे कि लूथर धर्मशिक्षा ज्ञान( catechism) को और सभी बातों को लेकर आया था; और वेसली इस बात को, उस बात को और किसी और बात को लेकर आया था, और इन दूसरी बातों को लेकर आया था; और फिर पिन्तेकोस्तल संगठन को ठीक उसी प्रकार से लेकर आये, और "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" के बपतिस्में को और बातों को लेकर आये थे; वे किसी और बात को नहीं जानते थे, क्योंकि... तब फिर वह अंतिम दिनो में फिर से वापस आता है और इन सारे भेदों को लेता है और उनको स्पष्ट रूप से समझा देता है, उनको प्रगट कर देता है।क्यों? यह सब अंतिम दिनो में होना है जब वह महान भेद जिसको कि परमेश्वर ने अपने हृदय में रखा था, वह प्रगट किया जा रहा है।

210 क्या आप इस बात को समझ गये? (सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) यदि आप इस बात को समझने में चूक जायें, आप इस टेप पर वापस आ जायें। मैं यह नहीं जानता हूँ कि कितनी देर और मैं आपके साथ में रहूंगा। स्मरण रखीये, यह सत्य है, और **यहोवा यों फरमाता है** वाले वचन से है। यह सत्य है। यह वचन है।

211 जैसे कि सात अंतिम मोहरों के सात भेद हैं, उनके भेद हैं। मोहरों को तोड़ा जा चुका है, और हर एक युग में ऐसा हुआ है, और वहाँ पर उन्होंने बहुत सी बातें छोड़ दीं थीं। और परमेश्वर नहीं चाहता था कि उनको छोड़ा जाये, वह वापस आता है और उन चीजों को, उन मत–सिद्धान्तो को लेता है जिनको उन्होंने आरंभ कर दिया था, और उन बातों का खुलासा किया और संपूर्ण बात को प्रगट कर दिया। उसी बात को वह मसीह के भेद को प्रगट करने के लिये कर अब रहा है, कि वह कैसे कलीसिया के लिये परमेश्वर का वह उद्देश्य था,

जो कि तीन भाग में है! ओह मेरे परमेश्वर! उसका खुलासा कर रहा है; प्रगट कर रहा है!

212 प्रगट करना(reveal) शब्द का अर्थ वेबेस्टर शब्दकोश के अनुसार "पता लगना होता है। पता लगना, और विशेषकर," वेबेस्टर शब्दकोश यह कहता है, "दिव्य सत्य में," प्रकाशन का यह अर्थ होता है। प्रकाशन, यह मसीह का तरीका है जिससे कि वह कलीसिया के ऊपर अपने आप को प्रगट कर रहा है।

213 अब हम यह कहने जा रहे हैं, "अब, भाई ब्रन्हम, आप बस इस बात को कह रहे हैं।" अब, हम बस इस बात को कहते नहीं हैं।

214 अब ध्यान दें, उसने पतरस के ऊपर अपने आप को प्रगट किया। अब यदि आप इस बात को चिन्हित करना चाहते हैं, और हम... यदि आप उसे पढ़ना चाहते हैं, हम ...यदि आप चाहते हैं तो हम उसे पढ़ेगे, यह संत मति 16:15 और 17 में पाया जाता है। मैं उसको पढ़ूंगा। जब वे रूपान्तरण वाले पर्वत से वापस आये, उसने कहा, "लोग मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं।"

215 "कोई कहता है, ओह, वे यह सोचते हैं कि तू 'एल्यिाह' है, और कुछ कहते हैं कि तू 'यिर्मयाह या भविष्यद्वक्ताओं' में एक है। परन्तु यह वह बात नहीं थी जो कि उसने पूछी थी।

216 उसने कहा, "तुम मुझे क्या कहते हो?" अब वहाँ पर एक कलीसिया है जिससे कि वह बातचीत कर रहा है। समझे?

"मनुष्य मुझे क्या कहते हैं?"

217 आज, "वह एक दार्शनिक व्यक्ति है; यह सामाजिक धर्म है। वह एक अच्छा व्यक्ति था। हम विश्वास करते हैं कि उसकी शिक्षायें ठीक हैं। यह एक ऐसा विषय है जिसके सहारे हम जीवन जी सकते हैं। यदि हम ऐसा करते हैं, मैं यह सोचता हूँ कि यह हम सभी को बेहतर बना देगा। हमारे पास गिरजे

और वगैरह–वगैराह चीजें होनी चाहिये।'' जैसे कि सांता क्लास होना चाहिये, सांता क्लास कि तरह कहानी होनी चाहिये।

218 यह किसी कलीसिया के प्रगटीकरण नहीं हैं कि हमको कुछ चीजें प्रगट करनी हैं। यह एक जीवन होता है जिसको कि आप नहीं जीते हैं, परन्तु वह आप में आता है और स्वयं जीता है, और आप कैदी बन जाते हैं; मानवीय बौद्धिक सोच–विचार वाला प्राणी बिलकुल भी आप में नहीं रहता है। आप की अगुवाई आत्मा के द्वारा होती है। और आप इस बात को कैसे जानते हैं?

219 अब, आप कहते हैं, ''शायद मैं इस बात को जानता हूँ कि मैं अपना दिमागी संतुलन खो रहा था। हो सकता कि इस बात को वही व्यक्ति करता है जो कि अपना मानसिक संतुलन खो रहा हो।''

220 परन्तु यदि आप के अन्दर मसीह का मन है, मसीह अपने आप को आप में होकर प्रगट करता है, वह यह दिखाता है कि यह वह है और ...आप ने अपना मानसिक संतुलन नहीं खोया है।

221 कुछ लोग, किन्हीं चीजों के भ्रम में आकर बाहर जाते हैं और पागल हो जाते हैं। अच्छा, हम जानते हैं कि वह बात गलत है। वह शैतान होता है जो कि वास्तविक बात की नकल करने का यत्न करता है इससे पहले कि वह बात यहाँ पर हो। समझे? वे हमेशा से झूठे व्यक्ति होते हैं। समझे?

222 परन्तु एक वास्तविक व्यक्ति, वह अपने विचारों को अपनी सोच को खो देता है! वह इस प्रकार से अंधो की तरह से नहीं जाता है। नहीं श्रीमान। आप अपनी ठीक समझ में आते हैं, और मसीह आप को ले लेता है और अपने आप को प्रगट करता है। और अब, संसार के लिये आप एक पागल व्यक्ति होते हैं।

223 अब, यदि आप पागल हैं, आप वास्तव में पागल हैं, तब फिर कुछ बात नहीं होती है, शैतान आपको संपूर्ण नियंत्रण में नहीं ले सकता है। वह आपसे उस हर एक बात को करवायेगा जो कि वचन के विरोध में होती है।

224 परन्तु जब मसीह आप को ले लेता है, वह वचन को ठीक आप में से प्रगट करता है, क्योंकि फिर यह वह होता है। वह वचन है! समझे? और फिर आप मसीह के प्रगटीकरण को देख सकते हैं। यह किसी प्रकार का कोई भ्रम नहीं होता है, परन्तु एक वास्तविक सच्चा मसीह अपने आप को आप में होते हुये प्रगट कर रहा होता है। यह कितनी सुन्दर बात है!

225 अब ध्यान दें। उसने कहा, "तुम मुझे क्या कहते हो?" वह कलीसिया से, अपने बारह लोगो से पूछ रहा है। उस दिन के लाखों लोगो में से उसने बारह लोगो से, जो कि उसकी कलीसिया थे, यह बात पूछी।

नूह के दिनों में लाखों लोगो में से उसने आठ से पूछा। समझे?

226 और उसने कहा, "जैसा कि नूह के दिनो में हुआ था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनो में होगा, समझे, जहाँ पर आठ प्राण बचाये गये थे।"

227 मैं अब यह नहीं कह रहा हूँ कि आठ प्राण बचाये जायेंगे। अब आप उस बात को गलत ना समझें। मैंने यह कभी नहीं कहा। मैं यह नहीं जानता हूँ कि कितने लोग वहाँ पर बचाये जायेंगे, ...उस अंतिम घड़ी में उस छोटे झुण्ड के स्वर्गारोहण के लिये कितने होंगे। मैं आप को यह बताता हूँ कि वह एक छोटा झुण्ड होगा। "क्योंकि सकेत है वह फाटक और सकरा है वह मार्ग, परन्तु थोड़े ही हैं जो कि उसे पायेंगे।"

228 परन्तु जब वह महान छुड़ायी हुयी देह जो कि सब युगों से ली गयी है, आती है, तब फिर वहाँ पर एक बड़ा सिहांसन होगा! प्रकाशितवाक्य 7 उस बात को प्रगट करता है, "एक ऐसी बड़ी भीड़ जिसे कोई गिन नहीं सका", वे सब युगों में से आये थे, जहाँ तक उनपर प्रगट किया गया था, वे बाईबिल के उसी उजियाले में चले थे। और अब हम जानते हैं कि वेसली के पास लूथर की तुलना में ज्यादा उजियाला था। हम जानते हैं कि वेसली को पीछे छोड़ दिया था। समझे, निश्चित रूप से।

229 क्योंकि जैसे–जैसे यह भविष्यद्वक्ताओं और उन लोगो में से होकर

आयी, यह बात धीर–धीरे खुलती जा रही थी, जब तक सिद्ध रूप से यह मालूम नहीं हो गया कि "मसीह में देह के साथ परमेश्वर की परिपूर्णता वास करती है।"

230 और अब मसीह कलीसिया में है, बस यह बात पता चल रही है। हव्वा को उसके पति के साथ ठीक स्थिति में वापस ले जाने के लिये, यह संपूर्ण बात परमेश्वर का प्रकाशन है। ध्यान दें, और परमेश्वर कलीसिया का पति है, और कलीसिया उसकी दुल्हन है।

231 अब, पतरस, जब उसने बुलाया और कहा, "तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है।"

232 अब ध्यान दें। "हे शमौन योना के पुत्र, तू धन्य है;" उसने यह कहा, जिसका मतलब है, "योना का पुत्र।" समझे? "धन्य है तू, क्योंकि माँस और लहु ने नहीं, परन्तु मेरे पिता ने जो कि स्वर्ग में है, यह बात तुझपर प्रगट की है। तूने यह बात किसी विद्यालय से नहीं सीखी है। परन्तु मेरे पिता ने जो कि स्वर्ग में है, उसने यह बात तुझपर प्रगट की है।" ध्यान दें कि उसने उससे क्या कहा, "इस पत्थर पर..." वह पतरस था, जो कि पहले से ठहराया गया बीज था जिसने कि इस उजियाले को ग्रहण किया था, और जिसको कि स्वर्ग की राज्य की कुँजियां दे दी गयीं थीं। "इस पत्थर रूपी प्रकाशन के ऊपर कि यीशु मसीह कौन है," वह पूर्ण रूप से प्रगट किया गया परमेश्वर है। "इस पत्थर पर..." पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा पर नहीं; और यह कि वह दूसरा व्यक्ति हो। "इस पत्थर पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊँगा, और अद्योलोक के फाटक उसे कभी गिरा न पायेंगे, उसपर कभी प्रबल नहीं होंगे।" समझे? "मैं अपनी कलीसिया को इस पत्थर पर बनाऊँगा," यीशु मसीह के प्रकाशन पर।

233 देखिये, यदि मसीह आपके अन्दर है, तो वह मसीह को प्रकाशन के जीवन का मध्यबिन्दू बना देता है। समझे? आपके अन्दर का मसीही जीवन उसको प्रकाशन का मध्यबिन्दू बना देता है। मसीह, जो कि बाईबिल में है, बाईबिल को मसीह का संपूर्ण प्रकाशन बना देती है। मसीह आपके अन्दर, आपको उन सारी बातों का संपूर्ण प्रकाशन देता है, समझे, कि परमेश्वर क्या

करने का यत्न कर रहा है।

234 तब नया जन्म क्या है? आप कहते हैं, "अच्छा, भाई ब्रन्हम, नया जन्म क्या है?" यह यीशु मसीह का प्रकाशन है जो कि व्यक्तिगत रूप से आप को मिलता है। आमीन! समझे? यह वह बात नहीं है कि आप किसी कलीसिया में शामिल हो गये हैं, आप ने किसी से हाथ मिलाया हो, आप ने काई भिन्न बात करी हो, आप ने कोई मत कहा हो, आप ने किसी नियमावली के अनुसार जीवन को व्यतीत करने की प्रतिज्ञा की हो। परन्तु मसीह, जो कि बाईबिल है, वह ही वचन है जो कि आपके ऊपर प्रगट हुआ है। और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि कोई क्या कहता है, क्या घटित होता है, यह मसीह होता है; पास्टर, पुरोहित या चाहे कोई भी क्यों न हो। यह मसीह है जो कि आपमें होता है, यही वह प्रकाशन है जिसपर कलीसिया को बनाया गया था।

235 आप कहते हैं, "अच्छा, मैं लूथरन हूँ। मैं बैपटिस्ट हूँ। मैं प्रेसबेटेरियन हूँ।" इस बात का कुछ अर्थ नहीं होता है, ( भाई ब्रन्हम अपनी ऊँगलियों को चटकाते हैं–सम्पा) परमेश्वर के लिये कुछ भी अर्थ नहीं होता है, एक बात भी नहीं, आपकी ऊँगली के चटकाने भर मतलब भी नहीं होता है।

236 यह क्या बात है? यह मसीह है जो कि प्रगट हो रहा है, और वह वचन है। और जब वचन प्रगट होता है, वह अपने आप को प्रगट करता है। समझे? यही यीशु मसीह के लिये परमेश्वर का उद्देश्य है, कि अपने आप को प्रगट करे, कि अपनी व्यवस्था को ले और उसी के अनुसार जीवन व्यतीत करे. .. और मृत्यु के द्वारा अपनी व्यवस्था को पूरा करे। और मसीह, अर्थात परमेश्वर, देह में मरा, ताकि वह पाप को देह में दोषी ठहरा सके, कि वह छुड़ायी गयी महिमायुक्त दुल्हन को अपने पास ला सके, जो कि केवल परमेश्वर के वचन में विश्वास करती है; और वह मनुष्य की बौद्धिक विचारधाराओं कौ लेने के लिये उस वचन को बदले में न दे दे, जैसे कि हव्वा ने किया था। आप इस बात को समझते हैं? यही मसीह का विचार है। यही परमेश्वर का विचार है। नया जन्म इसी बात को प्रगट करता है।

237 और यदि एक व्यक्ति कहता है कि उसने नया जन्म प्राप्त किया है,

और मसीह की इन प्रतिज्ञाओं को, जो कि इन अंतिम दिनों के लिये की गयी हैं, किसी और युग में रखने का यत्न करता है, वो मसीह आज का नहीं वरन कल का व्यक्ति बनाता है, तब फिर वह पुरूष या स्त्री शैतान के भ्रम का शिकार है। और यदि वह व्यक्ति कहता है कि वह उस बात पर विश्वास करता है, और वह बात उसमें से प्रगट नहीं होती है?

238 यीशु ने मरकुस 16 में कहा, "जो विश्वास करते हैं, उनमें यह चिन्ह पाये जायेंगे; यह सारे जगत में के लिये है और हर एक युग के लिये है।" शैतानो को बाहर निकालना, अन्य–अन्य भाषा में बोलना, और–और इन वरदानों के सारे प्रगटीकरण जो की होंगे, कि "वे ऐसा करेंगे!" ऐसा नहीं है कि, "शायद हो सकता है कि वे करेंगे; उनको ऐसा करना चहिये।" "वे ऐसा करेंगे!" और स्वर्ग और पृथ्वी टल जायेंगे पर उसका वचन नहीं टलेगा।

239 अतः यह मसीह है जो कि एक व्यक्ति में अपने आप को प्रगट कर रहा है, चाहे वो एक बुद्धिजीवी व्यक्ति हो या चाहे उसको क,ख,ग न पता हो। आधे प्रेरित उस बात को नहीं जानते थे, समझे, परन्तु वे मसीह को जानते थे। उन्होंने पतरस और युहन्ना की तरफ कभी भी ध्यान नहीं दिया था, वे इस बात को जान रहे थे कि वे किसी सेमीनरी से आये थे। उन्होंने कहा, "उन्होंने ध यान दिया और इस बात की ओर ध्यान दिया कि वे मसीह के साथ रहे थे," जब उन्होंने उस अपंग व्यक्ति को फाटक पर चंगा किया था, समझे। वे इस बात को जानते थे कि वे मसीह के साथ में रहे थे।

240 नया जन्म मसीह है, वह एक प्रकाशन है। परमेश्वर ने इस भेद को आपके ऊपर प्रगट किया है, और यही नया जन्म है। अब आप क्या करने जा रहे हैं जब आप सारे झुण्ड को एक साथ ले आते हैं, जहाँ पर प्रकाशन सिद्ध रूप से तालमेल में होता है, और परमेश्वर उस बात को अपने वचन के द्वारा उन्हीं कार्यों से प्रगट कर रहा होता है, उन्हीं बातों को जो कि उसने अपने वचन को प्रगट करने के लिये पहले करी थीं! ओह, यदि कलीसिया केवल अपनी स्थिति को जान जाती! एक दिन वह जान जायेगी। तब फिर स्वर्गारोहण हो जायेगा जब वह यह जान जायेगी कि वह कौन है। अब ध्यान दें।

241 आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, परन्तु वह बात नहीं है..."ओह, हाँ, ऐसा भी है। यह सत्य है।

242 क्या आप ने ध्यान दिया? पौलूस यीशु को शारीरिक रूप से नहीं जानता था। पौलूस ने उसको कभी नहीं जाना। केवल एक ही तरीके से पौलूस उसे जान पाया, और वह था प्रकाशन के द्वारा, दर्शन के द्वारा। क्या यह सच है? (सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) पौलूस ने यीशु को केवल प्रकाशन के द्वारा जाना था, ठीक जैसे कि परतस ने किया था।

243 पतरस ने उसको देह में देखा था, परन्तु उसने उसको देह के द्वारा नहीं जाना, क्योंकि यीशु ने ऐसा कहा था। "माँस और लहु ने यह बात तुझपर प्रगट नहीं करी। परन्तु मेरे पिता ने जो कि स्वर्ग में है, यह बांत तुझपर प्रगट करी है, कि वह परमेश्वर का वचन है, और इसी पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊँगा।" पतरस उसको देह के द्वारा नहीं जानता था। मनुष्य चला, और उसको छुआ, और सभी कुछ किया।

244 पौलूस के पास किसी भी प्रेरित की अपेक्षा में कुछ महान बात थी। समझे?

245 उनहोंने कहा, "अच्छा, पौलूस, मेरे–मेरे पास तुझसे ज्यादा प्रकाशन है, क्योंकि तू जानता है, मैं उसके साथ में चला हूँ। मैं उसके साथ एक दिन मछली पकड़ने गया था। मैंने उसको बोलते हुये सुना है। वह मेरे साथ नाव में बैठा था, और वास्तव में मुझे बताया, 'आओ हम यहाँ से चलें और इस जगह जाकर मछली पकड़ें, और हमें और मछली मिलेगी।' और हमने वैसा किया।" समझे?समझे? "हमने उसे बातों को करते हुये देखा है।"

246 परन्तु पौलूस ने उसको उसके मर जाने, दफ्न होने, पुनः जीवित होने के पश्चात देखा, और उसने अपने आप को उसी आग के खंबे में प्रगट किया जो कि इस्त्राएल की संतानो की अगुवाई करता था। इस बात को जानते हुये. .. पौलूस, जो कि यहूदी था, उसने उसे प्रभु कभी नहीं कहा होता जबतक कि उसने उस प्रगटीकरण को देख न लिया, वह वापस उसी रूप में था, कल,

आज और सर्वदा एक सा। उसने कहा, ''पौलूस'', दूसरे शब्दों में, ''मैं आज वही परमेश्वर हूँ जो कि कल था। मैं यहाँ पर उसी उजियाले में, उसी आग के खंबे में हूँ, जिसने मूसा से उस जलती हुयी झाड़ी में बातचीत करी थी।'' इस बात में कोई आश्चर्य नहीं है कि वह इब्रानीयों की पुस्तक में व्यवस्था को अनुग्रह से अलग कर सकता था; उसने उसी आग के खंबे से मुलाकात करी। उसने कहा, ''मैं यीशु हूँ, जिसे तू सता रहा है।''

247 और आज वह यहाँ पर उसी प्रकार से है, उसी आग के खंबे में है, अपने आप को प्रगट कर रहा है और उसी तरह से प्रमाणित कर रहा है, परमेश्वर के उस भेद को प्रगट कर रहा है जो कि जगत की उत्पत्ति से छुपा हुआ है। आप उस बात को समझ गये?

248 पौलूस ने उसे केवल प्रकाशन के द्वारा जाना था। पतरस ने उसे प्रकाशन के द्वारा जाना था।

249 वह उसके साथ में चला, उससे बातचीत करी। इसीलिये आप इस वचन को समझ सकते हैं। अब, मैंने अभी–अभी कहा है कि वह वचन था। अब, एक विद्वान बैठ सकता है और इस वचन को तब तक पड़ सकता है जब तक कि आपके दिमाग को जिस प्रकार से वह चाहे, बाँध दे, समझे, क्योंकि वह प्रतिभाशाली और तेज–तर्रार व्यक्ति है। आप एक कैथलिक पुरोहित को लायें, या उसकी तरह नहीं, जैसे कि एक अच्छी तरह से बाईबिल के ज्ञान में शिक्षित व्यक्ति को लायें। भाई, एक बैपटिस्ट, या एक प्रेसबेटेरियन, या कुछ और, जब बातचीत करने का समय आता है, वह आपको यह ज्ञात करवा देगा कि आप को कुछ नहीं आता है, समझे। क्या? समझे, क्योंकि उस ने उसको देह में जाना है। (भाई ब्रन्हम अपनी बाईबिल को थपथपाते हैं–संम्पा)

250 परन्तु केवल एक ही तरीका है जिससे कि आप उद्धार पाते हैं, वह है उसको प्रकाशन के द्वारा जानने से!

251 यदि मैं ले सकूं, मैं प्रेसबेटेरियन के मत–सिद्धान्त को ले सकता हूँ और आप पिन्तेकास्तलों को ऐसे बाँध सकता हूँ कि आप कुछ नहीं जान

पायेंगे। मैं बेपटिस्ट मत–सिद्धान्त को ले सकता हूँ और आप पिन्तेकोस्तलों को लाखों ऐसी बातें बता सकता हूँ जिनके विषय में आप कुछ नहीं जानते हैं। यह सच बात है, परन्तु यह वह बात नहीं है। यह उसकी कलीसिया नहीं है। यह उसकर कलीसिया नहीं है।

252 उसकी कलीसिया उसका स्वयं का प्रगट होना है, (आमीन! क्या आप इस बात को समझ पा रहे हैं?), और उसके वचन के द्वारा प्रगट होना है, कि वह परमेश्वर है। समझे?

253 तब आप कैसे "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा," कह सकते हैं, और उसमें बपतिस्मा ले सकते हैं? मूर्तिपूजक! यह ठीक बात है! आप कैसे कह सकते हैं कि आप यीशु को जानते हैं, वह वचन है, जबकि ऐसा वचन बाईबिल में नहीं पाया जाता है, कि कोई भी ऐसा स्थान नहीं है जहाँ पर किसी को "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा," के नाम में बपतिस्मा दिया गया?

254 और आप–और आप केवल–यीशु वाले लोग, बस "यीशु" के नाम को बपतिस्मे में उपयोग कर रहे हैं! मैं स्वयं चार या पाँच ऐसे व्यक्तियों से परिचित हूँ जिनका नाम यीशु है। अतः आप देखें कि आप की संस्था आप की अगुवाई किस बात की ओर कर रही है? यह अंधकार है, यह कैन का प्रगटीकरण है, जो कि बजाये लहु के फलों को लेकर आया था। समझे?

255 परन्तु प्रकाशन लहु से आता है, समझे, यीशु मसीह से आता है, जो परमेश्वर का लहु है, मरीयम के गर्भ में सृष्टि किया गया लहु है। और पौलूस उसको प्रकाशन के द्वारा जानता था। वैसे ही आज हम उसको जान पाते हैं, उसको जानने का यही केवल एक तरीका है। यह न कहें, "मैं मेथोडिस्ट हूँ।" इस बात का कुछ अर्थ नहीं है। "मैं बैपटिस्ट हूँ।" इस बात का कुछ भी अर्थ नहीं है। "मैं कैथलिक हूँ।" इस बात का कुछ भी अर्थ नहीं है। परन्तु प्रकाशन के द्वारा परमेश्वर ने वचन को आप के ऊपर प्रगट किया है! वह वचन है। और वचन, आप यह कैसे जान जाते हैं कि वह प्रगट हुआ है, वह स्वयं जीता है और स्वयं को आप में से होकर प्रगट करता है। ओह!

256 कलीसियाओं ने उस महान प्रकाशन को बहुत पहले भुला दिया है। यह ठीक बात है। उस सत्य के प्रकाशन को, उन्होंने भुला दिया है। वे चले गये हैं...

257 अब, जब लूथर खड़ा हुआ, वह एक महान व्यक्ति था। उसे अपने दिन का प्रकाशन था। परन्तु क्या हुआ? रिक्कीयों का एक झुण्ड अन्दर आया है, जिनके ऊपर से समतल कटे हुये बाल होते हैं, जैसा कि हम उन्हें कहते हैं, और रिक्कटास, और वे सभी यहाँ पर चारों ओर आ गये हैं। और–और–और, पहली बात जो कि आप जानते हैं, कि वह चीज यहाँ पर मौजूद है।

258 वह प्रगटीकरण है। यदि आप बस केवल बाईबिल के संख्या गणित को जानते होते, और यह जानते होते कि एल्विस या–या रिकि का वचन में क्या अर्थ होता है! जैसे कि... यीशु ने क्यों... आप कहते हैं, "उस बात का, आपके नाम का कोई अर्थ नहीं है। क्या नहीं है? यह नाम केवल अंतिम दिनों में, अंतिम दिनो के लोगो के लिये ही आ सकता था।

259 यीशु ने तब अब्राम का नाम बदलकर इब्राहीम क्यों रख दिया था, सारै से सारा क्यों कर दिया था? उसने शाऊल को बदलकर पौलूस क्यों रख दिया था? उसने शिमौन से बदलकर पतरस क्यों रख दिया था और इसी प्रकार की बातों को किया था? आप समझे, निश्चित रूप से इसका कुछ अर्थ है।

260 वह नाम आज तक कभी नही बोला गया। यही कारण है कि हमारे पास यह नर्क से आयी बात है जो कि हमारे पास आज पृथ्वी पर है, इन्हीं चीजों के कारण्र ऐसा है। संपूर्ण मानव जाति प्रदूषित हो चुकी है। वह समाप्त हो चुकी है, समझे, और यही कारण है कि ऐसा होता है।

261 अब ध्यान दें, अपने दिनों में लूथर बिलकुल ठीक था, और उसके पास प्रकाशन था; परन्तु जैसे ही वह गया, देखिये कि उन्होंने क्या किया। वेसली के पास एक संदेश था, देखें कि उन्होंने क्या किया। पूर्वकाल के पिन्तेकास्तलों के पास एक संदेश था; देखिये कि उन्होंने क्या किया। उन्होंने व्यक्तियों के एक झुण्ड को एक साथ किया, बस ठीक वही बात करी जो कि...

262 परमेश्वर ने, अनुग्रह के द्वारा, इस्राएल के लिये आग का खंबा भेजा, एक भविष्यद्वक्ता को, एक बलिदान को भेजा और अपने आप को उनके मध्य में दिखाया, और उन्हें लाल समुद्र में से होते हुये मिस्र में से बाहर निकाला। और वे व्यवस्था को चाहते थे, ताकि उनके पास महान प्रतिष्ठित व्यक्ति हो सकें, ताकि उनके पास करने के लिये कुछ चीज हो। और उन्होंने क्या किया? उन्हें जंगल में भटकने के लिये चालीस वर्ष के लिये छोड़ दिया गया, और उनमें से एक भी संस्था ने वहाँ प्रवेश नहीं किया।

263 कालेब और यहोशु, केवल दो व्यक्ति थे जो कि खड़े रहे और कहा, "हम उसे ले लेने से भी अधिक सामर्थी हैं, हम परमेश्वर के वचन की ओर देख रहे हैं।"

264 उनमें से हर एक जंगल में मर गया। और यीशु ने कहा कि वे अनंत रूप से समाप्त हो गये, यह ठीक बात है, अपनी आशीषों और सामर्थ को उनके युग में दिखाने के बाद ऐसा हुआ; जैसे कि लूथर, वेसली और ऐसे ही लोग थे। क्या उसने ऐसा नहीं कहा है?

कहा, "हमारे बापदादों ने जंगल में मन्ना खाया।"

265 उसने कहा, "और उनमें से हर एक मर गया है।" यह परमेश्वर से अनन्तकाल के लिये अलग होना होता है। उनकी लोथें जंगल में नाश हो *गयीं*। समझे? "वे मर चुके हैं। परन्तु मैं वह जीवन की रोटी हूँ जो कि परमेश्वर के पास स्वर्ग से आती है।" वे उस बात को देख नहीं पाये। वे बस उस बात को समझ नहीं पाये।

266 ठीक है, कलीसिया इस बात को बहुत पहले भुला चुकी है। उन्होंने बजाये वचन के सत्य के प्रकाशन को ग्रहण करने के बुद्धिजीवी संदेशों को, बुद्धिजीवीओं को, सदस्यता का, ज्ञान को ग्रहण कर लिया।

267 अब यहाँ पर देखिये, वे आज ऐसा कहते हैं। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर ने हमें यह कार्याधिकार दिया है कि हम सारे संसार में जायें,

और बिमारों को चंगा करें, और सुसमाचार का प्रचार करें, और दुष्ट आत्माओं को बाहर निकालें? "ओह, ओह, हाँ, मेरा अनुमान है कि यह ठीक बात है, परन्तु..." आप समझे?

268 एक महिला किसी दूसरे दिन मुझसे बातचीत कर रही थी, उसने कहा, "अच्छा, सारी कलीसियायें समन्वय के साथ में हैं।"

269 मैंने कहा, "उनमें से एक भी एक दूसरे के साथ मेल–मिलाप में नहीं पाया जाता है।" वहाँ पर कैथलिक खड़े हुये हैं। मैंने कहा, "आप के विषय में क्या? आप एक मथोडिस्ट हैं और वह एक कैथलिक है, क्या आप एक दूसरे के साथ मेल–मिलाप में हैं?" मैंने कहा, "यह पोप उन लोगो को एक साथ मिलाने के लिये आया है, उस प्रकार के लोगो के लिये यह एक अच्छी बात है।"

270 परन्तु परमेश्वर की कलीसिया का उस बात से कुछ लेना देना नहीं है, एक बात में भी नहीं है। वह उस पूरे झुण्ड से बाहर है। यह ठीक बात है। जी हाँ श्रीमान।

271 आप उनको एक साथ मिलाना चाहते हैं, और एक किसी चीज पर विश्वास करता है और दूसरा किसी और चीज पर; मेथाडिस्ट छिड़काव को करते हैं, और बैपटिस्ट डुबाते हैं, और दोनो ही पवित्र आत्मा की परिपूर्णता का इंकार करते हैं। उन्होंने कहा, "जब हमने विश्वास किया, हमने पवित्र आत्मा को पाया।"

272 बाईबिल ने कहा है, "क्या जब से तुमने विश्वास किया, तुमने पवित्र आत्मा पाया?" वहाँ पर फर्क है। समझे? यह ठीक बात है। समझे?

273 और वे कहते हैं, "हम कैथलिक कलीसिया हैं। हमने बहुत पहले शुरूआत करी थी। हमने यह किया था।" मेथोडिस्ट कहते हैं, "हम बाईबिल पर आधारित हैं।"

274 यीशु ने कहा, "जो विश्वास करते हैं, उनमें यह चिन्ह पाये जायेंगे।" अब वह चीज कहाँ पर है? समझे? हाँ। हर एक प्राणी, हर एक व्यक्ति जो कि उसपर विश्वास करता है, "जो कार्य मैं करता हूँ, तुम भी करोगे,"। अब वह चीज कहाँ पर है? यह उसके वचन हैं। "स्वर्ग और पृथ्वी टल जायेंगे, परन्तु मेरे वचन कभी न टलेंगे।" अब वह चीज कहाँ पर है? समझे? ओह, यह बस इस बात को दिखाता है!

275 यह क्या है? यह दोगली अवस्था है। यहाँ पर देखिये, आप एक बड़े से मक्के के दाने को लें जो कि दोगला है, और आप उस दोगले दाने को लें, यह दिखने में अच्छा लगता है। परन्तु जब आप उसे बोते हैं, तब आपको क्या मिलता है? एक छोटा सा डंठल इस प्रकार से बाहर आता है, और पीला पड़ जाता है और मुरझा जाता है। इसी प्रकार से हर एक संस्था होती है, जब वह मनुष्य के वचनों को परमेश्वर के वचनों में मिलाकर दोगली बन जाती है। वह चिन्हों और चमत्कारों तक आती है, और यीशु ने वचन पर विश्वास करने के ऊपर जो बात कही थी, उस बात पर आती है, और वह पीली पड़ जाती है, और कहते हैं, "हम उस बात को ग्रहण नहीं कर सकते हैं," और वापस चले जाते हैं।

276 बस उसी प्रकार से जैसे कि वे भेदी उस पार गये थे और कनान देश को देखा था। वे वहाँ पर आये और कहा, "ओह, हम उनके सामने टिड्डीयों की तरह लगते हैं! हम उनपर जय नहीं प्राप्त कर सकते हैं! वे सारे अमालेकी ऐसा करेंगे, वे क्या करने जा रहे हैं!" और वे वापस चले गये।

277 और कालेब और यहोशु, चूंकि वे परमेश्वर के वचन के द्वारा जन्मी प्रजाति के लोग थे, वे जानते थे कि परमेश्वर ने कहा है, "मैंने वह जमीन तुम्हें दे दी है।" उन्होंने कहा, "हम उसे ले लेने से भी अधिक सामर्थी हैं!"

278 यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपका जन्म कहां से हुआ है। यदि आपका जन्म परमेश्वर के वचन से हुआ है, परमेश्वर का वचन अपनी कलीसिया में सर्वोच्च स्थान पर रहता है। उसी के लिये वह मरा। वही उसका उद्देश्य है, जो कि वह प्राप्त करने पाये, कि अपनी कलीसिया में वह उसकी

प्रधानता कार्य करे। होने पाये कि परमेश्वर का वचन पहले चमके, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि कोई भी चीज दिखने में कैसी लगती है। मैं यह परवाह नहीं करता हूँ कि बुद्धिजीवी लोग यह, और वह, और किसी दूसरी बात को कहते हैं, उस बात का इससे कोई लेना देना नहीं है। परमेश्वर के वचन ने ऐसा कहा है, और हम उसे ले लेने से भी अधिक सामर्थी हैं!

279 "यदि मैं उस बात का प्रचार अपनी कलीसिया में करूं," एक सेवक ने मुझे बताया, कहा, "तो मैं अपनी कलीसिया में चार खंबो को प्रचार कर रहा होऊँगा।"

280 मैंने कहा, "मैं उन्हीं को प्रचार करूंगा।" जी हाँ श्रीमान। परमेश्वर के वचन ने ऐसा कहा है। हम ऐसा कर सकते हैं। परमेश्वर ने कहा है कि ऐसा करना। आमीन!

281 ओह, हाँ, वे इस बात को लेकर बहाना बनाते हैं। समझे? इन अंतिम दिनो में जबकि परमेश्वर अपने आप को प्रमाणित कर रहा है, यही कारण है कि वे इस अंत समय के संदेश के प्रति, अंधे हैं। वे इसे किसी प्रकार का प्रेतआत्मावाद की श्रेणी में रखते हैं, या किसी, ओह, ( मैं उसको क्या कहूं?) किसी प्रकार का दिमागी भ्रम, या उसी प्रकार की कोई बात। समझे, वे--वे इसे वह चीज बनाते हैं जो कि वह नहीं है।

282 जैसे कि उन्होंने तब किया था जब वह यहाँ पर था, जब यीशु यहाँ पर था, उन्होंने उसे "बालजबूल; भावी बताने वाला," कहा था, अब वे कहते हैं कि यह एक प्रकार से दिमागी विचारों को पड़ने की कला है। समझे? जबकि वे यह जानते हैं कि वह यहाँ पर खड़ा हो सकता है, और लोगो को देख सकता है और उन विचारों को परख सकता है जो कि उनके हृदयों में हैं। बाईबिल ऐसा कहती है।

283 अच्छा, क्या इब्रानीयों का चौथा अध्याय यह नहीं कहता है, "परमेश्वर का वचन जीवित, और प्रबल, और हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत चोखा है, और मन की भावनाओं और विचारों को जांचता है"? और परमेश्वर ही वह

वचन था। और जब वह वचन मनुष्य में सर्वोच्च स्थान पर रहता है, वही बात फिर से घटित होती है, क्योंकि वह वचन है! आमीन!... देखिये कि आप इस बात पर आज के बाद कैसे लड़खड़ाते हैं। वहाँ पर यह कितने सिद्ध रूप में स्पष्ट बात है। समझे? ठीक है।

284 यही कारण है कि वे अंधे हैं, उसी प्रकार से तब था जब मसीह पृथ्वी पर था। ओह मेरे परमेश्वर! वे उसी प्रकार से लड़खड़ा जाते हैं। उन्होंने कहा, "वह बालजबूल है। बाल..." वे यह देख सकते थे कि वह इस बात को कर सकता था, अतः उन्होंने कहा, "वह बस एक...उसका जन्म एक अवैध संतान के रूप में हुआ था, और वह एक प्रकार से विचित्र व्यक्ति था। वह शैतान से इतना अधिक भरा हुआ है। वह–वह सामरी है, और उसके अन्दर शैतान है। इसीलिये वह ऐसा करता है।"

285 यीशु ने कहा, "मैं तुम्हें उस बात के लिये क्षमा कर दूंगा," समझे, परमेश्वर के वचन को, परमेश्वर के कार्यों को दुष्ट आत्मा कहना। उसने कहा, "मैं तुम्हें उस बात के लिये क्षमा कर दूंगा। परन्तु किसी दिन पवित्र आत्मा आयेगा, और उसके विरोध में एक भी शब्द को कभी भी क्षमा नहीं किया जायेगा, न ही इस जगत में या आने वाले जगत में, या उस महान दिन में। उस बात को कभी भी क्षमा नहीं किया जायेगा।"अतः आप समझे, यह बात सफाई से वचनों में लिखी हुयी है।

286 अतः जब लोग उस दिन में आते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है वे कितने बुद्धिजीवी हैं और कितनी बड़ी संस्था के वे सदस्य हैं, वे दोषी ठहर चुके हैं। उन्हें होना ही है! उन्होंने पवित्र आत्मा की निन्दा की है, उसे "पवित्र–पाखंडी" या किसी और नाम से बुलाया है जो कि कोई अप्रिय नाम है, या उस प्रकार की कुछ बात है। और परमेश्वर की कलीसिया को हर एक बार उस बात को सहना पड़ता है।

287 यहाँ तक कि पौलूस ने अग्रिप्पा के सामने कहा, "जिस पंथ को वे "कुपंथ" कहते हैं," जिसका अर्थ होता है पागल होना, "उसी की रीति पर मैं अपने बापदादों के परमेश्वर की सेवा करता हूँ।" उस महान बौद्धिक विद्वान

व्यक्ति का उस स्थान तक आना था, "जिस पंथ को वे "कुपंथ" कहते हैं।"

288 क्यों? यह बात उसको प्रगट की गयी थी। आग का खंबा उसके सामने लटका हुआ था, उसने कहा, "मैं यीशु हूँ, वह महान परमेश्वर हूँ जो कि वहाँ जंगल में मूसा के साथ में था। मैं वही हूँ, और पैने पर लात मारना तेरे लिये कठिन है।"

289 तब पौलूस वहाँ पर खड़ा हुआ था, वह यह जान गया कि उसका जीवन दाँव पर लगा है, उसने कहा, ""जिस पंथ को वे "कुपंथ" कहते हैं, उसी की रीति पर मैं अपने बापदादों के परमेश्वर की सेवा करता हूँ।" उस बात को वैसे बोला गया क्योंकि उसपर यह प्रगट कर दिया गया था कि मसीह के विषय में वह महान सत्य क्या है।

और आज लोग कहते हैं, "यह एक संस्था है।"

290 यह यीशु मसीह है, नया जन्म है जो कि आपके अन्दर प्रगट हुआ है, ताकि वह सर्वोच्च स्थान पर रहे, ताकि वह अपने वचनो को प्रगट कर सके। और कोई भी बात जिसकी प्रतिज्ञा उसने इन अंतिम दिनो में की है, वह उसे अपनी देह के द्वारा कर सकता है, जबकि वह कार्य कर रहा होता है। आमीन! यह बस परमेश्वर के वचन का ठीक–ठीक प्रगट होना है। ध्यान दें। ठीक है।

291 मसीह के दिनों में भी ऐसा हुआ था, परमेश्वर के पास स्वयं मसीह के प्रकाशन की कुंजी है। क्या आप उस बात पर विश्वास करते हैं? (सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) धर्मशिक्षाज्ञान के विद्यालय इस बात का पता कभी नहीं लगा पायेंगे। यीशु ने ऐसा कहा है। यदि आप अब इस बात को पढ़ना चाहते हैं, संत मति 11:25 और 27 में। "हे पिता, सवर्ग और पृथ्वी के प्रभु; मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ, कि तूने इन बातों को ज्ञानियों और समझदारों से छिपा रखा, और बालकों पर प्रगट किया है।" समझे? समझे? मैं परवाह नहीं करता हूँ।

292 उस दिन के विद्वानों को देखें, उन् यहूदियों को देखें, वे बहुत अच्छे लोग थे, फरीसियों, सदूकियों और हिरोदियों की उनकी संस्थायें थीं और जो

भी कुछ वे थे। समझे? उनकी सारी महान संस्थायें, और यीशु ने कहा, "तुम अंधे हो; तुम अंधो की अगुवाई करते हो। अच्छा, क्या यशायाह ने तुम्हारे विषय में बोला, 'तुम्हारे कान हैं, और सुन नहीं सकते हो; और आँख हैं, जो कि देख नहीं सकती हैं।' क्योंकि यशायाह ने कहा कि यह आत्मा है, इसीलिये स्वर्ग के परमेश्वर ने तुम्हारी आँखो को अंधा कर दिया है। तुम उसी प्रकार कर रहे हो जैसे कि हव्वा ने किया था, बौद्धिक पक्ष को ग्रहण कर लिया, और परमेश्वर की आत्मा के विषय में कुछ नहीं जानते हो। इसीलिये क्या वे सभी, अंधे और उनके अगुवे, दोना गड्ढे में ने गिरेंगे?" अगुवा अंधे व्यक्ति के साथ में गिरेगा, क्योंकि वह भी अंधा है। अगुवा जो कि अंधा है गिरता है, वह अंधों की अगुवाई कर रहा है, वे दोनो गड्ढे में गिरेंगे।

293 और केवल परमेश्वर के पास में कुंजी है! "जब मैंने वहाँ पर पहले एक वचन के लेख कुछ समय पहले पड़ा था, उसने उसी बात को प्रगट किया था, जब उसने कहा था, "लोग मुझे अर्थात मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं?"

294 और पतरस ने कहा था, "तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है।"

295 उसने कहा, "धन्य है तू शिमौन, योना के पुत्र। माँस और लहु ने यह बात तझपर प्रगट नहीं की है। मेरे पिता ने की है जो कि स्वर्ग में है! केवल इसी प्रकाशन पर यहाँ, मैं अपनी कलीसिया को बनाऊँगा। अद्योलोक के फाटक उसपर प्रबल नहीं होंगे।" समझे? अब क्या आप समझे?

296 अतः कोई भी विद्यालय नहीं है, कोई धर्मशिक्षाज्ञानी नहीं है, किसी विद्यालय में बाईबिल की कोई शिक्षा नहीं है जो कि इस बात के विषय में कुछ जानती हो। वे उस बात के विषय में कुछ नहीं जान सकते हैं। उनके लिये इस बात के विषय में कुछ जानना अंसम्भव है। परमेश्वर ने इस बात को जानने की चेतना को, उन चुने हुये शिक्षकों और सभी लोगो से छुपा लिया है।

297 मसीह के प्रगट होने के लिये, यह निजि, और व्यक्तिगत मामला उस व्यक्ति के साथ होता है।

298 और यदि आप कहते हैं, "वह मुझपर प्रगट हुआ है," और फिर वह जीवन जो कि मसीह ने यहाँ बाईबिल में उत्पन्न किया, वही जीवन जो कि उसमें है, आप में से वह जीवन उत्पन्न नहीं होता है, तब फिर आप को गलत प्रकाशन मिला है।

299 यदि मैं कद्दू के जीवन को नाशपाती के पेड़ में डाल दूं, तो वह कद्दूओं को लेकर आयेगी। "तुम उन्हें उनके फलों से पहचानोगे।" यह बिलकुल ठीक बात है। और यदि पहले आप एक पेड़ अर्थात अंगूर की दाखलता को लगाते हैं, और वह अंगूरों का एक झुण्ड लेकर आती है; पहली डाली जो उसमें से उगती है, वह अंगूर को लेकर आती है, अगली डाली नीबू को लेकर आती है, और अगली डाली नाशपाती को लेकर आती है, अगली वाली सेब को लेकर आती है, वहाँ पर किसी प्रकार की कलमें लगी हुयी हैं, जो कि अपने जीवन को लेकर आ रही हैं। हर एक संस्था अपने ही जीवन को लेकर आयेगी। परन्तु यदि मूल दाखलता कभी एक और डाली को लेकर आती है, तो वह पहले की तरह से अंगूरों को ही लेकर आयेगी।

300 और यदि यीशु मसीह का जीवन कभी एक विश्वासीयों की देह को लेकर आता है, तो वह उसी प्रकार के फलों को उत्पन्न करेगी जैसा कि पहले वाली ने किया था। वे अपने पीछे एक प्रेरितों के कार्य की पुस्तक को लिख देंगे, क्योंकि यह वही जीवन है। आप समझे कि मेरा क्या मतलब है? आप बस उस बात से दूर नहीं जा सकते हैं। यह मसीह का जीवन होता है जो कि आपमें स्वयं पवित्र आत्मा के द्वारा डाला जाता है, जो कि अपने जीवन को आप में जी रहा होता है।

301 "अंधो के अंधे अगुवे!" ध्यान दें, परमेश्वर के पास केवल वह चाबी है। कोई भी धर्मशिक्षाज्ञानी आपको यह नहीं बता सकता है; यह पता नहीं है। यह उन से छुपा हुआ है। वे उसके विषय में कुछ भी नहीं जानते हैं।

302 अतः वे विद्यालय, जब वे कहते हैं, "मेरे पास पी0एच0, और एल0एल0डी है," आप केवल उसे बना रहे हैं... मुझे, और, मैं विश्वास करता हूँ, और परमेश्वर को और किसी भी सच्चे विश्वासी को, इसका मतलब है कि आप बस

उतने ही दूर हैं, आप बस पीछे हट चुके हैं। परमेश्वर शिक्षा के द्वारा नहीं जाना जाता है। वह इस बात के द्वारा नहीं जाना जाता है कि आप उसे कैसे समझा सकते हैं।

303 परमेश्वर साधारणता के द्वारा और सबसे अनपढ़ व्यक्ति को मिले यीशु मसीह के प्रकाशन के द्वारा जाना जाता है। वह आपके धर्मशिक्षाज्ञान के द्वारा नहीं जाना जाता है। यह यीशु मसीह का प्रकाशन है। "इस पत्थर पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊँगा।" किसी और पत्थरों को ग्रहण नहीं किया गया है, कोई और बात ग्रहण नहीं करनी है, कोई और रोमन पत्थर नहीं है, कोई और प्रोटेस्टेन्ट पत्थर नहीं है, कोई और विद्यालय नहीं है, कोई और चीज नहीं है, परन्तु यह केवल नये जन्म के द्वारा प्राप्त यीशु मसीह के प्रकाशन के ऊपर है। वह वहाँ पर जन्म लेता है और अपने जीवन को वहाँ पर डाल देता है, और आप का जीवन समाप्त हो जाता है। और मसीह का जीवन आप में से बाहर लोगो तक उसी प्रधानता के साथ आ रहा होता है; कि वे उसी जीवन को, और कार्यों को, और चिन्हों को, और चमत्कारों को देखते हैं जो कि उसने किये थे, वह उन्हीं बातों को आप में कर रहा होता है। उस चीज के बाहर, बाकि लोगो को बिलकुल भी बुलाया तक नहीं गया है। परमेश्वर के उस महान प्रकाशन को खुलते हुये देखीये!

304 प्रकाशन की कमी के कारण हमारे मध्य में इतने सारे बिभाजन हैं, और इतना सारा उपहास उड़ाना हो रहा है। हमारे मध्य में इतने सारे विभाजन हैं, क्योंकि लोगों में उस प्रकाशन की कमी है। समझे, उनमें उस प्रकाशन की, उन शिक्षकों की कमी है।

305 पौलूस ने, मसीह के इस प्रकाशन को प्राप्त करने के बाद पहले कुरिन्थियों और उसके दूसरे अध्याय में कहा। जब आप उसको लिख रहे हैं, आप निश्चित रूप से उस बात को पढ़ें। ध्यान दें! ओह! उसने कहा, "मैं तुम्हारे पास ज्ञान के साथ में नहीं आया हूँ।"इस व्यक्ति की ओर देखें जिसके पास ज्ञान था, परन्तु उस व्यक्ति की ओर देखें जिसके पास विद्वता थी, "मैं तुम्हारे पास उस प्रकार के शब्दों को लेकर नहीं आया हूँ।" पहला कुरिन्थियों, पहला कुरिन्थियों और उसका दूसरा अध्याय। ओह, मैं आशा करता हूँ...

306 अच्छा, आईये हम बस इस पढ़ें। कैसे... क्या आप एक मिनट के लिये खड़े हो सकते हैं और आईये बस एक या दो आयतों को पढ़ें? (सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) मैं बस इस बात को पढ़ना चाहता हूँ ताकि आप नहीं.. .लोग जो कि टेप को सुनते हैं, यह हर हालत में उनको भी एक मौका देगा कि वह उस आयत को निकालें।

307 पहला कुरिन्थियों और उसका दूसरा अध्याय। इस महान प्रेरित पौलूस को देखें, जो कि परमेश्वर का एक बुद्धिजीवी व्यक्ति था। आईये इसे यहाँ पर देखें।

...मैं पौलूस, जब मैं परमेश्वर का भेद सुनाता हुआ तुम्हारे पास आया, तो वचन या ज्ञान की उत्तमता के साथ नहीं आया। मैंने यह नहीं कहा कि में–मैं फलाना–फलाना डाक्टर हूँ। समझे?

*क्योंकि मैंने यह ठान लिया था, कि तुम्हारे बीच में यीशु मसीह, बरन क्रूस पर चढ़ाये हुये मसीह को छोड़ और किसी बात को न जानूं।*

*और मैं निर्बलता ओर भय के साथ, और बहुत थरथराता हुआ तुम्हारे साथ रहा।*

*...और मेरे वचन, और मेरे प्रचार में ज्ञान की लुभाने वाली बातें नहीं हैं; परन्तु आत्मा और सामर्थ का प्रमाण था।*

308 वहाँ पर देखिये, वहाँ पर सुसमाचार है। समझे? यीशु ने कहा, "सारे जगत में जाओ और सुसमाचार का प्रचार करो।" यह नहीं कहा, "जाकर सिखाओ।" उसने कहा, "जाओ प्रचार करो।" दूसरे शब्दों में ,"सामर्थ को दिखाओ, और उन लोगो में यह चिन्ह पाये जायेंगे।" बस सिखाने से ऐसा नहीं होता है। इन चिन्हों को प्रदर्शित करने के लिये वास्तविक आत्मा की आवश्यकता होती है। समझे? इसे सुने

*इसलिये कि तुम्हारा विश्वास मनुष्यों के ज्ञान पर नहीं, परन्तु परमेश्वर*

*की सामर्थ पर निर्भर हो।*

309 ओह मेरे परमेश्वर! समझे, एक व्यक्ति को बदलने के लिये! जो मैं समझा सकता हूँ उस बात पर नहीं, और यह कहें, "वह एक सा नहीं है," जबकि वह एक सा है। यदि मैं ऐसा करता हूं, तो यह मुझे यह दिखाता है, ...निश्चित रूप से एक व्यक्ति मुझे यह बात बताये, तो मुझे यह बात दिखेगी कि उसके पास प्रकाशन नहीं है, उसके पास परमेश्वर का वह प्रकाशन, जो कि तीन भागों में है, नहीं है। समझे? अब, और...

*फिर भी सिद्ध लोगो में हम यह ज्ञान सुनाते हैं: परन्तु इस संसार का और इस संसार के साथ नाश होने वाले हाकिमों का ज्ञान नहीं।*

*परन्तु हम परमेश्वर का वह गुप्त ज्ञान, भेद की रिति पर बताते हैं, जिसे परमेश्वर ने सनातन से हमारी महिमा के लिये ठहराया।*

*जिसे इस संसार के हाकिमों* ( किसी भी पुरोहित, रबी...**मुझे क्षमा करें.** .. या किसी ने उस विषय में नहीं जाना) *में से किसी ने नहीं जाना, क्योंकि यदि जानते, तो तेजोमय प्रभु को क्रूस पर न चढ़ाते।*

310 आप कहते हैं, "आप उन रबी और प्रचारकों के विषय में गलत कह रहे हैं।" किसने उसे क्रूस पर चढ़ाया?

311 ओह, हम और आगे और आगे और आगे जा सकते हैं। उसे पढ़ें आगे तक पढ़े, हम समय बचा रहे हैं क्योंकि हमारे पास बस... हमें देर नहीं हो रही है, परन्तु हमारे पास यहाँ पर बहुत कुछ कहने के लिये है, यदि प्रभु बस अब हमारी सहायता करता है। इस बात की कमी के कारण...

312 और पौलूस, इस महान बुद्धिजीवी व्यक्ति ने अपने महान धर्मशिक्षाज्ञान के विषयों को लोगो के ऊपर प्रगट करने का कभी यत्न नहीं किया। उसने नम्रता के साथ परमेश्वर के वचन को ग्रहण किया, और उसने वचन को जीया ताकि वचन उसमें से प्रगट हो सके। उसने इतना भक्तिपूर्ण जीवन व्यतीत

किया जबतक कि उन्होंने उस के अन्दर यीशु मसीह को देखा, यह बात इतनी अधिकता से हुयी कि उनको उसके रूमाल की आवश्यकता पड़ी, कि वे उसे जाकर बिमारों पर रख दें। वहाँ पर यीशु मसीह का जीवन है।

313 अब ध्यान दें, कुछ ने कहा, "ओह, अच्छा, आप समझे, ऐल्यियाह ने इस बात को बहुत पहले किया था, उसने अपनी लाठी को रख दिया था; परन्तु ओह, वे तो ऐल्यियाह के दिन थे।" अब, संसार ने ऐसा सोचा। उन दिनों के बुद्धिजीवी पुरोहितों और चीजों, और कलीसियाओं ने ऐसा सोचा था।

314 परन्तु उन विश्वासीयों के लिये, वे कुछ भिन्न बात को जानते थे। उन्होंने मसीह के उस प्रकाशन को देखा था जो कि ऐल्यियाह में था, वही चीज पौलूस में थी, उसी जीवन को प्रगट कर रहा था क्योंकि वह भविष्यद्वक्ता था। समझे? उसने बातों को पहले से ही बता दिया था जो कि ठीक उसी प्रकार से घटित हुयीं थीं जैसे कि उनको कहा गया था, और वे जानते थे वह बात भविष्यद्वक्ता होने के लिये परमेश्वर की पहचान थी। और वे जानते थे कि वह परमेश्वर का भविष्यद्वकता था। आप उनको उस बात पर से बिलकुल भी हिला नहीं सकते थे। यहाँ तक कि जब उन्होंने पतरस को उन बातों की भविष्यवाणी करते हुये देखा, "बस उसकी परछायी को मेरे ऊपर से निकल जाने दो।" आमीन! यही कलीसिया है। वही वे लोग हैं जो कि इस बात का विश्वास करते हैं। जी हाँ श्रीमान। यह ...के द्वारा प्रगट किया गया था।

315 पौलूस ने क्यों कहा, "चूंकि मेर-मेरे पास पी0एच ओर एल0एल0डी और वगैरह-वगैरह है, वे मेरा विश्वास करते हैं"? नहीं। उसने कहा, "मैं उन सब बातों को, मनुष्य के ज्ञान को भूल गया हूँ।" कहा, "मुझे मरना पड़ा, और मैं उसको उसकी पुनुरूत्थान में जानता हूँ। इसी बात को लेकर मैं आप के पास आया हूँ, परमेश्वर की सामर्थ के प्रदर्शन के साथ आया हूँ।"

316 वह क्या बात थी? यह यीशु मसीह को कल, आज और सर्वदा एक सा बनाना होता है। जो कार्य यीशु ने किये थे, पौलूस ने उन्हीं कार्य को किया था। और उन्होंने उस परमेश्वर को, उस महान पिता को देखा था जिसने कि जलती हुयी झाड़ी के अन्दर अपने आप को प्रदर्शित किया था, उसने वह बात

पौलूस के सामने प्रदर्शित करी, और यहाँ पर उसका प्रदर्शन किया जा रहा था।

317 और हर एक युग में वह एक सा है। परमेश्वर के तीन भाग वाले तरीके से, "कल, आज और सर्वदा।" क्या है? छुड़ानेवाला; अपनी कलीसिया में; आने वाले राज्य में उसकी प्रधानता। आमीन! क्या आप इस बात को समझे? यह बात उतनी ही सिद्ध है जितनी की इसे होना चाहिये!

318 ओह, ध्यान दें! पवित्र आत्मा ही केवल मसीह के दिव्य प्रकाशन को प्रगट करता है। कोई भी विद्यालय इसे नहीं कर सकता है। कोई विद्वान इसे नहीं कर सकता है। कोई भी मनुष्य, कितना भी शिक्षित क्यों न हो, कितना भी भक्तिपूर्ण, या कुछ और क्यों न हो, कोई भी मनुष्य इसे नहीं कर सकता है।

319 मैं यहाँ पर करारी चोट पहुचाने जा रहा हूं। आप में से कितने मसीहों ने नया जन्म प्राप्त किया है; आप अपने हाथों को उठायें जो कि पवित्र आत्मा से भरे हुये हैं? ठीक है? अब हम आगे चलते हैं। ठीक है। ध्यान दें।

320 और वह यह बात केवल पहले से ठहराये गये लोगो के साथ करेगा। यह बिलकुल ठीक बात है। "जितनो को पिता ने मुझे दिया है, वे सभी मेरे पास आयेंगे, और कोई भी व्यक्ति नहीं आ सकता है, सिवाये उनके जिनको कि पहले मुझे दिया गया था।" समझे?

321 देखिये कि वे पुरोहित क्या कह रहे थे, "यह व्यक्ति बालजबूल है। वह भावी बताने वाला है। वह शैतान है।"

322 और वह छोटी स्त्री जो कि वहाँ पर चारों ओर चल रह थी, और छह पतियों के साथ में रह रही थी; वह पाँच के साथ में रह रही थी, और तब उसके पास छठा था। और यीशु ने कहा, "जाकर अपने पति को बुला कर ले आ।"

उसने कहा, "मेरा कोई पति नहीं है।"

323 कहा, "हाँ, तेरे पास छह हैं। तेरे पास पाँच हैं, और अब जिसके पास तू रह रही है, वह भी तेरा पति नहीं है।"

उसने कहा, "श्रीमान!" क्या हुआ? उजियाला उस बीज से जाकर टकराया।

324 जब वह उन पुरोहितों से जाकर टकराया, उन्होंने कहा, "यह व्यक्ति भावी बतानेवाला है।" समझे, वहाँ पर कोई जीवन नहीं था। वे दोगले थे, वे इतनी दूर तक पहुंच चुके थे कि उन्हें एक संस्था प्राप्त हो जाये, परन्तु वहाँ पर से आगे जाने पर वे मृत हो चुके थे।

325 परन्तु यह छोटी स्त्री दोगली नहीं थी। कहा, "श्रीमान, मुझे ज्ञात होता है!" मैं उसकी बड़ी आँखों को जो कि सुन्दर थीं, इस प्रकार से चमकते हुये देख सकता हूँ, उसके चेहरे पर से आँसू बह रहे थे। कहा, "श्रीमान, मुझे ज्ञात होता है कि तू भविष्यद्वक्ता है। मैं मसीहा की बाट जोह रही हूँ। और जब मसीहा आयेगा, वह ठीक इसी बात को करेगा। वह हमें इन बातों को बतायेगा।"

उसने कहा, "मैं वही हूँ।"

326 ओह परमेश्वर! उसने अपना घड़ा छोड़ दिया। "वह यहाँ पर है! आओ देखो एक व्यक्ति को जिसने मुझे यह बातें बतायी हैं।" वह क्या बात थी? उजियाला उस बीज से टकराया। वह जीवन वहाँ पर था। वह बाहर आया।

आज भी वही बात है!

327 परन्तु धर्मशिक्षा ज्ञानी कहेगा, "अब एक मिनट रूको। मैं यह पता लगाता हूँ यदि अमुक–अमुक ने, पास्टर मूडी ने यह कहा है कि...."

328 पास्टर मूडी का इस बात से, इस दिन से क्या लेना देना है? पास्टर

मूडी ने अपने दिन में जीवन व्यतीत किया, परन्तु अभी नहीं। निश्चित रूप से। लूथर ने अपने दिन में जीवन जीया, परन्तु वेसली के दिनो में नहीं। वेसली ने अपने दिनो में जीवन को जीया, पिन्तेकुस्त के दिनो में नहीं। पिन्तेकुस्त ने अपने दिन में जीवन को जीया, परन्तु वे इस घड़ी से बहुत देर हैं। हम अंतिम घड़ी में हैं। निश्चित रूप से।

329 उनकी संस्थायें, और नैतिक संकोच, इस बात को सिद्ध कर रहे हैं कि वह चीज वहाँ पर नहीं है। वचन ठीक प्रकार से प्रमाणित नहीं हो पाया; बस केवल अपनी ताकत में, बीजों में, संस्थाओं में। और उन्होंने संस्था को बनाया, तब फिर उन पुराने धतूरे के जंगली बीज को वास्तविक गेहूं में डाल दिया; वह वहीं पर मृत हो गया। वह फसल धतूरे के जंगली पौधे में बदल गयी, यह ठीक बात है, हरे कांटेदार पौधे और बिच्छू–बूटी के पौधे में बदल गयी, समझे, वह वापस उसी बात में चली गयी। ठीक वहीं पर वह मृत हो गयी। तब उन्होंने मैदान को फिर से खोदा और फिर से शुरूआत करी, कुछ वास्तविक बीजों को बोआ, और उनमें से कुछ बड़े हुये, और उन्होंने उस चीज को बड़ने से रोक दिया।

330 परन्तु फिर, परमेश्वर ने कहा, अंतिम दिनो में वह ऐसे लोगो को लायेगा जो कि उसके लहु में धुले हुये होंगे, और उनको वहाँ पर होने के लिये पहले से ठहराया गया होगा। उनको वहाँ पर होना ही है। परमेश्वर ने ऐसा कहा है। और वह बात प्रगट होगी... और वह चिन्ह, "मैं..." मलाकी चार, और वह क्या करेगा, "फिर से मूल अवस्था में लेकर आयेगा," अंतिम दिनो में वापस लेकर आयेगा, इन महान बातों की उसने प्रतिज्ञा करी है कि वह प्रकाशन को लेकर आयेंगी। क्या करने... मलाकी चार को, उसको क्या करना है? उसे पित्रों के विश्वास को पुत्रों के पास लेकर आना है। समझे? यह ठीक बात है, उसी बात को लेकर आना है, उसी आग के खंबे को दृश्य पर लेकर आना है; उन्हीं चिन्हों को, उन्हीं चमत्कारों को, उसी यीशु को; उसे एक सा बनाने के लिये, प्रचार में उसे एक सा कहने के लिये, उसे कल, आज और सर्वदा एक सा प्रमाणित करने लिये।

331 "मैं उसे मुल अवस्था में लेकर आऊँगा", प्रभु कहता है, "इन सारे वर्षा

में जब मेथोडिस्ट टिड्डी ने, और कैटरपिलर टिड्डी ने, और बैपटिस्ट, और कैथलिक और उन सब टिड्डीयों ने उसको खा लिया था, उस विश्वास को जड़ तक खा लिया था, जब तक कि वह एक संस्थागत ठूंठ नहीं बन गया जहाँ पर कोई भी बीज बाकि नहीं रह गया। "परन्तु मैं उसको फिर से उसकी मूल अवस्था में लेकर आऊँगा," प्रभु कहता है, "इन सारे वर्षों में।" क्या हुआ? "उन सब चिन्हों और आश्चर्यकर्मो को उन्होंने त्याग दिया। मैं उसे फिर से ठीक उस मूल वृक्ष तक ले जाऊँगा, और मैं उसको उसकी मूल अवस्था में ले आऊँगा," प्रभु यों कहता है। वह भविष्यद्वक्ता एक प्रमाणित भविष्यद्वक्ता था। उसके वचन पूरे हो गये हैं। आमीन।

332 केवल पवित्र आत्मा ही मसीह के दिव्य प्रकाशन को प्रगट करता है, और ऐसा सभी युगों में रहा है। स्मरण रहे, सभी युगों मे! परमेश्वर का वचन किसके पास था? केवल भविष्यद्वक्ता के पास में। यह ठीक बात है। क्या यह एक ठीक बात है? और भविष्यद्वक्ता को पहले प्रमाणित होना था। इसलिये नहीं कि उसने कहा है कि वह भविष्यद्वक्ता है; क्योंकि उसका जन्म भविष्यद्वक्ता के रूप में हुआ है, और वह भविष्यद्वक्ता के रूप में प्रमाणित हुआ है, और हर एक बात जो कि उसने कही है वह ठीक वचन के अनुसार थी और वह घटित हुयी, तब फिर दूसरी बातें जाती रहती हैं। समझे? ऐसा था कि परमेश्वर का वचन केवल पवित्र आत्मा के द्वारा आया। बाईबिल ने कहा, "पूर्वकाल के मनुष्य, पवित्र आत्मा के द्वारा चलाये जाते थे, समझे, उन्होंने वचन को लिखा था।"

333 देखिये। यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला कभी भी यीशु को नहीं जान पाता यदि पवित्र आत्मा उसकी ओर इशारा नहीं करता। यह ठीक बात है? (सभा कहती है, "आमीन"—संम्पा)

334 यूहन्न बपतिस्मा देने वाला, वह महान भविष्यद्वक्ता जो कि आया था, और उसने कहा, "एक है जो कि तुम्हारे मध्य में अभी खड़ा है। और एक साधारण सा व्यक्ति यहाँ पर कहीं खड़ा हुआ है, वही परमेश्चर का मेमना है।" युहन्ना ने कहा, "तब मेरी यह गवाही है। मेरी यह गवाही है। मैंने पवित्र आत्मा को कबूतर की नाई आकाश से उतरते देखा, और वह उस पर ठहर

गया। और एक आवाज ने कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है जिसमें कि मैं अत्यन्त प्रसन्न हूँ।"'

वह क्या था? पवित्र आत्मा ने कहा, "मैं उसकी ओर इशारा करूंगा।"

335 उसे जान पाने का वही केवल एक तरीका है, केवल वही एक तरीका है जिससे कि आप को परमेश्वर का वह प्रकाशन जो कि तीन भागों में है, मिलता है, वह है पवित्र आत्मा के द्वारा। और केवल एक ही तरीका है जिससे कि यह हो सकता है, कि आप उस बात को देख पाने के लिये पहले से ठहराये गये हों। यदि ऐसा नहीं है, आप उस बात को कभी नहीं देख पायेंगे। यदि आप इस बात को देखने के लिये पहले से ठहराया नहीं गये हैं, आप उसे कभी नहीं देख पायेंगे; क्योंकि उजियाला चमक सकता है और आप उससे दूर चले जायेंगे और उसका उपहास उड़ायेंगे, और किसी बौद्धिक विचारधारा के द्वारा उस बात को समझा देंगे। जब कि वह परमेश्वर स्वयं अपने आप को प्रगट कर रहा है और इस बात को सिद्ध कर रहा है, समझे, परन्तु, यदि यह आपके भाग में नहीं है कि आप इसे देख पायें, आप उसे कभी भी देख नहीं पायेंगे।

336 परमेश्वर ने कभी बस यह नहीं कहा, "मैं इस वाले को चुन लूंगा, उस वाले व्यक्ति को चुन लूंगा," परन्तु वह ..के द्वारा जानता था। यही कारण था कि वह पहले से ठहरा सका, क्योंकि वह अनंत है, और वह–वह हर एक... वह अनंत है, अतः वह हर एक बात को जानता था। वह अंत को जानता था और आरंभ से अंत तक बता सकता था। वह परमेश्वर है। यदि वह ऐसा नहीं कर सकता है, वो परमेश्वर नहीं हो सकता है। हाँ श्रीमान। वह अनंत है। ठीक है।

337 यूहन्ना उसे कभी भी जान नहीं पाता, नहीं श्रीमान, यदि पवित्र आत्मा ने उसकी ओर इशारा नहीं किया होता। देखिये कि परमेश्वर अपने भेद को ऊँचे और शिक्षित और सभी से किस प्रकार से छुपाता है? देखिये, उन लोगो में से हर एक...?.. और साधारणता इस बात को उनके ऊपर प्रगट कर देती है जिनको कि इस बात को देखने के लिये पहले से ठहराया गया होता है।

यहाँ पर देखिये! दूसरे लोग जो कि वहाँ पर खड़े हुये थे, उन्होंने कभी भी पिंडुक को नहीं देखा था, उन्होंने कभी भी उस आवाज को नहीं सुना था, क्योंकि यह केवल पहले से ठहराये गये बीज के लिये भेजा गया था। पहले से ठहराये गये! निश्चित रूप से, वह पहले से ठहराया गया था!

338 क्यों, उसके जन्म लेने के सात सौ बारह वर्ष पूर्व, यशायाह आत्मा के अन्दर मानवीय चेतनाओं के ऊपर उठा लिया गया था, और उसने कहा, "जंगल में पुकारनेवाले का शब्द होता है,'प्रभु के लिये मार्ग तैयार करो, उसके लिये मार्ग को तैयार करो।"'

339 तब, यदि यशायाह इस बात को देख सका था, क्या मलाकी, जो कि पुराने नियम के सब भविष्यद्वक्ताओं की समाप्ति था, पहले से ठहराये गये अंत समय के भविष्यद्वक्ता के लिये उसी बात को नहीं देख सकता है, वह मुख्य. .. वह महान भविष्यद्वक्ता उस युग के अंत में खड़ा हुआ था? समझे? वह यह कह रहा है कि यह पहले से ठहराया गया है! निश्चित रूप से, वह था। मलाकी ने भी उसे देखा था।

340 यीशु ने कहा, "यदि तुम इस बात को ग्रहण कर सकते हो, यह वह है जिसके विषय में बोला गया था, 'मैं अपने दूत को अपने आगे भेजता हूँ, ताकि वह मेरे आगे मार्ग को तैयार करे।" समझे? निश्चित रूप से वह इस संदेश को देख पाने के लिये पहले से ठहराया गया था। इस बात में कोई आश्चर्य नहीं है कि वह वहाँ पर देख सकता था और उस पिंडुक को नीचे आते हुये देख सकता था, वह उजियाला जो कि जंगल में इस्राएल के साथ था, वह नीचे की ओर आ रहा था।

341 परमेश्वर स्वयं कह रहा है, "यह मेरा प्रिय पुत्र है जिसमें रहने से मैं अत्यन्त प्रसन्न हूँ।" परमेश्वर और मनुष्य एक हो रहे थे।

342 "मेरी यह गवाही है," यूहन्ना ने कहा, "मैं पिता से जन्में इकलौते को देखा, मैंने उसको देखा। मैं उस बात को गवाह हूँ।"आमीन!

343 आप उसी स्थति में हैं। साधारणता! वह अपने पिता के साथ था जो कि एक बूढ़ा प्रचारक था; उसका पिता एक महान धर्मशिक्षा ज्ञानी था, आप जानते हैं, वह एक विद्यालय से निकल कर आया था। ऐसा प्रतीत होता है कि वह अपने पिता की संस्था में वापस चला जायेगा। शायद परमेश्वर की यही इच्छा नहीं थी।

344 जब परमेश्वर ने उसके जन्म पर वहाँ स्पर्श किया, और उसके जन्म लेने के तीन महीने पहले उसने पवित्र आत्मा को प्राप्त किया। जी हाँ श्रीमान। जब मरीयम वहाँ पर गयी, और छोटा यूहन्ना अपने माता के गर्भ में छह महीने का था, और अभी नहीं...वे छोटी कोशिकायें अभी हिली नहीं थीं। और मरियम भयभीत थी... वे छोटी कोशिकायें बड़ रहीं थी, परन्तु वह बल्कि इलीशीबा किसी जीवन को नहीं महसूस कर पा रही थी। और जब मरियम आयी और उसे पकड़ा, और वह उसके गले मिली, अपने हाथों को उसके चारों ओर डाला, अपने हाथों को उसके ऊपर रखा। समझे? और कहा, " परमेश्वर ने मुझसे भी बातचीत की है, और मैं भी एक बच्चे को जन्म देने वाली हूँ।"

"क्या तुम और युसुफ विवाहित हो?"

"नहीं।"

"मरियम, यह कैसे हो सकता है?"

345 "पवित्र आत्मा मुझपर छाया करेगा, और मेरे अन्दर सृष्टि हो जायेगी। और मैं उसका नाम यीशु रखूंगी। वह परमेश्वर का पुत्र होगा।"

346 और जैसे ही वह शब्द 'यीशु' बोला गया, छोटा यूहन्ना ने उछलना, और चिल्लाना, और अपनी माता के गर्भ में चारों ओर उछलना शुरू कर दिया।

347 उसने कहा, "प्रभु का नाम धन्य हो! प्रभु की माता कहां से आयी? प्रभु की माता!" ओह मेरे परमेश्वर! "प्रभु की माता कहां से आयी? क्योंकि ज्योंही तेरे नमस्कार का शब्द मेरे कानो में पड़ा, त्योंही बच्चा मेरे पेट में आनन्द से

उछल पड़ा।''

348 इस बात में कोई आश्चर्य नहीं है कि उसको किसी सेमनरी की, किसी और चीज से अपने आप को शिक्षित करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। उसके पास एक जरूरी कार्य था। वह जंगल में रहने वाला व्यक्ति था, वह बाहर जंगल में गया और इन्तजार किया। परमेश्वर ने उसे वहाँ पर बताया, उससे बात करी, और उसके ऊपर प्रगट किया। ओह, वहाँ पर फिर से आपके प्रकाशन की बात है! ''और मैं तुझे बताता हूँ कि वह कौन है। तू एक भविष्यद्वक्ता है। वचन तेरे अन्दर है। तू जानता है तू कौन है। तुझे आना ही है।'' इस बात से पिछले रविवार के प्रश्न का उत्तर मिल जाता है। समझे? ''यूहन्ना, तू जानता है कि तू कौन है। परन्तु तू अपने आप को चुप चाप रख; कुछ मत कह। वहाँ पर जा। और जब तू इस व्यक्ति को देखेगा, स्वर्ग से एक चिन्ह आयेगा, जैसे कि उजियाला अर्थात एक पिंडुक नीचे आयेगा। जब तू उस चीज को देखेगा, तो वह वही होगा।''

349 यही कारण था, कि जब यीशु पानी से बाहर चलकर गया, यूहन्ना ने ऊपर देखा और उसने देखा कि वह पिंडुक नीचे आ रहा है, उसने कहा, ''देखो, वह परमेश्वर का मेमना है! वह वहाँ पर है! यह ही वह व्यक्ति है जो कि जगत के पापों को उठा कर ले जायेगा।''

350 यीशु पानी से बाहर निकलकर ठीक उसके पास तक चलकर गया। यूहन्ना की दो आँखों ने यीशु की दो आँखों से मुलाकात करी। वे रिश्ते में एक दूसरे के कुटुम्बि थे। मरीयम और एलीसीबा एक दूसरे के कुटुम्बि थे। उनकी आँखों ने एक दूसरे से मिलीं। वहाँ पर परमेश्वर और उसका भविष्यद्वक्ता खड़े हुये थे, आमीन।

351 यूहन्ना ने कहा, ''मुझे तुझसे बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है। तू मेरे पास क्यों आया है?''

352 यीशु ने कहा, ''अब तो ऐसा ही होने दे, क्योंकि हमें इसी रीति से सब धार्मिकता पूरा करना उचित है।''

353 यूहन्ना ने ऐसा क्यों किया? क्योंकि वह बलिदान था। यूहन्ना भविष्यद्वक्ता था। यूहन्ना भविष्यद्वक्ता था, वह जानता था; और बलिदान को प्रस्तुत करने से पहले उसे धोना जरूरी था। ओह! ओह! और उसके लिये यह उचित है, और उसने उसको बपतिस्मा दिया।

354 और जब उसने ऐसा किया, देखो कि स्वर्ग खुल गया, ओह मेरे परमेश्वर, और एक पिंडुक उसके ऊपर आया, और एक आवाज ने कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है जिसमें वास करने से मैं अत्यन्त प्रसन्न हूँ।" किंग जेम्स इस बात को इस प्रकार से बताती है, "जिसके अन्दर रहने से मैं प्रसन्न हूँ।" अतः यह आप बस इस बात को किसी भी प्रकार से कह सकते हैं, "अन्दर रहने से," या..."यह मेरा प्रिय पुत्र है जिसमें वास करने से मैं प्रसन्न हूँ," या "अन्दर वास करने से," इसमें से काई भी बात आप कह सकते हैं, एक ही बात है। ठीक है।

355 हम यह देखते हैं कि यह उसपर प्रगट किया गया था। दूसरे जो कि वहाँ पर खड़े हुये थे उन्होंने उस विषय में कुछ नहीं सुना। पवित्र आत्मा केवल उस बात को प्रगट करता है।

356 उसी प्रकार से उसने अपने आप को पौलूस के ऊपर प्रगट किया था, जो कि एक और पहले से ठहराया गया बीज था।

357 वहाँ पर पौलूस चारों ओर जा रहा था, शायद उसने यह कहा हो, "यदि मुझे वह झुण्ड मिल जाये, मैं उनके टुकड़े–टुकड़े कर दूंगा, क्योंकि मैं डाक्टर शाऊल हूँ। मैं गमलीएल के पास से आया हूँ। मैं मूडी बाईबिल संस्थान से आया हूँ..." या किसी और संस्थान से आया हूँ, समझे। "मैं–मैं विद्वान हूँ। मैं जानता हूँ कि मैं किस विषय पर बातचीत कर रहा हूँ। मैं उस पवित्र पाखंडी झुण्ड के टुकड़े–टुकड़े कर दूंगा। और महान पवित्र पिता, मैं तुझे यह बताता हूँ कि तू बस मुझे वहाँ पर जाने की अनुमति दे दे, और शोर मचाने वाले लोग जो कि वहाँ पर हैं, मैं उनमें से हर एक को गिरफ्तार कर लूंगा। यह सब दिव्य चंगाई की बातों को हम रोक देंगे।"

उसने उस चीज को अपनी जेब में रखा, कहा, "मैं वहाँ पर जा रहा हूँ।"

358 और उस दिन, ओह मेरे परमेश्वर, लगभग दिन के ग्यारह बजे, एक–एक प्रकाश उसके चेहरे पर चमका, और वह जमीन पर गिर गया।

359 क्यों? वह पहले से ठहराया गया बीज था। परमेश्वर ने कहा, "मैंने उसको चुना है। हाँ। और मैं उसको यह बताने जा रहा हूँ कि मेरे नाम की खातिर वह कितनी महान दुःखों को भोगेगा। मैं उसे अन्य जातियों के पास भेजूंगा, और उसकी हर प्रकार से अपमानित किया जायेगा जितना कि वे कर सकते हैं, परन्तु फिर भी वह मेरे नाम को धारण करेगा।"

360 तब पौलूस वहाँ पर गया, जब तक कि उसके ऊपर से पुरोहिती बातें कट कर गिर न गयीं, वह वहाँ रेगिस्तान के पीछे साढ़े तीन वर्ष तक रहा। वह वहाँ अरेबिया में रहा, जबतक कि उसने वचन को सीख न लिया, और वचन पौलूस न बन गया। और वह कैदी बन गया; यहाँ पर वह प्रेम की जंजीरों में बंधा हुआ आता है!" मेरा सारा सेमीनरी अनुभव दूर हो गया है! मैं यीशु मसीह का कैदी हूँ। आमीन! फिलेमौन, मेरे भाई, मैं यीशु मसीह का कैदी हूँ। मैं वही बोल सकता हूँ और वही कह सकता हूँ जो वह मुझे बताता है।"

361 परमेश्वर को आज कैदीयों की आवश्यकता है जो कि उसकी इच्छा में कैद हो जायें, उसके वचन में कैद हो जायें।

362 पौलूस वही व्यक्ति था। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि उसने कितनी बौद्धिक बातें सीखी थीं, उसने परमेश्वर को प्रकाशन के द्वारा जान लिया था। जी हाँ श्रीमान। जब प्रकाशन आया, बुद्धिजीवी व्यक्ति फिर पूर्ण रूप से बाहर चला गया; जिसके ऊपर कलीसिया को बनाया गया है। जी हाँ श्रीमान। ध्यान दें, वह पहले से ठहराया गया बीज था।

363 केवल पवित्र आत्मा ही आप को यह दिखाता है कि वह कौन है। कोई व्यक्ति ऐसा नहीं कर सकता है; वे उस बात में से आप को "पिता, पुत्र और

पवित्र आत्मा'' बना कर दिखा देंगे और हर एक बात दिखा देंगे। समझे? परन्तु पवित्र आत्मा उसे स्वर्ग का परमेश्वर जो कि प्रगट हुआ है, के रूप में प्रगट करेगा, जो कि वह है, ओह मेरे परमेश्वर!

364 अब ध्यान दें। किसी भविष्यद्वक्ता में नहीं, किसी राजा में नहीं, किसी और बात में नहीं; परन्तु यहाँ पर, पहली बार, परमेश्वर मसीह में, जो कि परमेश्वर की देह के साथ में परिपूर्णता थी, प्रगट हुआ। यही प्रकाशन है। ओह मेरे परमेश्वर! अब मैं गाने की एक आयत गाने जा रहा हूँ।

राष्ट्र टूट रहे हैं, इस्राएल जाग रहा है, ( क्या वे ऐसा कर रहे हैं?)
वह चिन्ह जो कि भविष्यद्वक्ता ने पहले से बताये थे;
अन्य जाति की कलीसिया जो कि संस्था में है, उनके दिन गिने हुये हैं, कष्ट बाधा डाल रहे हैं;
''ओह तितर–बितर हुओ, अपनो के पास वापस लौट आओ।' तुम्हें उनमें से लात मार कर बाहर कर दिया गया है।
छुटकारे का समय निकट है,
मनुष्यों के हृदय डर के मारे रूक रहे हैं;

365 हालीवुड के उनके सारे चुटकले उस चीज को ढाँप नहीं पा रहे हैं। जैसे कि एक छोटा बच्चा सीटी बजाते हुये रात्रि में कब्रिसतान के पास से जाता है। समझे?

आत्मा से भर जाओ, अपनी बत्तियों को काट–छांट लो और साफ कर लो,
ऊपर देखो, तुम्हारा छुटकारा निकट है!
झूठे भविष्यद्वक्ता असत्य बोल रहे हैं, परमेश्वर के वचन का वे इंकार कर रहे हैं,
कि यीशु मसीह हमारा परमेश्वर है; (यह ठीक बात है)
इस पीढ़ी ने परमेश्वर के प्रकाशन को अस्वीकार कर दिया है,
परन्तु हम वहाँ पर चल रहे हैं जहाँ पर प्रेरित चला करते थे।

छुटकारे का समय निकट है,

मनुष्यों के हृदय डर के मारे रूक रहे हैं;

आत्मा से भर जाओ, अपनी बत्तियों को काट–छांट लो और साफ कर लो,

ऊपर देखो, तुम्हारा छुटकारा निकट है!

366 भाई, उस प्रकाशन को पा लो। यह पीढ़ी परमेश्वर के प्रकाशन को अस्वीकार कर रही है! समझे? झूठे भविष्यद्वक्ता ऐसा कर रहे हैं। "तुम उनको उनके फलों से पहचानोंगे।" वे दोगले हैं। वे संस्था में बड़े किये गये हैं; बजाये परमेश्वर के वचन में, परमेश्वर के प्रकाशन में जो कि वचन है, और परमेश्वर का प्रकाशन मसीह में से होकर प्रगट हो रहा है। ओह मेरे परमेश्वर!

367 हम यहाँ पर रूक सकते हैं, परन्तु यदि... हम फिर से इसे देखेंगे जब मैं वापस आऊँगा। अब ... आप आगे चलना चाहते हैं, यह आपके ऊपर है। (सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) ठीक है। बस थोड़ा सा.. मैं जल्दी करूंगा, परन्तु पर्याप्त समय लूंगा ताकि आप... आप के पास इसके बाद विश्राम करने का समय है। ठीक है।

वही बात, ध्यान दें, पहले से ठहराया गया बीज!

368 केवल पवित्र आत्मा आपको यह दिखाता है कि वह कौन है; कोई भविष्यद्वक्ता या राजा नहीं। और यहाँ पर परमेश्वर देह में प्रगट हुआ है। यहाँ पर परिपूर्णता है। वह पूर्ण रूप से संसार के लिये प्रगट कर दिया गया है और उसे जाना जा चुका है। ओह मेरे परमेश्वर!

369 रूपान्तरण पर्वत पर देखिये, जहाँ पर स्वयं परमेश्वर की गवाही हुयी थी, 'यह मेरा प्रिय पुत्र है। इसकी सुनो!" वहाँ पर मूसा खड़ा हुआ था जो कि व्यवस्था का प्रतिनिधित्व कर रहा था। वहाँ पर ऐल्यिाह भविष्यद्वक्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहा था। परन्तु वह... वे चले गये, और उसने कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है। इसकी सुनो।!" वहाँ पर तीन चीजों का प्रतिनिधित्व हो रहा था; व्यवस्था, भविष्यद्वक्ताओं का, और मू.. और मसीह। ओर उसने कहा, "यह है

वो।" परमेश्वर, पूर्ण रूप से; यह चीज भविष्द्धकताओं में प्रगट नहीं हुयी, व्यवस्था में प्रगट नहीं हुयी; परन्तु मसीह में प्रगट हुयी, जो कि वह है।

370 मसीह के पास दया है। व्यवस्था आप को जेल में डाल देती है, परन्तु वह आपको वहाँ पर से बाहर नहीं निकालती है। भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का न्याय होते हैं, कि आप को दोषी ठहराये और उस बात के लिये आप को मार डालें। यह ठीक बात है। परन्तु यीशु परमेश्वर का प्रेम और प्रकाशन था, कि वह पहले से ठहराये गये बीज को यह बात बताये कि उसने आप को बुलाया है। "यह वही है। इसकी सुनो!"

371 जानना! परमेश्वर की परिपूर्णता को जान लिया गया है। उस भेद की वह गुप्त बात अब प्रगट हुयी है, कि परमेश्वर प्रगट हुआ है। परमेश्वर और मनुष्य एक हो गये हैं, वो अभिषिक्त व्यक्ति मसीह है! मसीह का क्या अर्थ होता है? "वह अभिषिक्त जन", वह अभिषिक्त किया हुआ जन जिसको कि परमेश्वर की देह के साथ में परिपूर्णता से अभिषिक्त किया गया था। ओह मेरे परमेश्वर! लोग इस बात पर कैसे संदेह कर सकते हैं?

372 जबकि एक समय, कुछ हद तक मूसा के पास वह था; कुछ हद तक दाऊद के पास वह था; ओह मेरे परमेश्वर, परन्तु यहाँ पर वह परिपूर्णता में प्रगट हुआ है, वह परमेश्वर स्वयं पृथ्वी पर खड़ा हुआ है। परमेश्वर, परिपूर्णता में है, ताकि वह अपने लोगो के पापों के लिये मर सके, ताकि वह अपनी कलीसिया के लिये एक पवित्रताई का जीवन ला सके; ताकि वह परिपूर्णता में अपनी कलीसिया में प्रधान हो सके, ताकि वह उस हर एक प्रतिज्ञा को प्रगट कर सके जो कि उसने अंतिम दिनो के लिये की है। समझे? वह क्या बात थी. ..

373 अब सुने। क्या आप हैं? अब आप अपने आप को थोड़ा सा चिकोटी काटें। समझे? देखीये।

374 यीशु किसलिये प्रगट हुआ था? परमेश्वर को दिखाने के लिये। वह परमेश्वर था। उसको होना ही था; कोई भी व्यक्ति मर नहीं सकता है, कोई

भविष्यद्वक्ता मर नहीं सकता था। वह परमेश्वर था। वह भविष्यद्वक्ताओं का परमेश्वर था। वह राजा था। वह इतिहास था। वह वो था जो कि आनेवाला था। वह जो था, वह जो है, और वह जिसे इस दिन में होना था; कल, आज और सर्वदा एक सा। वह उसी उद्देश्य के लिये प्रगट हुआ था।

375 और उसी उद्देश्य के द्वारा उसने एक कलीसिया को पाया, ताकि वह, जो परमेश्वर की परिपूर्णता है, अंतिम दिनो में हर एक प्रतिज्ञा किये गये वचन को पूरा करे; जब उसे प्रधानता प्राप्त होती है, कलीसिया में सर्वोच्च स्थान प्राप्त होता है, जो कि कलीसिया में उसका स्थान है। यीशु ने कहा, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो कार्य मैं करता हूँ वह भी करेगा; इससे भी बड़े कार्य करेगा, क्योंकि मैं अपने पिता के पास जाता हूँ।" समझे, वही उसका उद्देश्य था। वहाँ पर वह प्रगटीकरण है। और अब, आज, वह किसी ऐसे व्यक्ति को चाहता है जो कि इस बात को इतना समझ जाये, कि वो वचन को करने दे...

376 समझे, यीशु ने इस बात को समझा था, वह उस दिन के लिये इतने सिद्ध रूप में जन्मा था, जबतक कि परमेश्वर ने अपने आप उसकी हर एक चाल में होते हुये प्रगट किया। वह परमेश्वर का प्रकाशन था; प्रगट किया हुआ परमेश्वर था।

377 अब उसने एक कलीसिया को अपनी आत्मा और लहु के द्वारा पवित्र किया, ताकि वह हर एक उस प्रतिज्ञा को जो कि अंतिम दिन में की गयी है, प्रगट करे। अब, समझे, वह वापस जा सकता था और उन बातों को ले सकता था जो कि इन लोगो ने यहाँ अंतिम दिनो में छोड़ दी थी, और अपनी पवित्र आत्मा के द्वारा सात मोहरों के सब भेदों को प्रगट करे। समझे, वह अपने आप को प्रगट कर रहा है। यही उसका उद्देश्य है। इसी लिये वह मरा। यह उसके तीन भागों के प्रगटीकरण का दूसरा भाग है। पहला, अपने आप को मसीह में प्रगट करने के लिये, फिर अपने आप को कलीसिया में प्रगट करने के लिये। और यह वही बात है, मसीह वचन था, और कलीसिया वचन बनती है जब वह उस वचन को अपने अन्दर से होकर जाने देती है।

378 परन्तु जब वे एक दोगली संस्था को ग्रहण करते हैं, वचन उसमें से होकर कैसे जा सकता है? यह पृथ्वी के संपर्क में आता है, तब फिर यह बात लघुपथ(short-circuit) को जन्म देती है और फ्यूज उड़ जाता है। समझे? समझे?

379 परन्तु जब विद्युत स्वतन्त्रता के साथ बह रहा होता है, जो कि परमेश्वर का वचन है, तब यह अपने आप को प्रगट करता है। "जो कार्य मैं करता हूँ तुम भी करोगे।" और अंतिम दिनो में ऐसा होगा। "देखो मैं तुम्हारे पास एल्ियाय नबी को भेजूंगा, और वह पुत्रों के हृदय को पित्रों के विश्वास की ओर फेरेगा।"

380 और वहाँ पर, एक समय ऐसा आयेगा जब वह अपने आप को कलीसिया के द्वारा परमेश्रत्व की परिपूर्णता में प्रगट करेगा, अपनी कलीसिया में वह सर्वोच्च स्थान प्राप्त करेगा। ओह मेरे परमेश्वर! क्यों? वह अभिषिक्त पुरूष; अब अभिषिक्त लोग है; ओह मेरे परमेश्वर, अभिषिक्त दुल्हन और दुल्हे को वापस लेकर आये। आदम और हव्वा ने जिस चीज क्को अस्वीकार कर दिया था, उस चीज को ग्रहण करने के द्वारा अभिषिक्त(क्यों?) होना; वचन के अभिषेक के साथ वापस आना, क्योंकि उसने कहा था, "मेरा वचन आत्मा है।" समझे, वचन से अभिषिक्त है। जिस बात को हव्वा ने अस्वीकार कर दिया था, वह वापस आता है और हम उसे ग्रहण करते हैं।

381 उस दोगली स्थति को फिर से देखें, कि उसने हव्वा के साथ ठीक यही किया था।

382 उसने हव्वा को बताया, "तुम इस बात को न करना, और तुम उस बात को न करना; और तुम यह कर सकते हो, और वह कर सकते हो।"

383 और शैतान ने कहा, "ओह! तुम जानते हो..." परन्तु वह पीछे मुड़ी और उसकी बात सुनी।

384 परन्तु अंतिम दिन की हव्वा यह बात नहीं करने जा रही है, क्योंकि

वह इस बात को न करने के लिये पहले से ठहरायी गयी है। जी हाँ श्रीमान। परमेश्वर इस बात को करने जा रहा है। वह जानता है। उसके पास वह होगी। उसने कहा कि उसका,...''कलीसिया वहाँ पर बिना दाग या झुर्री के होगी।'' वह वहाँ पर उसकी महिमा में खड़ी होने जा रही है, उसका वचन प्रगट होने जा रहा है।

385 वह संसार के लिये एक टोकन होगी। वह ...होगी। वह संसार के लिये कुछ इस प्रकार से होगी कि संसार उसकी ओर देख कर कह सकता है, अच्छा, बाकि का संसार कहेगा, ''ओह, वह पवित्र पाखंडी है। वह उसकी कुटुम्बि है। वह हमारे झुण्ड की नहीं है।'' मैं इस बात को जानता हूँ। यह एक अच्छी बात है, समझे। वह यहाँ ऊपर के झुण्ड से संबन्ध रखती है।

386 किसी दूसरे दिन एक व्यक्ति ने मुझसे कहा, वह खड़ा हुआ था और बातचीत कर रहा था, उसने कहा, ''अच्छा, आप का संबन्ध किस संस्था से है?''

मैंने कहा, ''किसी से नहीं।''

''क्या?''

''किसी से नहीं।'' मैंने कहा, ''मैं एक राज्य का हूँ।''

''अच्छा, आप उसमें कैसे शामिल होते हैं?''

''आप उसमें शामिल नहीं होते हैं। आप उसमें जन्म पाते हैं।''

''यह कौन सा राज्य है?''

मैंने कहा, ''यीशु मसीह की काल्पनिक देह।''

387 ''एक ही आत्मा के द्वारा हमारा बपतिस्मा इस देह में होता है,'' उसकी

आत्मा के द्वारा हम जन्म लेते हैं, तब फिर हम राज्य में शामिल होते हैं। और हमारे जीवन अमेरिकन नहीं हैं, हम जर्मन नहीं हैं, हम कुछ नहीं हैं; हम मसीही हैं। हम बस गये हैं, और आत्मा में चलते हैं, और संसार की चीजों से हटकर हम प्रेम के गुलाम बन गये हैं। और संसार के अपने अधिकारों को हम बेच चुके हैं और इस महान कीमत के मोती को खरीद लिया है, और हम चलते हैं और पवित्र आत्मा को स्वयं प्रगट होने देते हैं। यही उसकी वास्तविक कलीसिया है। आप यही हैं, या जो कि मैं हूँ, और यदि हम अपने आप को परमेश्वर की सेवा करने देंगे, और उसके वचन के द्वारा करने देंगे, और न कि उस बात के द्वारा कि कोई मत क्या कहता है।

388 ध्यान दें, वह अभिषिक्त व्यक्ति, जो कि मसीह है, स्वयं यहाँ पर है, ओह परमेश्वर को जाना जा रहा है। परन्तु अब... देखिये! परन्तु अब(क्या?) उसके पास प्रधानता है। परमेश्वर पूर्ण रूप से यीशु मसीह में प्रगट हुआ है, यह परमेश्वर के प्रकाशन का वह महान भेद है।

389 इस महान प्रकाशन की ज्योति ने इस संसार की बुद्धि को हमेशा अंधा किया है।

390 यीशु मसीह के दिनो में, जब वह पृथ्वी पर था, उन्होंने–उन्होंने उनको अंधा कर दिया था। उन्होंने कहा, "क्यों, यहाँ तक कि तू अपने आप को परमेश्वर बनाता है! तू अपने आप को परमेश्वर के तुल्य बनाता है!" वह न ही परमेश्वर के तुल्य था; वह स्वयं परमेश्वर था। समझे? समझे, वे उस बात को समझ नहीं पाये। और एक प्रकार से, आप में से कुछ शायद...

391 मैंने यह अश्विासीयों से एक बार सुना था कि यीशु ने यह कभी नहीं कहा कि वह परमेश्वर का पुत्र था। निश्चित रूप से वह था। आप बस अपनी बाईबिल को नहीं जानते हैं। कुयें पर उस स्त्री से उसने क्या कहा था? समझे? उसने उसको क्या बता था?

392 "मैं जानती हूँ कि मसीहा आ रहा है। और जब वह आता है, वह इन बातों को करेगा।"

उसने कहा, "मैं वही हूँ, जो कि तुझसे बात कर रहा हूँ।"

और पौलूस से भी, और विभिन्न व्यक्तियों से भी उसने कहा था।

ध्यान दें। परन्तु अब कलीसिया के पास प्रधानता है।

393 परमेश्वर के महान भेद ने हमेशा संसार के ज्ञान को अंधा किया है। वे उस बात को नहीं समझ सकते हैं। वे बस उस बात को नहीं समझ सकते हैं। शैतान उस बात को समझ नहीं सकता है। उनमें से कोई भी उस बात को समझ नहीं सकता है, परन्तु बस वे लोग जो कि इसे समझने के लिये पहले से ठहराये गये हैं, कि कैसे मसीह और परमेश्वर एक हैं। वे उसे हर एक बार तीन बना देंगे। समझे? वे निश्चित रूप से ऐसा करेंगे।

394 ध्यान दें, अगली बात, प्रगट किया गया मसीह आप के अन्दर है, जो कि महिमा की आशा है। वह महान प्रगट किया गया परमेश्वर मसीह में है; अब मसीह आप में प्रगट हुआ है।

हम जल्दी करेंगे।

395 देखिये! जो एक समय परमेश्वर का भेद था, उसके दिमाग में महान गुप्त भेद था, उसको अब विश्वासी के हृदय में डाल दिया गया है, जो कि मसीह की देह है। जगत की उत्पत्ति से पहले, एक समय जो उसके दिमाग में महान भेद था, अब प्रगट हो गया है। उसके विषय में सोचें! समझे? ओह मेरे परमेश्वर!

396 मैं सुनिश्चित हूँ कि हमें नहीं, हमें समझ में नहीं आया। अच्छा, मैं–मैं इस बात को उस प्रकार से नहीं देख रहा हूँ जिस प्रकार से हमें देखना चाहिये, और–और मैं निश्चित हूँ कि आप की समझ में नहीं आया है। समझे?

397 परन्तु परमेश्वर का वह महान भेद, अनन्त परमेश्वर के पास जो भेद था, अब यीशु मसीह में बेपरदा हो गया है, फिर वह बात कलीसिया को दे

दी गयी है। एक समय जो बात परमेश्वर के दिमाग में थी वह अब मसीह की देह में है। यीशु अपनी कलीसिया अर्थात अपनी दुल्हन से से प्रेम कर रहा है, भेदों को फुसफुसा कर उसे बता रहा है।

398 आप जानते हैं कि आप अपनी पत्नी को, उस छोटी लड़की को जिससे आप विवाह करने जा रहे होते हैं, किस प्रकार से बातों को बताते हैं। आप उससे इतना अधिक प्रेम करते हैं, आप बस उसे भेदों को बता देते हैं, और उसे अपने पास लेकर आते हैं, और वह आपसे प्रेम करती है और सभी कुछ करती है। आप जानते हैं कि यह बात कैसे होती है।

399 यही वह बात है जो कि मसीह अपनी कलीसिया के साथ कर रहा है। समझे? वह उसे भेदों को बता रहा है, बस भेदों को। इन दिखावटी प्रेम करने वालों को नहीं; मेरा मतलब उसकी पत्नी से है। समझे? ठीक है। अब देखें। नहीं। अपने भेद का प्रकाशन उन लोगो को बताने के द्वारा, अपने अनुग्रह के द्वारा! परमेश्वरं का अनुग्रह कैसे उस बात को करता है! लोग, मैं जानता हूँ..मैं आशा करता हूँ कि आप ऐसा नहीं सोच रहे हैं कि यह बात सुनने में ऐसी लगती है जैसे कि एक झुण्ड के लोगो के लिये व्यक्तिगत रूप में कही जा रही हो; परन्तु , या यह या वह बात है; परन्तु यह वह भेद है जो कि परमेश्वर अपनी कलीसिया के साथ बाँट रहा है, यदि वे बस उस उस बात को ग्रहण करेंगे। समझे? इसका मतलब बस मुझसे या बस आपसे नहीं है। इसका मतलब कलीसिया से है, जिसमे वह अन्दर आने का यत्न कर रहा है।

400 और आप कहते हैं, "अच्छा, वे इस बात को क्यों ग्रहण नहीं करते हैं?" वे इसे ग्रहण नहीं कर सकते हैं। उसने पुनः कहा, उसने इन बातों को कहा। "और वे कैसे कर सकते हैं?" क्योंकि यशायाह ने कहा था कि वे इस बात को नहीं देख पायेंगे। समझे? और उसने हमेशा यह कहा है...

401 पौलूस भविष्यद्वक्ता ने कहा, "अंतिम दिनो में लोग ढीठ, घमंडी, सुख–विलास के चाहने वाले, विश्वासघाती, दोष लगानेवाले, असंयमी, और भले के बैरी होंगे; ढीठ, घमंडी समझे; भक्ति का भेष तो धरेंगे, परन्तु उसकी सामर्थ को न मानेंगे; ऐसों से दूर रहना। उन्हीं में से वे लोग हैं, जो घरों में

दबे पांव घुस आते हैं और उन छिछोरी स्त्रियों को वश में कर लेते हैं, जो पापों से दबी और हर प्रकार की अभिलाषाओं के वश में हैं," आधी पैंट पहनती हैं, और कटे हुये बाल हैं, और सभी प्रकार की बातें हैं।" "जो पापों से दबी और हर प्रकार की अभिलाषाओं के वश में हैं और कह रही हैं,'यह ठीक बात है। ओह, वे वहाँ पर पागल हो गयीं हैं। आप उस चीज कोई ध्या..." समझे? "सत्य की पहचान पर कभी नहीं पहुंचती हैं। और जैसे यन्नेस और यम्ब्रेस ने मूसा का विरोध किया था," और कलीसिया को उत्पन्न कर लिया था, और एक लोगो के झुण्ड को उत्पन्न कर लिया था। जी हाँ श्रीमान।

402 "परन्तु उन की अज्ञानता सब मनुष्यों पर प्रगट हो जायेगी," जब यीशु अपनी दुल्हन को लेता है और उसे वहाँ पर बैठाता है, और कहता है, "यही है वो," और वह उसको अपने साथ में ले जाता है। यह ठीक बात है। और उनकी अज्ञानता प्रगट हो जायेगी।

403 उसके अनुग्रह के द्वारा इस भेद के प्रकाशन को उन लोगो पर प्रगट होते हुये देखें! देखिये! जब इस महान प्रकाशन को, प्रगट किये गया भेद को आप जान जाते हैं, तब आप संसार की सारी चीजों का त्याग कर देते हैं।

404 अब मैं पुनः एक बार वापस आऊँगा। मुझे शायद यह बात कह देनी चहिये। मैं उस बात की ओर इशारा कर रहा हूँ। टेप के कारण, और वे जो कि उस पार जा रहे हैं। यह टेप संसार में सभी ओर जाते हैं। समझे?

405 आप स्त्रीयों जो कि यह दावा करती हैं कि आपको पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त हुआ है, और आपके अन्दर इतना साहस नहीं है कि आप अपने बालो को बढ़ायें; जबकि बाईबिल इस बात को दोषी ठहराती है और कहती है कि स्त्री... एक पुरूष के पास अपनी पत्नी को तलाक देने का अधिकार है यदि वह अपने बालों को कटवाती है। यदि वह ऐसा करता है तो वह परमेश्वर के सामने आदर की बात है। बाईबिल कहती है, यदि वह अपने बालों को कटवाती है, वह अपने सिर का अपमान करती है। और यह एक आम बात है; बस आप जानते हैं, एक स्त्री के लिये कटे हुये बालों के साथ प्रार्थना करना, यह कितनी पुरानी और आम सी बात है। समझे?

406 छोटी पैंटो को पहनना, और चुस्त पाजामी को पहनना और यह सब चीजें! बाईबिल कहती है, "कोई भी स्त्री जो कि," ( ओह, आप कहते हैं...) "पुरूषों के पहनावे पहनती हैं, तो यह परमेश्वर की दृष्टि में एक घृणित बात है," गन्दी, मैली बात है, जैसे कि एक पुराना बदबूदार शौचालय होता है। समझे? ओह मेरे परमेश्वर! यह परमेश्वर की नाक में दुर्गन्ध है! और फिर आप इस चीज के साथ प्रार्थना करने का यत्न करती हैं? परमेश्वर उसको अस्स्वीकार कर देता है, उसको नहीं सुनता है। यह ठीक बात है।

407 "अच्छा," आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, अब एक मिनट रूकिये, आप पुराने नियम के विषय में बात कर रहे हैं।"

408 वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। यह परमेश्वर का पूरा प्रकाशन है। परमेश्वर यदि कभी किसी बात को कहता है, वह उसे कभी भी नहीं बदलता है। वह हमेशा उसे बड़ा कर देता है, उसे बदलता नहीं है। व्यवस्था को बड़ा किया गया, बदला नहीं गया। बड़ा दिया गया!

409 "जो भी कोई व्याभिचार करेगा वह मृत्यु का दोषी पाया जायेगा,' परन्तु जो कोई भी," अब बड़ा कर रहा है, "स्त्री के ऊपर कुदृष्टि डाले!" उसने आज्ञा को कभी बदला नहीं। उसने उसे बड़ा कर दिया।

410 "सबत के दिन को स्मरण करनाः उसे पवित्र रखना," यह सप्ताह में एक दिन था; अब उसने उसे बड़ा कर दिया, "विश्राम" परमेश्वर की आत्मा को रखने से आता है। "आज्ञा पर आज्ञा, नियम पर नियम, थोड़ा यहाँ, थोड़ा वहाँ। और जो अच्छा है उसे पकड़े रहो। वह तो इन लोगो से परदेशी होंठो और विदेशी भाषावालों के द्वारा बातें करेगा। विश्राम इसी से मिलेगा। यह प्रभु की उपस्थिति से प्राप्त ताजगी है।"

411 और फिर भी उन्होंने उस बात को नहीं सुना, अपने सिरों को हिलाया और अपनी संस्थाओं की ओर चले गये। "यही ताजगी है," समझे, सबत के दिन की बड़ाई करना; यह बात आप सबत के मानने वालों और ऐसे ही लोगो के लिये है। ओह मेरे पमेश्वर! वह नहीं बदलता है। वह उसे बड़ा देता है।

"अद्योलोक ने उन लोगो को ग्रहण करने के लिये अपने फाटकों को फैला लिया है।"

412 अब, आप अब यह देख सकते हैं, क्यों इस अंत समय के संदेश को अस्वीकार किया जाता है। क्या आप देख सकते हैं? (सभा कहती है, "आमीन"–सम्पा) अब, यह कोई संस्था नहीं है, परन्तु उसके भेद का प्रकाशन है। समझे, यह कोई संस्था नहीं है। यह प्रकाशन है! परमेश्वर संस्था से नहीं जाना जाता है। वह प्रकाशन से जाना जाता है।

413 देखिये! परमेश्वर अपनी देह, अर्थात मसीह में है; और मसीह अपनी देह अर्थात दुल्हन में है। ओह–ओह–ओह मेरे परमेश्वर! परमेश्वर मसीह में प्रगट हुआ है; मसीह दुल्हन में प्रगट हुआ है! और जैसे कि परमेश्वर ने आदम की देह में से स्त्री को लिया था, और वह गिर गयी थी; तब परमेश्वर ने मसीह की देह में से, अर्थात अपनी देह में से, अपने मांस में से, जो कि उसका वचन है, एक दुल्हन को बाहर निकाल रहा है जो कि संस्था या मत के द्वारा नहीं गिरेगी। नहीं श्रीमान। परन्तु वह विशुद्ध, मिलावटरहित, प्रगट किये गये परमेश्वर के वचन के साथ में वापस आ रही है।

414 मैं आशा करता हूँ कि हर एक पुरूष और हर एक स्त्री जो कि इस टेप को सुनता है, इस बात को समझ जायेंगे। समझे?

415 वह दूसरी हव्वा है, परन्तु वह शुद्धता और पवित्रता के अपने वस्त्रों को खराब नहीं कर रही है और उनको तोड़ नहीं रही है, जो कि उसके पति के लिये हैं। वह वचन के साथ में इस बात पर ध्यान दिये बिना बनी रहेगी कि कोई कहता है; आप एकता लाने के सारे उपाय कर सकते हैं, और आप सभी से सम्बन्ध रख सकते हैं।

416 और बहुत जल्द वे उत्पीड़न को लेकर आयेंगे, और सारी कलीसियाओं को बन्द कर देंगे। आप उस चीज को समझें। इस प्रकार के सारे गिरजों को, जो कि संस्थायें नहीं हैं, वे गोदामो के रूप में उपयोग करेंगे। और यदि कोई व्यक्ति जाकर उस व्यक्ति के लिये प्रार्थना करता है जो कि इस एकता लाने

के आन्दोलन से संबन्ध नहीं रखता है, उसे उसी स्थान पर गोली मार दी जायेगी। ऐसा पहले हो चुका है। लूथरन सेवक, जो कि उस चीज का मुख्य व्यक्ति है, उसने ऐसा बताया था। और यह बात ठीक यहाँ पर है। आप इस बात को ठीक यहाँ पर अपनी पत्रिका में पड़ सकते हैं। यह ठीक बात है।

417 इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है वे क्या कहते हैं, कलीसिया इस उजियाले में बफादारी के साथ में खड़ी रहेगी। उसने वहाँ पीछे इस बात को सिद्ध कर दिया है, और वह किसी भी कीमत पर उसे फिर से करेगी। यह परमेश्वर का वचन है। और वे, सारे एकता लाने के आन्दोलन और सभी कुछ, समाप्त हो जायेंगे। वह वहाँ पर बिना दाग या झुर्री के होगी। यह ठीक बात है। वह वहाँ पर खड़ी रहेगी।

418 ध्यान दें, परमेश्वर अपनी देह, अर्थात मसीह में प्रगट हुआ। अब क्या आप उस सुन्दर बात को, जो कि तीन भागों में है, देखते हैं?

419 मसीह अपनी देह, अर्थात कलीसिया में है, अपने प्रतिज्ञा के वचन को प्रमाणित कर रहा है, जैसे कि परमेश्वर ने मसीह में से होकर किया था।

420 "पाप के लिये कौन मुझे दोषी ठहरा सकता है? यदि मैं अपने पिता के कार्यों को नहीं करता हूँ, तब मैं कहाँ पर असफल हुआ हूँ? अब तुम लोग यह कहते हो कि तुम उस बात को कर रहे हो, संस्था इस बात को अब कर रही हैं, अब मुझे दिखाओ। हाँ। मुझे दिखाओ कि मैं मसीहा होने में कहां पर चूक गया हूँ। मुझे दिखाओ कि मैं एक भी चिन्ह को प्रगट करने में कहां पर चूका हूं जिसको कि परमेश्वर ने कहा था कि मसीहा करेगा, कि मैंने वह बात कहां पर पूरी नहीं की है," उसने ऐसा कहा। समझे? परमेश्वर अपनी देह में था।

421 अब मसीह, "जो कार्य मैं करता हूँ, तुम भी करोगे।" समझे, समझे,यह वही परमेश्वर है। समझे? "जो कार्य मैं करता हूँ, तुम भी करोगे; इससे भी बड़े कार्य करोगे, क्योंकि मैं अपने पिता के पास जाता हूँ," कलीसिया कुछ देर और प्रकाश में चलेगी, समझे, उसके प्रतिज्ञा के वचन को प्रमाणित करेगी। जैसे

परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञाओं को मसीह की देह में पूरा किया था, वैसे ही मसीह उन्हीं कार्यों को मसीह की देह में कर रहा है, समझे, अब अपने भेद को अपनी दुल्हन रूपी वृक्ष को इस अंतिम दिन में बता रहा है, उन्हीं फलों को लेकर आ रहा है जो कि उस वृक्ष पर आरंभ में थे।

422 ध्यान दें, वह पेड़ एक डाली, एक लूथरन को लेकर आता है। उसने क्या किया? जब पेड़ ने बड़ना आरंभ किया, यहाँ पर फल उसके साथ आने लगे। क्या हुआ? उन्होंने उसे संस्थागत कर दिया। अतः छांटनेवाला, अर्थात पिता जो कि किसान है, आता है, और उसे काटता...?... "वह मर चुका है।"

423 वेसली के लोग आते हैं; उन्होंने अच्छी तरह से बड़ना आरंभ किया। उसने क्या किया? वह फल वापस उस पेड़ में चला गया, अतः उसने उस दाखलता को काट डाला, वह मृत हो गयी।

424 मुझे एक दिखायें, एक कलीसिया दिखायें... मैं जानना चाहता हूँ। मेरे पास तैंतीस वर्ष का कलीसियायी इतिहास है। मुझे एक दिखायें कि एक बार भी, एक स्थान जहाँ पर कभी कोई कलीसिया संस्थागत होकर वहीं अपने स्थान पर मृत न हो गयी हो। मुझे एक स्थान दिखायें जब वे कभी फिर से खड़े हुये हों, बस गिनतीओं और चीजों को छोड़कर, बेदारी नहीं हुयी। समझे? यह वहाँ पर नहीं है। नहीं श्रीमान। वह पूर्ण रूप से समाप्त हो चुकी है।

425 अतः उस किसान ने क्या किया? वह आया और उसे छांट दिया। समझे? वह संस्था के फलों को लेकर आयी; संतरे के पेड़ पर नीबू को लेकर आयी, अतः उसने उसे छांट दिया, समझे। वह उसको लेकर आयी, बड़ती रही।

426 परन्तु पेड़ का हृदय कहाँ पर है? ठीक मध्य में। और उसने उन सभी को ऊपर तक छांट दिया...

427 उसके पास में एक बीज है जो कि नीचे जड़ में है। जैसे कि वह वृक्ष होता है जिसको कि बहते जल के किनारे लगाया जाता है, वह परमेश्वर की

व्यवस्था को और प्रेम को अपने हृदय में ले लेता है। "और वह एक वृक्ष के सामान होगा," भजन संहिता 1, "जो कि बहते जल के किनारे लगाया जाता है; उसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं; वह अपनी ऋतु में फलता है।" और यहाँ यह बात ठीक...

428 और फल कहाँ पर जल्दी से पकता है? वृक्ष के ऊपर। क्यों? उजियाला उसके ऊपर पड़ता है। आमीन! यह ठीक बात है। और ठीक वृक्ष के ऊपर, इन अंतिम दिनो में, वह दुल्हन रूपी वृक्ष को लेकर आ रहा है।

429 अब स्मरण रहे, वह वही जीवन का वृक्ष है, "सर्प–वंश" के विपरीत, आप समझे। वह वही बीज है,"स्त्री का वंश" है जो कि अदन की वाटिका में था। "और ऐसा न हो कि वह हाथ बड़ाकर जीवन के वृक्ष का फल तोड़कर खा लें और सदा जीवित रहें।" और वह वही वृक्ष है जिसको कि लिया जा सकता है, कि आप सदा के लिये जीवित रहें। उसका वचन जीवन है। और फिर वही वचन है, वह परमेश्वर का वचन जिसको कि हव्वा ने अदन की वाटिका में अस्वीकार कर दिया था; तब यहाँ पर मसीह है, जो कि प्रगट वचन है।

430 और जब वह पृथ्वी पर आया, वह जीवन का वृक्ष था। क्या आप उस बात पर विश्वास करते हैं? (सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) और रोम ने, उन्होंने क्या किया था? उसे काटकर नीचे गिराना पड़ा। और उसे अपमान के वृक्ष पर लटकाया गया, श्रापित है वह जिसको कि एक पेड़ पर लटकाया जाता है, वह मानव जाति के लिये श्राप बन गया।

431 और अब उस बात के द्वारा, वह दुल्हन रूपी वृक्ष को लेकर आता है, जो कि वो जीवन का वृक्ष होगा जिसे उसके पास वापस फेरा गया है, जैसे कि अदन की वटिका में पति और पत्नी थे,(ओह, परमेश्वर की महिमा हो), उसी वचन के द्वारा और उसी परमेश्वर के द्वारा जो कि पति और पत्नी में प्रगट हुआ, अर्थात उसी दुल्हन रूपी वृक्ष में जिसको कि वापस लाया जा रहा है।

432 ध्यान दें, उस बात को ज्ञात करवा रहा है! कैसे, ओह मेरे परमेश्वर,

यहाँ पर बहुत सी बाते हैं, हम हम आगे चलते रह सकते हैं। ध्यान दें, वाटिका में मसीह की देह का वृक्ष, कर रहा है... अब वह अपने भेद को इस दुल्हन रूपी वृक्ष से परिचित करवा रहा है।

433 ध्यान दें, दूसरा आदम, मसीह के द्वारा छुड़ाया गया! क्या आप विश्वास करते हैं कि वह था? (सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) वापस घर, अदन में जा रहा है, अपनी गिरी हुयी पत्नी को छुड़ाकर वापस घर जा रहा है। वही मसीह है, और आज कलीसिया है, अपनी पत्नी को वापस ले जा रहा है। क्या आप उस भेद को जो कि तीन भागों में है, समझ पा रहे हैं? (सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) परमेश्वर मसीह में प्रगट हुआ; मसीह कलीसिया में प्रगट हुआ; सभी बातें मिलाकर, यह मूल आदम और हव्वा को पुनः वापस लाना है, जो कि पुरूष और स्त्री हैं, जो कि एक हैं, वे एक ही लहु के बने हुये हैं और एक ही आत्मा से और हर एक चीज से बने हुये हैं।

434 कलीसिया आत्मा के द्वारा मसीह का लहु है, क्योंकि लहु में जीवन है। यही पवित्र आत्मा का बपतिस्मा होता है जो कि आपको उसकी देह में बपतिस्मा देता है, जो कि केवल अपनी ही देह को, अपने माँस को, अपने वचन को पहचानता है। ( भाई ब्रन्हम अपनी बाईबिल थपथपाते हैं–संम्पा)

435 संस्था नहीं कर पायेगी, इस बात को कभी स्पर्श नहीं कर पायेगी। यह एक प्रकाशन है। वह उसको जानती है। वैसे ही हव्वा इस बात को जानती थी, परन्तु वह गिर गयी;परन्तु यह वाली जानती है, और वह नहीं गिरेगी। वह पहले से ठहरायी हुयी है! हालेलुइया! क्या बात है! वह नहीं गिरने के लिये ठहरायी हुयी है। वह असफल नहीं होगी। वह इस बात के लिये पहले से ठहरायी गयी है। "धन्य है वो मनुष्य जिसे परमेश्वर पापी न ठहराये।" आप सेवकगण यह जानते हैं कि मैं किस विषय में बात कर रहा हूँ, जबकि यहाँ पर आप की तरह दो दर्जन लोग बैठे हुये हैं। समझे? "धन्य है वो मनुष्य जिसे परमेश्वर पापी न ठहराये," दाऊद।

436 ध्यान दें, वापस छुड़ा कर अपने साथ ला रहा है, घर जा रहे हैं; वापस उसी अनन्त जीवन में जो कि मानवीय देह में होगा, हम खायेंगे, पीयेंगे, और

सदा जीवित रहेंगे। यशायाह ने कहा, "वे घरों को बनायेंगे और उसमें रहेंगे, वे दाख की बारीयां लगाकर उनका फल खायेंगे। ऐसा नहीं होगा कि वे बनाएं और दूसरा बसे।" उनके बच्चे उसे नहीं लेंगे, परन्तु वे वहाँ पर अपने बच्चों के साथ में रहेंगे। वह घर बनाकर उसमें बसेंगे। आमीन। "ऐसा नहीं होगा कि वे लगायें, और दूसरा खाये; वह स्वयं उसको खायेगा।" आमीन! यह क्या बात है? उसकी दुल्हन उसके साथ वापस जा रही है, उसको मूल आदम और हव्वा तक फिर से वापस छुड़ा कर फेर दिया गया है, क्योंकि मृत्यु को पीछे छोड़ दिया गया है। वे पीछे की ओर देखते हैं और यह देखते हैं कि मृत्यु का दाम चुका दिया गया है।

437 और अब, विश्वास के द्वारा हम उसमें जीवित हो उठे हैं, स्वर्गीय स्थानों में ठीक अभी बैठे हुये हैं, उस चीज की ओर देख हैं जिसने हमें वापस छुड़ाया है; पति के आने का इन्तजार कर रहे हैं, ताकि हम उसके साथ कदम से कदम मिलाकर घर जाने पायें।

438 परमेश्वर का वह उद्देश्य जो कि तीन भागों में है, आदम और हव्वा में प्रगट हुआ, और हर एक भविष्यद्वक्ता में, और युगों से होते हुये, और वह जो कि आने वाला है, उसमें प्रगट हुआ; वह जो था, वह जो है, और हम... वह जो कि आने वाला है। संपूर्ण प्रगटीकरण, परमेश्वर के वचन का प्रकाशन यह है, कि आदम और हव्वा वापस घर जा रहे हैं, उनको छुड़ा दिया गया है, परमेश्वर अपने आप को प्रगट कर रहा है!

439 वह वहाँ पर दाऊद के सिहांसन पर बैठेगा, यह ठीक बात है, और वह उनका स्वामी होगा, सारे राष्ट्रों पर लोहे का दण्ड लिये हुये राज्य करेगा। हर एक तरफ एक पेड़ होगा। और हर एक राष्ट्र जो कि अन्दर आयेगा, यह चंगाई उन्हीं के लिये होगी। इसकी पत्तियां राष्ट्रों की चंगाई के लिये होंगी। राजा उसमें अपना तेज का सामान उसमें लायेंगे। उसमें कोई भी अपिवत्र वस्तु, या कोई भी चीज कभी प्रवेश नहीं करेगी। और सिय्योन के पर्वत पर एक ज्योति होगी, जो कि सारी रात और सारे दिन रहा करेगी, और छुड़ाये हुये लोग उस ज्योंति में चलेंगे। ओह हालेलुइया!

440 इस बात के विषय में सोचना, यह कोई मन गड़न्त कहानी नहीं है, यह कोई धर्मशिक्षा का विचार नहीं हैं। यह उसके वचन के द्वारा यीशु मसीह का प्रकाशन है, जो कि श्रेष्ठ है। सारे युगों में यह सत्य रहा है, और इस युग में भी यह सत्य है। यह अभी भी सत्य बात है। यह मेरे लिये भी सत्य बात है, यह आपके लिये सत्य बात बात है, और हर एक पुरूष और स्त्री के लिये सत्य बात है जो कि इस प्रकाशन को थामें हुये है। आमीन।

441 और देखें कि परमेश्वर स्वयं अपने आप को प्रगट कर रहा है, और उस जीवन के द्वारा अपना स्पंदन कर रहा है, कि अब आप उसके लिये एक कैदी हैं। आप उसके प्रेम–कैदी हैं। संसार उपहास उड़ा सकता है, उनका मजाक उड़ा सकता है, यह कह सकता है, "आओ बाहर चलो।" आप जा सकते हैं, परन्तु आप कैदी हैं। समझे? दूसरी स्त्री हालीवुड की तरह व्यवहार कर सकती है, परन्तु आप नहीं करती हैं। आप कैदी होते हैं। आमीन। समझे, आप मसीह के लिये कैदी हैं। दूसरा व्यक्ति धूम्रपान कर सकता है और शराब पी सकता है और उसी प्रकार की बातों को कर सकता है, यदि वे चाहें तो वे ऐसा कर सकते हैं, और अपने आप को मसीही, डीकन, और यहाँ तक कि सेवक कह सकते हैं, परन्तु आप ऐसा नहीं करते हैं। आप एक कैदी होते हैं, वचन के कैदी होते हैं। जी हाँ श्रीमान। जी हाँ श्रीमान।

442 अपने दुल्हन रूपी वृक्ष को वह अपने भेद से अवगत करा रहा है; जो कि मसीह अर्थात दूसरे आदम के द्वारा छुड़ायी गयी है; वह वापस घर जा रही है, उसको मूल अदन की ओर वापस फेर दिया गया है, वह मृत्यु, बिमारी, दुःख, संताप, लज्जा से आजाद है, अनंत जीवन के साथ वापस जा रही है।

443 तब फिर सुने, बहुत सारे लोगो के पास गलत धारणा है।... लोगो को मसीही धर्म में परिवर्तित करना, और उसकी सरकार के लिये, यह परमेश्वर का विचार नहीं है। आप कहते हैं, "हमने परमेश्वर की सरकार के द्वारा लोगो को मसीही धर्म में परिवर्तित किया है।" यह वह बात नहीं है। "अच्छा, उन्हें शराब नहीं पीनी चाहिये। उन्हें झूठ नहीं बोलना चाहिये।" क्या आप जानते हैं कि मुस्लिम आप को इस बात में पीछे छोड़ देंगे। आप जानते हैं कि अफ्रीका में मूर्तीपूजक लोग, वे काले लोग, और उनकी जातियों के मध्य में ऐसे नियम हैं

जो कि उन सभी चीजों को जो कि हम मसीहीयत में उत्पन्न कर सकते हैं, पीछे छोड़ सकते हैं।

444 मैं शुनगाई की उस जाति में गया हूँ। यदि एक युवा लड़की किसी निश्चित उम्र तक विवाह नहीं करती है, उसे उस जाति को छोड़ना होता है, उसे अपनी जाति के रंग को मिटा देना होता है। वह शहर में चली जाती है;वह बस एक मजदूर होती है। और यदि वह... विवाह के पहले, उसे उसके कुंवारेपन के लिये परखा जाता है। यदि वह किसी व्यक्ति के साथ व्याभिचार करने की दोषी पायी जाती है, उसे, उसे यह बताना होता है कि वह व्यक्ति कौन है, और दोनो को एक साथ मार दिया जाता है। ओह, वे उन सभी चीजों को जो कि वे कहते हैं, पीछे छोड़ सकते हैं...

445 क्या होगा यदि आप इस बात को उन लोगों के साथ करें जो कि मसीही कहलाते हैं? उनमें से निन्यानवे प्रतिशत लोगों की दिन निकलने से पहले मृत्यु हो जायेगी। यह ठीक बात है। यह ठीक बात है, स्त्री और पुरूष दोनो। आप जानते हैं कि यह ठीक बात है।

"क्या?" आप कहते हैं, "अच्छा, मैं तो विशुद्ध हूँ!"

446 "जो कोई भी स्त्री पर कुदृष्टि डाले, वह अपने मन में उसके साथ पहले ही व्याभिचार कर चुका।" अब उस बात के विषय में क्या? बहन, आपके विषय में क्या, जिसने कि एक पुरूष के सामने अपने आप को उस प्रकार से प्रस्तुत किया? आप उस बात को करने के बराबार दोषी हैं। समझे?

447 "ओह, परन्तु यह ठीक बात है।" पास्टर उस बात को कहने से डरता है, क्यों? उसकी संस्था के मुख्यालय उसे लात मार कर बाहर कर देंगे यदि वह उस बात को सीधे–सीधे बताता है। वे दोगले हैं। वे वचन को नहीं लेते हैं। वचन ने कहा है कि यह सत्य बात है। यीशु ने कहा है कि यह सत्य है, और वह सिर है।

448 अब ध्यान दें, परमेश्वर अपने आप को स्वयं अवगत करा रहा है। नहीं,

हमें सरकार के द्वारा मसीहीयत में परिवर्तित करने की आवश्यकता नहीं है; परन्तु प्रकाशन के द्वारा, उस मसीह के द्वारा जो कि आपके अन्दर है, जैसे कि परमेश्वर मसीह में था। जैसे कि परमेश्वर मसीह में था, मसीह आप में पाया जाता है! कब, जो परमेश्वर मसीह के अन्दर करता है, वही मसीह आप के अन्दर करता है! ओह, क्या यह एक सुन्दर बात नहीं है? ओह परमेश्वर! मुझे वह बात अच्छी लगती है।

449 यीशु ने कहा, "उस दिन," वो यह दिन है। "उस दिन," जब यह प्रकाशन आपको पता चलता है, "आप जानेंगे कि मैं पिता में हूँ, और पिता मुझमें है; मैं तुम्हारे अन्दर, और तुम मेरे अन्दर हो।" जब वह प्रकाशन प्रगट किया जाता है, "उस दिन तुम जानोगे कि मैं और मेरा पिता एक हैं; मैं पिता में हूँ, और पिता मुझमें है।" तब जबक यह प्रकाशन आता है, तब यह बात होती है कि, "मैं तुम्हारे अन्दर, और तुम मेरे अन्दर हो।" आप उसी स्थति में हैं। उस प्रगटीकरण को, उस प्रगटरकरण को देखें जो कि तीन भागों मे है. .. किसलिये? उसे वापस लाने के लिये। हमें ऐसा होना है।

और यीशु परमेश्वर का वचन था। यदि वह–वह वचन था, उसने उसी प्रकार से प्रमाणित किया।

450 यदि वह वचन को प्रगट नहीं करता, तो वह एक महान धर्मशास्त्रज्ञानी हुआ होता। वह एक वास्तविक मसीहा हुआ होता जिसकी बाट संसार जोह रही थी। समझे? हाँ श्रीमान, तब वह वो हुआ होता।

451 उसी चीज की बाट वे आज जोह रहे हैं, कि कोई–कोई–कोई बिली ग्राहम से भी आगे निकल जाये, या कोई उनकी संस्था को नीचा दिखा दे, वह ऊपर उठे और उन बैपटिस्टों को यह बता दे कि वे नहीं जानते हैं कि वे कहां पर खड़े हुये हैं। निश्चित रूप से। वे उस चीज की बाट जोह रहे हैं। परन्तु कलीसिया नम्रता की बाट जोह रही है, और जीवते परमेश्वर अर्थात मसीह के चिन्हों की बाट जोह रही है। समझे?

452 यीशु एक महान धर्मशिक्षाज्ञानी नहीं था। वह एक साधारण किसान

था, एक बड़ई के पुत्र के रूप में बुलाया जाता था। समझे? वह चारों ओर जाता था, परन्तु परमेश्वर...उसने कहा, "तुम में से कोई मुझे यह दिखाये कि जो बाईबिल कहती है कि मैं करूंगा, मैंने कहां पर उस बात को प्रगट नहीं किया है।"

453 अतः कलीसिया आज उसी बात को प्रगट कर सकती है। जो मसीह ने किया था, वैसे ही कलीसिया को अभी करना है। "उस दिन तुम जानोगे कि मैं पिता में हूँ, और पिता मुझमें है; मैं तुम्हारे अन्दर हूँ, और तुम मेरे अन्दर हो।" हाँ। आप वहाँ सिय्योन पर कदम से कदम मिलकर जा रहे हैं, (कहाँ?) राज्य की ओर जा रहे हैं! "उस दिन तुम जानोगे कि मैं तुम्हारे अन्दर हूँ।"

454 और यहाँ पर ध्यान दें! यहाँ पर यह सुन्दर बात है। मैं नहीं चाहता हूँ कि आप इस बात से चूक जायें। अब सभी, और आप लोग जो कि टेप सुन रहे हैं, उन जंगलो में और जहाँ कहीं भी आप इसे सुन रहे हैं, अब आप सुने।

455 "और जैसे कि पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं तुम्हें भेजता हूँ," यीशु ने कहा। समझे? अब ध्यान दें। जिस पिता ने उसको भेजा था, वह अन्दर उसके साथ गया, अपने आप को सत्य प्रमाणित करने के लिये, क्योंकि वह वचन था। और वही यीशु जो कि आपको भेजता है, उसी परमेश्वर को प्रमाणित करने के लिये आपके साथ जाता है और आपके अन्दर होकर जाता है। "जैसे कि पिता ने मुझे भेजा है, और मैं पिता के अनुसार जीता हूँ; वैसे ही मैं तुम्हें भेजता हूँ, और तुम मेरे अनुसार जीयो।" वह क्या है? वह वचन है। आप वचन के अनुसार जीयें। ओह, मैं उस बात के ऊपर एक पाठ को लेना चाहता हूँ, और अब दो घंटो तक उसके ऊपर प्रचार करना चाहता हूँ, समझे, उस बात के ऊपर, हम किस प्रकार से उस...के ऊपर। ध्यान दें, धयान दें, "और जिस प्रकार पिता ने मुझे भेजा है," उसके साथ गया, जो पिता भेजता है।

456 वह यीशु जो भेजता है, अन्दर साथ जाता है। "थोड़ी देर रह गयी है और संसार मुझे और अधिक न देख पायेगा, फिर भी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं," व्यक्तिगत सर्वनाम, "मैं", वह व्यक्ति यीशु, "तुम्हारे साथ रहूंगा,

यहाँ तक कि तुम्हारे अन्दर संसार के अन्त तक रहूंगा। जो कार्य मैं करता हूँ, वो तुम भी करोगे।'' अब वापस जायें और यह देखें कि उसने क्या किया था, फिर देखें कि आप क्या करते हैं, फिर अपनी तुलना करें।

457 ''और जैसा कि नूह के दिनो में हुआ था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनो में होगा। और जैसा लूत के दिनो में हुआ था,'' जबकि एक आद्युनिक बिली ग्राहम और ओरल राबर्टस सदोम में गया, और सदोम वासीयों को प्रचार किया, और सुसमाचार के द्वारा उनकी आँखों को अंधा कर दिया, समझे। एक स्वर्गदूत वापस रूका रहा, एक संदेशवाहक इब्राहीम और चुने हुये झुण्ड के साथ में रहा, और उसने किस प्रकार के चिन्ह को किया? समझे? और इब्राहीम ने उसे क्या कहकर बुलाया? ऐलोहीम, परमेश्वर जो कि देह में प्रगट हुआ। यीशु यह दिखा रहा है कि वह स्वयं, परमेश्वर जो कि उसमें था, वो अपनी दुल्हन के अन्दर अंतिम दिनो में प्रगट होगा! ओह मेरे, मेरे परमेश्वर! बस इस बात का कोई अन्त नहीं है; यह बस परमेश्वर का प्रकाशन है! यह अनन्त है, बस आगे और आगे और आगे बड़ता ही रहता है।

458 तब फिर ध्यान दें, इससे पहले कि पाप मृत्यु में उनको अलग करता, पहले आदम और हव्वा की तरह से कोई था; अब मसीह, जो कि दूसरा आदम है, जो कि जीवित है, अपनी दुल्हन को मृत्यु से छुड़ाता है; और अब वह वापस मूल अदन की ओर जा रहा है, अपनी दुल्हन की संगति को फिर से अपनी मूल अवस्था में लेकर आ रहा है, वो परमेश्वर के पास वापस पति और पत्नी के रूप में अदन की वाटिका में जा रही है, निश्चित रूप से, मसीह और उसकी दुल्हन ऐसा कर रही है।

459 और परमेश्वर, उस दिन, ''राज्य पिता को दे दिया जायेगा; वह सभी कुछ होगा।'' ''जब वह बोलते होंगे, मैं उनकी सुन लूंगा।'' दाऊद, मसीह, दाऊद सिहांसन पर बैठा हुआ है, वह संपूर्ण मानव जाति के ऊपर राजा है। ''और जब वे सोचते होंगे, मैं यह जान जाऊँगा कि वे किस विषय में सोच रहे हैं। इससे पहले कि वे बोलें, मैं उन्हें उत्तर दूंगा। भेड़िया और मेमना एक साथ भोजन करेंगे। सिंह बैल की तरह भूसी खायेगा, और वे एक साथ भोजन करेंगे और एक साथ बैठेंगे। मेरे सारे पर्वत पर न तो कोई किसी को दुःख देगा और

न किसी की हानि करेगा, '' जितनी जल्दी से वे जा सकते हैं, वे फिर से वापस अदन में चले जायेंगे!

460 वहाँ पर उसका उद्देश्य है जो कि तीन भागों में है। ओह परमेश्वर, आप उसे जानने में हमारी सहायता करें! हमें उस बात को जानने में सहायता करें।

461 अब ध्यान से फिर से सुने जबकि हम आगे चलते हैं, हम वापस अदन की ओर जा रहे हैं।

462 तब जबकि हम उसे जन्म लेते हैं, हम उसके द्वारा भर जाते हैं। समझे? आपका जीवन, उसका जीवन आपमें होता है। तब हमारे सब कार्यकलाप उसको प्रगट करने चाहिये।

463 जैसे कि एक पेड़ में से जीवन को निकालकर और उसे किसी और चीज में डालना। नाशपाती के पेड़ में से जीवन को निकालकर और उसे सेब के पेड़ में डालना, वह नाशपाती को लेकर आयेगा। ऐसा ही होना है, क्योंकि पेड़ का रस, जो उसमें जीवन होता है, जो जीवाणु है वह नाशपाती है। ठीक है।

तब हमारे सारे कार्यकलापों से वह प्रगट होना चाहिये।

464 हमारे पास उसका नाम है। क्या यह ठीक बात है? (सभा कहती है, "आमीन"–सम्पा) हमें उसके नाम को लेना चाहिये।

465 और स्मरण रहे, हम अब उसकी दुल्हन के सामान हैं, उसकी आत्मा के द्वारा गर्भवती हैं। ओह मेरे परमेश्वर! कलीसिया, बच्चों कों पैदा कर रही है, समझे, उसके नाम के साथ उसकी आत्मा से गर्भवती हो गये हैं; उसके नाम को लेकर चल रहे हैं, उसके जीवन को उत्पन्न कर रहे हैं; उसके जीवन के चिन्हों को लेकर आ रहे हैं, जो कि उसकी प्रधानता का प्रमाण है, उसके पुनुरूत्थान का प्रमाण है; यह दिखा रहा है कि वह मृत नहीं है, परन्तु सदा

के लिये जीवता है। यह अनंत जीवन है, और प्रमाणित किया हुआ है, यह संसार को यह प्रमाणित करता है कि हम उसमें जीवित हैं। क्या बात है!

466 आप इस बात को इसलिये जानते हैं क्योंकि आप कलीसिया के सदस्य हैं? क्योंकि मसीह आपमें से होकर जीवन को जी रहा है, आप उसकी आत्मा से इतना अधिक गर्भ–धारण कर चुके हैं कि आप हर एक बात के लिये उसके कैदी होते हैं। ओह मेरे परमेश्वर, आप सुसमाचार के लिये कैद हो जाते हैं, वचन में कैद हो जाते हैं, और उन सब बच्चों को आप इसलिये उत्पन्न करते हैं क्योंकि आप एक कैदी बन जाते हैं।

467 आप व्याभिचार नहीं कर सकते हैं; आप पहले से ही गर्भ धारण कर चुके हैं। महिमा होवे! वह आप को थाम नहीं सकता है। जीवन का गर्भ हर एक बात के लिये बन्द हो जाता है। पहले से ठहराये जाने के द्वारा आप उसके हो जाते हैं। वह बीज जीवन्त होता है; संसार की कोई बात अन्दर नहीं आ सकती है। ओह! ओह, हम इस बात पर लगभग एक घंटे के लिये कितना अधिक रूकना चाहेंगे! मैं निश्चित हूँ कि आप को समझ में आ गया है। समझे? मसीह, और केवल उसके विषय में, पहले से ही समाप्त हो चुका है। बीज वहाँ पर था। बीज वहाँ पर पहले से था। वह वहाँ पर कब रखा गया था? "जगत की उत्पत्ति से पहले उसने हमें अनन्त जीवन के लिये ठहराया है।" और जैसे ही वह जीवन को देने वाला बहाव आता है, वह बीज जो कि वहाँ पर पड़ा होता है... दूसरे बीज जो कि जो कि अन्दर आते हैं, बस अपनी पकड़ नहीं बना पाते हैं, बस उस प्रकार से नहीं कर पाते हैं। परन्तु जब बीज अन्दर आता है, जल्दी से वह गर्भ को बन्द कर देता है; बाकि के सभी बीजों को उस प्रकार से बाहर निकाल दिया जाता है, समझे।

468 और आप मसीह में लिपटे हुये एक कैदी बन जाते हैं। मसीह आप के अन्दर होता है, उसका जीवन अपने प्रमाण को, अपने चिन्हों को लेकर आता है। ओह मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर! देखिये, उसके पुनुरूत्थान के प्रमाण के रूप में उसके जीवन के चिन्हों को प्रगट करते हैं, उस अनंत जीवन को संसार में प्रमाणित कर रहे हैं, यह संसार को यह प्रमाणित करता है कि हम उसमें जीवित हैं। और उसके विषय में सोचें, परमेश्वर के साथ में

जीवित हैं, जो कि हमारा छुड़ानेवाला है, जिसने कि हमें ठीक उसी उद्देश्य के लिये, कलीसिया के लिये, और अपनी सृष्टि करने वाले जीवन के लिये बनाया है।

469 वह यह बात है कि मूसा परमेश्वर के वचन के द्वारा यह कह सकता था, "होने पाये कि वे आ जायें," और वहाँ पर डांस आ गये। एक परमेश्वर जो कि डांसो को बना सकता है, वह गिलहरीयों को भी बना सकता है। समझे?

470 अतः वह जो भी कुछ चाहता है, कर सकता है। वह सृष्टि कर सकता है। वह कुछ भी कर सकता है। वह परमेश्वर है। ठीक वही परमेश्वर है, वही सृष्टि करनेवाला जीवन है, आप समझे, जो कि आप में है, कर सकता है... आप कैदी होते हैं; आप तब तक नहीं बोल सकते हैं जब तक कि वह आपको बोलने के लिये नहीं कहता है। परन्तु जब आप बोलते हैं, वह परमेश्वर का वचन होता है। वह उसे उसी प्रकार कर देने के द्वारा प्रमाणित करता है। हर एक बात ठीक होती है, और वह जानता है, तब जब उसे बोला जाता है, वैसा होना ही होता है। समझे?

471 मूसा ने अपनी लाठी ली, और कहा, "मेढक आ जायें," क्योंकि परमेश्वर ने कहा, "मेढक आ जायें।" उसने बस उस बात को बाहर की ओर संचारित किया। यह ठीक बात है। और हर एक चीज में मेढक थे, सब जगह मेढक थे। वे कहाँ से आये थे? कोई नहीं जानता है। वे वहाँ पर पहले नहीं थे। परन्तु सुष्टि करने वाला, अर्थात परमेश्वर, जो कि एक मनुष्य में से होकर कार्य कर रहा था, उसने चीजों की अर्थात जीवते प्राणीयों की सृष्टि कर दी।

472 वही परमेश्वर जो कि एक पहले मेढक को बना सकता है, वही दूसरे मेढक को भी बना सकता है। वह सब मेढकों को बना सकता है। ओह मेरे परमेश्वर! आप समझे कि मेरा क्या मतलब है? उसने पहली गिलहरी को बनाया, उसने दूसरी गिलहरी को बनाया, वह किसी भी गिलहरी को बना सकता है; वह वहाँ पर गिलहरीयों को बना सकता है जहाँ पर कोई गिलहरी नहीं होती हैं। जो कुछ वह चाहता है, वह उसे कर सकता है! वह परमेश्वर

है! वह परमेश्वर है! उसका जीवन, ओह मेरे परमेश्वर! जब मैं उस बात के विषय में सोचता हूँ, तो मुझे कपकपी लगने लगती है!

473 ओह, उसके साथ जीवन जीना, उसके साथ घर जाना, उसके साथ जीवन को व्यतीत करना! सर्वदा उसके साथ रहने के लिये हम घर जा रहे हैं, हमारे पास अनंत जीवन है।

474 यह परमेश्वर का वह महान प्रेम का भेद है जो कि प्रगट हुआ है, कि परमेश्वर और मनुष्य एक हो गये। समझे? संपूर्ण बात यह है कि परमेश्वर और मनुष्य एक हैं। वहाँ पर परमेश्वर और मनुष्य एक थे; और यहाँ पर परमेश्वर और मनुष्य एक हैं। समझे? यह क्या बात है? यह उसकी आत्मा से भर जाना है, उसे प्रधानता मिल रही है। यह परमेश्वर की उपलब्धी है, इस को करने में यही परमेश्वर का उद्देश्य हैः कि वह मसीह में होने पाये; और मसीह हमारे अन्दर; और हम सब मिलकर एक होने पायें। यह वही बात है, पवित्र आत्मा है; उसने यह बात मसीह को प्रगट करी, यहाँ पर प्रगट करता है;वह अलौकिक सृष्टि करने वाली सामर्थ है। ओह मेरे परमेश्वर!

475 वही परमेश्वर जो कि मूसा से कह सकता था, "मेढक आ जायें," वही परमेश्वर वहाँ पर खड़ा हो सकता है, "यह जल दाखरस में बदल जाये।" आमीन। क्या यह एक ठीक बात है? (सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा) वह एक सा परमेश्वर है, वही परमेश्वर है।

476 वह बस बदलता नहीं है। यह परमेश्वर का मनुष्य में होना है। वही उसका प्रगटीकरण है। यही बात वह प्रगट कर रहा है। यही बात वह करने का यत्न कर रहा है, और परमेश्वर का अपना वचन उस बात को प्रगट कर रहा है। यह इस बात को दिखाता है कि मनुष्य सृष्टि नहीं कर सकता है; परमेश्वर सृष्टिकर्ता है। और अब वह मनुष्य नहीं होता है; यह परमेश्वर अर्थात सृष्टिकर्ता है जो कि मनुष्य में होता है, जो कि अब उसकी कलीसिया है। आमीन!

477 उसके साथ स्वर्ग जा रहे हैं, उसके साथ हमेशा के लिये रहने के

लिये। परमेश्वर कलीसिया के प्रति अपने अनंत प्रेम को प्रगट कर रहा है।

478 अब ध्यान से सुने, ध्यान से सुने। मैं चाहता हूँ कि आप इस बात को समझने में चूक न जायें। कोई और कलीसिया नहीं है, कोई और चिन्ह नहीं है, कोई और संगति नहीं है, कोई और सरकार नहीं है, कोई और गवाही नहीं है, कोई और मत नहीं है, कोई और संस्था नहीं है जिसको कि इस बात के बाहर ग्रहण किया जायेगा। परमेश्वर उस बात के अलावा किसी और बात को ग्रहण नहीं करता है, "मसीह आप के अन्दर है, जो कि महिमा की आशा है,"केवल यही एक बात है जिसको कि मसीह पहचानता है। किसी भी संगति को नहीं, किसी भी कलीसिया को नहीं,किसी भी मत को नहीं, किसी भी संस्था को नहीं, किसी बात को नहीं; सब चीजें मरी हुयी हैं। यह टुकड़े हैं जिनको कि कटना है, उस चीज में से कटना है, ताकि मसीह अपनी प्रधानता के साथ आपमें वास कर सके।

479 पीछे की ओर नहीं देखना है! मेरे पास एक बात यहाँ पर है जो कि कहती है, "यह मेरी संस्था है।" उस बात को भी कट जाना है। "मेरे पास यहाँ मेरे अमुक–अमुक हैं। वे यह कहते हैं। मेरी माता यह कहेगी कि मैं पवित्र पाखंडी हूँ।" उस बात को भी कट जाना होगा। समझे? "अच्छा, मैं जानती हूँ कि मेरा पति चाहता है कि मैं हाफ पैंट पहनू।" उस बात को भी कटना होगा। समझे? उस बात को कटना है और छट जाना है जब तक कि आप और केवल मसीह वहाँ पर नहीं होते हैं। समझे?

480 सोचिये! जीवते मसीह की जीवते वचन के द्वारा जीवन्त उपस्थिति! ध्यान दें! वह अपने व्यक्तिगत प्रमाण के द्वारा अपनी कलीसिया को यह बात सिद्ध करके दिखाता है।

481 अब सदस्य नहीं! उसने यह मूसा के दिनो में कभी नहीं किया। उसने यह बात किसी भी व्यक्ति के दिनो में संसार के अंत के समय कभी नहीं कही, जब एक ऐसा समय आया जहाँ पर विनाश का समय था। लूत के दिनो में यह सदस्यता कभी नहीं थी। यह व्यक्तिगत प्रमाण था, परमेश्वर देह में था, समझे, यह व्यक्तिगत प्रमाण था।

482 स्मरण रहे! इस बात के विषय में सोचें, कि इस प्रकार के दिन में उसकी आत्मा से जन्में लोग, इस महान संस्थागत दिनों में जिसमें कि हम रह रहे हैं, और जीवता परमेश्वर अपने जीवते वचन को लेता है और उसे प्रमाणित करता है, व्यक्गित रूप से करता है, इस जीवन को जो कि वचन के अन्दर है, उस जीवाणु को जो कि बीज के अन्दर है! और वचन एक बीज होता है जिसको कि बोने वाला बोने के लिये निकला। और वचन में जीवन मसीह है, जो कि व्यक्तिगत रूप से आप के अन्दर होता है; किसी ऐसी बात को प्रमाणित करता है जिसको कि आप नहीं कर सकते हैं, स्वयं यह प्रमाणित कर रहा है कि यह आप नहीं हैं, परन्तु यह वो है। और आप एक हो चुके हैं, दुल्हन होने के लिये उसके लिये एक–एक–एक प्रेममय दास बन जाते हैं।

483 उस जीवते परमेश्वर का धन्यवाद हो जिसने कि स्वर्ग और पृथ्वी और वह सब कुछ जो कि उसके मध्य में है सृजा है! इस बात में कोई आश्चर्य नहीं है, "वह अल्फा और आमेगा है, वह आरंभ और अंत है; वह जो था, जो है, और जो आयेगा; दाऊद का मूल और वंश; वो भोर का चमकने वाला तारा है।" वह सब कुछ है।

484 एक व्यक्ति में उसकी उपस्थिति, उसके व्यक्गित प्रमाण के रूप में कि वह अपने आप को प्रगट कर रहा है, जीवित वचन जिसकी प्रतिज्ञा इस दिन के लिये करी गयी थी, वह अपने आप को आपके के ऊपर प्रगट कर रहा है, यह परमेश्वर के उस महान प्रकाशन का प्रमाण है। देखिये, यह बात केवल व्यक्ति विशेष के लिये है, कभी किसी झुण्ड के साथ नहीं है! एक व्यक्ति विशेष के लिये है; एक झुण्ड में नहीं! उसकी पहचान एक व्यक्ति विशेष के साथ में होती है। क्या आप उस बात को समझ गये हैं? (सभा कहती है, "आमीन"–सम्पा) मेथोडिस्ट के साथ में नहीं, बैपटिस्ट के साथ में नहीं है, प्रेसबेटेरियन के साथ में नहीं है, लूथरन के साथ में नहीं है, पिन्तेकोस्तलों के साथ में नहीं है, परन्तु व्यक्ति विशेष के साथ है!

485 "मैं एक को ले लूंगा, और एक को छोड़ दूंगा; मैं उन्हें अलग कर दूंगा।" यह ठीक बात है। "मैंदान में दो जन होंगे; में एक को ले लूंगा और एक को छोड़ दूंगा। दो जन बिस्तर पर होंगे, और मैं एक को ले लूंगा और

एक को छोड़ दूंगा।''

486 यह कोई झुण्ड नहीं है। परमेश्वर की गर्भ धारण की हुयी संतान के लिये यह व्यक्तिगत प्रमाण होता है, वह पवित्र आत्मा से इतना अधिक भरा हुआ होता है, वह परमेश्वर के प्रति इतना अधिक समर्पित होता है कि किसी भी बात की परवाह नहीं करता है। और पवित्र आत्मा अपना जीवन जी रहा होता है, वह उसके अन्दर स्पन्दन् कर रहा होता है, वह वचन का व्यक्तिगत रूप में प्रमाण दिखाता है, जो कि स्वयं को, और संसार के लोगो को प्रगट कर रहा होता है।

487 संसार किसी बात पर उस प्रकार से अंधो की तरह कैसे चल सकता है? ठीक वैसे ही जैसे कि कैथलिक लोग संत पैट्रिक के अनुसार जीवन को जीते थे और जब तक उसकी मृत्यु न हो गयी, तब तक उन्होंने उसको न पहचाना। वही बात उन्होंने सारे युगों में करी।

488 उसी बात को उन्होंने जोन आफ आरक् के साथ में किया था। कैथलिक कलीसिया ने उसे डायन समझकर जला दिया था, क्योंकि वो आत्मिक थी। लगभग एक सौ पचास वर्ष बाद, उन पुरोहितों की देहों को खोद कर निकाल लिया और प्रायश्चित करने के लिये उनको अन्दर डाल दिया।

489 यह उनके पास से निकल जाता है, और वे उस बात को तब तक नहीं पहचानते हैं जब तक कि वह समाप्त नहीं हो जाती है। यह केवल उस पहले से ठहराये गये बीज को लेता है जो कि पृथ्वी की उत्पत्ति से पहले ठहराये गये थे। वही बात नूह के दिनो में घटित हुयी, वही बात मूसा के दिनो में घटित हुयी, भविष्यद्वक्ताओं के दिनों में, यीशु के दिनो में, सब युगो से होते हुये यहाँ ठीक इस घड़ी में घटित हुयी। परमेश्वर के बीज से गर्भ धारण किये हुये व्यक्ति में, परमेश्वर का वचन अपने आप को प्रगट कर रहा है, परमेश्वर की इच्छा के प्रति इतना अधिक समर्पित होते हैं, कि वचन, और केवल वचन उस व्यक्ति में, एक कैदी में, व्यक्ति विशेष के ऊपर अपने आप को प्रगट करता है।

490 यह न कहें, ''मेरी कलीसिया...'' अब, ''मेरी कलीसिया'' का इस बात

से कोई लेना नहीं है।

491 यह एक व्यक्ति विशेष होता है, एक व्यक्ति होंता है! सारा नर्क उस बात के विरोध में होता है। सारा नर्क इस सत्य के विरोध में है, परन्तु यह सत्य बात है।

492 यीशु ने यह कभी नहीं कहा, "अब, पतरस, तू और यूहन्ना, और तुम सब लोगो, तुम्हें प्रकाशन मिल गया है, अब संपूर्ण कलीसिया का उद्धार हो गया है।"

493 यह व्यक्तिगत रूप से उस के लिये था। "मैं तुझ से कहता हूँ, तुझ से," उन से नहीं, "तुझ से, कि तू पतरस है; इस पत्थर पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊँगा।" और पतरस शब्द का अर्थ होता है "पत्थर"। पत्थर का मतलब है "वह व्यक्ति जिसका अंगीकार किया गया" या, "अलग किया हुआ व्यक्ति।"

494 एक निश्चित पत्थर पर, एक निश्चित चीज पर; समझे, बाहर बुलाये गये, कलीसिया को बाहर बुलाया गया है; इस पत्थर पर, इस "प्रकाशन" पर। "मांस और लहु ने इस बात को तेरे ऊपर प्रगट नहीं किया है। परन्तु इस प्रकाशन पर, बाहर बुलाये गये लोग, मैं अपनी कलीसिया को उनमें बनाऊँगा। और अद्योलोक के सारे फाटक उसपर प्रबल नहीं होंगे।"

495 "आप के सिर का एक बाल भी नाश नहीं होगा। तुम मेरे हो! मैं तुम्हें अंतिम दिन फिर जिला उठाऊँगा, उसे अनंत जीवन दूंगा, और उसे अंतिम दिनों में फिर जिला उठाऊँगा।" वहाँ पर वह बात है, वह प्रकाशन है। उनको नहीं; परन्तु "उसको", व्यक्ति विशेष को! किसी झुण्ड को नहीं; एक व्यक्ति विशेष को! सारा नर्क उस बात के विरोध में है।

496 परन्तु यह भेद केवल उसकी प्रिय दुल्हन को ही प्रगट किया गया है। वे ही वो लोग हैं जो कि इस बात को समझ पायेंगे।

497 उसने कहा, "अच्छा, क्या यशायाह ने तुम्हारे विषय में बोला है, तुम पाखंडीयों, तुम घास में छिपे हुये साँप। तुम वहाँ बाहर जाते हो और कहते हो, 'ओह, वह महान पवित्र भविष्यद्वक्ता! हम उनकी कब्रों के ऊपर चिन्ह लगाते हैं। हम उनको चमकाते हैं।'" उसने कहा, "तुम ही वो लोग हो जिन्होंने उन्हें वहाँ पर डाला है।" क्या उसने यह बात कही?

498 वही बात वह कैथलिक कलीसिया को उनके दिनो में कहेगा, जब उन पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं को वहाँ नीसीया रोम के पहले भेजा गया था, और जो कि चुने हुये थे। वे बूढ़े भविष्यद्वक्ता सूढ़ियों को और जमीन की चीजों को खाते हुये बाहर आये थे, यहाँ तक कि उन्होंने कपड़े तक नहीं पहने हुये होते थे, उनके चारों ओर भेड़ की खाल लिपटी हुयी होती थी, और वे बाईबिल के सत्य पर खड़े रहने का यत्न करते थे। परन्तु कैथलिक कलीसिया को अपनी बौद्धिक विचारधारा की आवश्यकता थी। तब फिर वे लेकर आये...संत इरेनियस, पोलीकार्प, मार्टिन, और बाकि वे सभी आये। और उन्होंने क्या किया? उन्होंने जोन आफ आरक्, संत पैट्रिक को, और बाकि सभी को कब्र में डाल दिया। उन्होंने उनको वहाँ अन्दर डाल दिया, अब वे वापस आते हैं और उन्होंने कब्रों की सफेद पुताई करी जैसे कि उन्होंने जोन आफ आर्क के साथ में किया था। उन्होंने क्या किया था? उन्होंने उनको वहाँ पर अन्दर डाल दिया!

499 तब मैं कहता हूँ, जैसे कि पवित्र आत्मा कहता है, "चूना पुती कब्रों! तुम पाखंडियों, तुम अपने आप को कुछ कहकर बुलाते हो, जबकि तुम मनुष्य की दिमागी विचारधारा को लेते हो, और वचन को छोड़ देते हो। बजाये इस बात के कि आप परमेश्वर के बीज से गर्भ धारण करें, जो कि आपके अन्दर वचन के रूप में होता है, तुमने हर एक प्रकार की दोगली बात ले ली है।" इस बात में कोई आश्चर्य नहीं है कि वह "वेश्या" की तरह से बैठती है, क्योंकि वह "आत्मिक व्याभिचार करती है," लोगो को मनुष्य की बातें सिखाती है और परमेश्वर की बातें नहीं सिखाती है।

500 परन्तु उसने कहा, "छोटे झुण्ड, मत डर, तेरे पिता को यह भाया कि तुझे स्वर्ग का राज्य दे।" यह ठीक बात है। निश्चित रूप से। वहाँ पर यह

बात हमारे पास में है।

501 प्रकाशितवाक्य में बाईबिल ने कहा, "वह महान शहर जो कि पृथ्वी के सारे राजाओं के ऊपर शासन करता है।" यह कहा कि वह एक "वेश्या" है। वह क्या बात है? एक स्त्री जो कि एक महिला होने का दावा करती है और वह व्याभिचार कर रही है। "उसके हाथ में एक प्याला है," जो कि सारे संसार को पिलाने के लिये है, "जो कि घृणित चीजों से और उसके व्याभिचारों से भरा हुआ है।" और उसकी पुत्रियां थीं, जो कि प्रोटेस्टेन्ट कलीसियायें हैं, उनमें से हर एक उसमें से उन्हीं गलत मतों के साथ में, उन्हीं बपतिस्मों के साथ में, और बजाये पवित्र आत्मा के बपतिस्में के, हाथ मिलाने से निकलकर आयी हैं; और उनके पास "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" के झूठे मत हैं, और दुल्हन–दुल्हे के नाम को लेने के बजाये वे सारी बातें हैं, और ऐसी ही बातें हैं।

आप कहते हैं, "इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है।" इससे पड़ता है।

502 यदि मैं अपने नाम को चेक पर लिखता हूँ, और कहता हूँ, "आदरणीय," यह "सेवक" के लिये है या इसी प्रकार से है, तब उससे आप को कोई पैसा नहीं मिलेगा। यह ठीक बात है। उसे बैंक में अस्वीकार कर दिया जायेगा। ध्यान दें। ठीक है।

503 परन्तु यह सब भेद केवल उसकी दुल्हन पर प्रगट होता है, जैसे कि उसने प्रतिज्ञा करी है। अद्योलोक, प्रकाशन के इस भेद के विरोध में है। परन्तु दुल्हन उसके ऊपर खड़ी हुयी है। यही उसका आधार है।

504 कलीसिया, तुझे क्यों भूख है, तुझे क्यों प्यास है? यह पिता है जो कि इस भेद को आपके ऊपर प्रगट करने का यत्न कर रहा है। परन्तु आप बहुत सारी बातों को अपने अन्दर से उस चीज को बाहर ले जाने देते हैं। आप अपने कार्य को, आप अपनी पत्नी को, आप अपने पति को, आप अपने बच्चों को, आप संसार की चिंताओं को, आप किसी पास्टर को, आप किसी व्यक्ति को अपने अन्दर से उस चीज को बाहर ले जाने देते हैं, जबकि आप यह जानते हैं कि

हृदय में नीचे तक आप भूखे और प्यासे हैं। यह परमेश्वर है जो कि आपके ऊपर उस प्रकाशन को प्रगट करने का यत्न कर रहा है, समझे। अंतिम दिन यहाँ पर है। अब ध्यान दें।

505 आइये फिर से पीछे की ओर देखें। मैं इन सभी बातों को छोड़ नहीं सकता हूँ। समझे? मैं चाहता हूँ कि आप बस एक मिनट के लिये अब यहाँ पर देखें, और हम बस कुछ मिनटों में बन्द करने जा रहे हैं। आप ... आप एक मिनट के लिये मेरी ओर एकाग्रता के साथ ध्यान लगायें।

506 ध्यान दें, कुलुस्सियों में, 18वीं आयत की तरफ ध्यान दें। कुलुस्सियों की पुस्तक, उसकी 18वीं आयत।

*और वही देह, अर्थात कलीसिया का सिर है; वही आदि है और मरों हुओं में से जी उठने वालों में से पहलौठा कि सब बातों में वही प्रधान ठहरे।*

507 "वह कलीसिया का सिर है, जो कि उसकी देह है, और प्रधान होना चाहता है।" अब सुनिये, ध्यान से सुने जबकि हम जा रहे हैं। क्या? उसको कलीसिया का, अपनी दुल्हन की देह का सिर होना है, जो कि उसके माँस में से ली गयी है; उसका माँस और हड्डी है, जैसे कि आदम के अन्दर दुल्हन थी, समझे।

508 "मरे हुओं में से जी उठने वाला," समझे, जो कि मरों हुओं में से जन्म लेना है, जो कि अविश्वास रूपी पाप हैं।

509 हव्वा को किसने मारा? अविश्वास ने। क्या यह ठीक बात है? किस बात में अविश्वास? ...के लिये अ...परमेश्वर में अविश्वास? नहीं। परमेश्वर में उसको विश्वास था। निश्चित रूप से। क्या उसने कहा, "कोई परमेश्वर नहीं है"? नहीं श्रीमान। वह अविश्वासी नहीं थी। "अच्छा," उसने कहा, "आप जानते हैं, मैं उसके वचन में बिलकुल भी विश्वास नहीं करती हूँ"? ओह, नहीं। उसने एक बात के अलावा हर एक बात के ऊपर विश्वास किया। समझे?

510 अब क्या बाईबिल ने प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में नहीं कहा है, यीशु ने स्वयं कहा है, "मुझ यीशु ने तुम्हारे पास अपने स्वर्गदूत को इसलिये भेजा कि वह इन गवाहीयों को तुमको दे?" "जो भी इसमें से एक शब्द निकाले या एक शब्द जोड़े।" और यदि यह सारा हृदय का टूटना और दुःख आने थे क्योंकि एक स्त्री ने परमेश्वर के एक वचन के ऊपर अविश्वास किया, क्या वह आपको एक वचन के ऊपर अविश्वास करने पर वापस ले लेगा? वह अन्यायी होगा। समझे? समझे, यह ठीक बात नहीं होगी। उसे दोषी ठहरा दिया गया. ..

511 यहाँ पर एक व्यक्ति खड़ा हुआ है, और उसने इन सभी हृदयों के टूटने को किया क्योंकि एक शब्द के ऊपर संदेह किया गया; तब वह आगे जाता है और वर्षों के अनुभव और हर एक बात को लेता है, और बाईबिल और ऐसी ही चीजों को लेता है, और उन दूसरे लोगो को लेता है जिन्होंने उस बात के लिये अपनी जान दी है; तब कहते हैं, "ओह, तुम आगे बड़कर उस चीज को खा सकती हो। यह ठीक बात है, मैं हर हालत में तुमको वापस ले आऊँगा"? ओह, नहीं। परमेश्वर किसी व्यक्तिविशेष का आदर नहीं करता है। अब ध्यान दें।

512 अब ध्यान दें। "वह कलीसिया का सिर है," जो कि परमेश्वर के वचन में अविश्वास करने के द्वारा, पाप में जन्मी है। इस बात से हर एक संस्था, हर एक मत को बहाने बनाने का मौका नहीं मिलता है, समझे। वचन में अविश्वास; जो कि वह स्वयं है, जीवन का वचन है। समझे? केवल वचन के पास में जीवन है। किसी और प्रकार का वचन दोगला है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वह दिखने में किस प्रकार का है, वह वचन नहीं है।

513 वचन अपने प्रकार के जीवन को लेकर आता है, जिसको कि हव्वा ने निजि ज्ञान के लिये बदले दे दिया था। देखिये कि आज कलीसिया ने कैसे किसी व्यक्ति की समझ के द्वारा क्या किया है? मूसा के पास परमेश्वर की एक महान समझ थी जब तक कि उसकी मुलाकात जलती हुयी झाड़ी से न हो गयी, तब उसने अपने असफल होने को देखा। जिस चीज का अभाव मूसा में था, वह जलती हुयी झाड़ी में था। संस्था में जिस चीज का अभाव है, वह वचन

के पास है।

"वह सिर है, मरे हुओं में से जी उठने वालों में वह पहलौठा है।"

514 हम इस "प्रकाशन" पर कुछ देर और रूके रहेंगे, यदि आप ऐसा कहते हैं। (सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) ठीक है। ठीक है, ठीक है, बस कुछ देर अब और।

515 "वह मरे हुओं में जी उठने वालों में से पहलौठा है।" क्या यह ठीक बात है?(सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) ध्यान दें। तब फिर वह क्या है? "वह कलीसिया का सिर है, जो कि उसकी दुल्हन अर्थात कलीसिया है।"

516 तब फिर देह रूपी दुल्हन को सिर का अनुकरण करना चाहिये, क्योंकि वह उसके पुनुरूत्थान का भाग है, और भेद का एक भाग है। ऐसा असंभव है कि वह न जाये। ओह मेरे परमेश्वर! यह परमेश्वर के भेद का भाग है, परमेश्वर ने कैसे यहाँ पर अपने आप को प्रगट किया और वचन के द्वारा उसे उठा खड़ा किया, अतः वह अपनी कलीसिया को प्रगट करता है और उसे उसी वचन के द्वारा जिला उठाता है। यह उसके उस भेद का भाग है जो कि तीन भागों में है।

517 जैसे कि सिर को कब्र में से लिया गया था, उसी प्रकार से उसकी देह को उसका अनुकरण वापस अदन तक करना है। जहाँ पर परिवार का मुखिया है, वह पुरूष अर्थात दुल्हा है; दुल्हन दुल्हे की देह है, उसको अनुकरण करना चाहिये, क्योंकि वह सिर है। और सिर प्रगट हुआ है, और अनन्त जीवन के साथ वापस आया है; और देह को उसका अनुकरण करना है, क्योंकि यह फिर से पति और पत्नी होने जा रहे हैं। आमीन! और जब तक आप उस वचन से गर्भवती हैं, जो कि उसकी देह है; आप ने उसका शरीर लिया है, जब आपने वचन को लिया, आप उसमें आ गये हैं। मत में नहीं; वचन में आ गये हैं! ओह मेरे परमेश्वर!

518 क्या इस बात से इस दोपहर को प्रचार करने के लिये एक पाठ नहीं

बन रहा है? ओह मेरे परमेश्वर, क्या वह अद्‌भुत बात न होगी? समझे? बस इस बात के विषय में सोचें, कि यह क्या है।

519 इसीलिये देह पहचान नहीं सकती है... आप इस बात को समझने में न चूकें। देह इसीलिये वचन के अलावा किसी और सिर को नहीं पहचान सकती है। क्योंकि सिर देह से जुड़ा हुआ है, और सिर वचन है, और वह वही वचन है, एक ही सिर है! इसीलिये, संस्थायें, और पवित्र पिता, और सभी कोई मरी हुयी खाद हैं। एक ही सिर है, जो कि मसीह है। देह केवल एक चीज को पहचानती है, वचन को।

520 अब मुझे दिखायें कि देह में किसका बपतिस्मा "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा " के नाम में हुआ? और आप किसी चीज को पहचान रहे हैं? समझे, मैं यह पता लगा रहा हूँ कि मैं हजारों से टेप पर बातचीत कर रहा हूँ, आप जानते हैं, और सारे संसार में चारों ओर हमारे पास टेप सेवकाई है। आप का बपतिस्मा किस नाम मे हुआ है? "क्योंकि स्वर्ग के नीचे कोई और नाम नहीं दिया है," वचन ने कहा है, "जिससे कि मनुष्य उद्धार प्राप्त कर सकता है।" यदि आप मसीह में अपने विश्वास को दिखाने के लिये बपतिस्मा लेते हैं, और फिर किसी मत के नाम को लेते हैं, तब फिर आप दोगले हैं। यदि आप बिलकुल उस कलीसिया की तरह नहीं है और उनकी शिक्षा की तरह नहीं है. ..

521 तब, आप कैथलिक लोग, समझे, आप पोप के अधिकार–क्षेत्र में अब कैसे आ सकते हैं, यह कह रहे हैं कि वह प्रेरिताई उत्तराधिकार के द्वारा उत्तराधिकारी है, मसीह से... पतरस से, और यह पोप और यह कलीसिया इस पहले वाले वचन के विरोध में इतना अधिक विरोध में है, जिसको कि परमेश्वर ने चिन्हों और चमत्कारों के द्वारा अपनी कलीसिया के रूप में पहचाना है? और उसी वचन को आज उसकी शुद्धता में आगे आते हुए देखना, उसी पुनुरूत्थान को दिखा रहा है जो कि वहाँ पर हुआ था, परमेश्वर अपने लोगो में जी रहा है, उन्हीं बातों को कर रहा है, तब क्या आप रोम के अधिकार को पहचान सकते हैं?

522 हमारा सिर स्वर्ग में है। मैं रोम नहीं जा रहा हूँ; मृत्यु के बाद मैं स्वर्ग में जा रहा हूँ। समझे? समझे? सिर स्वर्ग में है।

523 और देह को सिर का अनुकरण करना है, जैसे कि एक पत्नी पति का अनुकरण करती है। ऐसा हुआ कि आदम भरमाया न गया, वह हव्वा के साथ बाहर चला गया। हव्वा भरमायी गयी, वह पाप में थी, अन्यथा संपूर्ण देह का पुनुरूत्थान प्रभु यीशु के दिन में हो गया होता जब वह कब्र में से बाहर आया था। परन्तु उसको उसे छुड़ाना था, जो कि उसकी देह है। उसके पास आने के लिये उसको छुड़ाया जाना था। क्या आप इस बात को समझ रहे हैं? (सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) ओह मेरे परमेश्वर! समझे, वह बात वहाँ पर नहीं हो सकी। छुटकारा चल रहा है।

524 अब क्या आप मोहरों को देख रहे हैं? जब वह वहाँ पर पीछे बिचवई के कार्य में वहाँ पर था, छुड़ा रहा है, परन्तु किसी दिन वह इस पुस्तक को लेने के लिये आता है जिसको कि उसने छुड़ाया है। और वह सब कुछ जो इस पुस्तक पाया जाता है, वह मसीह बन जायेंगे, क्योंकि वही विश्वासी हैं, जो कि पुस्तक में लिखे हुये वचन हैं, और वचन परमेश्वर हैं। और वह सब कुछ जो कि उसमें पाया जाता है, वह इस छुटकारे की पुस्तक के लिये आता है, जिनके नाम जगत की उत्पत्ति से पहले उस पुस्तक में लिखे गये हैं, जब उसको मेमने के रूप में मारा गया था।

525 और वह आज यहाँ पर अपने वचन के अन्दर है, उन्हीं बातों को प्रगट कर रहा है जो कि उसने वहाँ पर करी थीं। वह किसी और सिर को पहचान नहीं सकती है। नहीं श्रीमान। कोई भी बिशप नहीं है, कोई नहीं है। वह एक ही सिर को पहचानती है, और वह मसीह है, और मसीह वचन है। ओह मेरे परमेश्वर है! क्या बात है! मुझे वह बात अच्छी लगती है। जी हाँ श्रीमान।

526 जैसे कि सिर को कब्र में से लिया गया था, उसी प्रकार से उसकी देह को उसका अनुकरण अदन तक करना चाहिये। इसीलिये, वह देह किसी और सिर को पहचान नहीं सकती है, सिवाये वचन के अधिकार के।

527 कोई संस्था उस बात में कुछ जोड़ नहीं सकती है। "क्योंकि जो कोई उसमें से एक शब्द निकालेगा, या एक शब्द उसमें जोड़ेगा, उसने उसमें से निकाल दिया।" आप ठीक वहीं पर दोगले और मृत हो जाते हैं। वह पीछे वहाँ पर इस गवाही को अपने हाथों में लिये हुये हैं, "व्याभिचार के घृणित कार्यों को कर रही है, आत्मिक व्याभिचार कर रही है," उस वचन के विरोध में जिसके ऊपर विश्वास करने का दावा वह करती है। समझे?

528 इसीलिये यह वचन है, अन्यथा कुछ नहीं है। यह ठीक बात है। वह वचन है! आप यह कैसे जानते हैं कि यह सत्य है? वह प्रगट किया हुआ वचन है। समझे? वह ठीक प्रकार से प्रगट किया हुआ वचन है, जो कि सिर है, कलीसिया का सिर है। वह वचन है, सिर है। उसको ठीक प्रकार से स्वयं अपनी आत्मा के द्वारा जो कि कलीसिया में है, प्रमाणित किया गया है, जो कि एक व्यक्ति है। उसका अपने आप को प्रमाणित करने के लिये दिखाना, संपूर्ण देह के लिये सीधा प्रमाण है। आप को तब मतों की आवश्यकता नहीं पड़ती है। संस्थायें नाश हुयी हैं। परन्तु स्वयं सिर की पहचान व्यक्तिगत रूप में देह के अन्दर होती है, समझे, अपने आप की पहचान करा रहा है, अपनी शीर्षता को देह में सिद्ध करता है। तब फिर हम एक प्रमाणित करी गयी शीर्षता के नीचे एक हो रहे हैं, जो कि परमेश्वर का वचन है, किसी कलीसिया के नीचे नहीं।

529 तब फिर हमारी शीर्षता एक राज्य है। "स्वर्ग का राज्य आपके अन्दर है," बाईबिल ने, यीशु ने ऐसा कहा है। राज्य! हम संस्था नहीं हैं। हम किसी राज्य से संबन्ध रखते हैं, और राज्य परमेश्वर का वचन है जिसको कि हमारे अपने जीवन के अन्दर जीवन्त किया गया है, इस दिन में हर एक प्रतिज्ञा को घटित कर रहा है, जैसा कि उस दिन में किया था जबकि परमेश्वर और वचन एक था। और वचन और परमेश्वर आज कलीसिया में एक हैं, जो कि देह के सिर को बना रहे हैं जसको कि छुड़ाया गया है, ताकि इस अंतिम दिन में संदेश को ला सकें; और पुनुरूत्थान में मरे हुओं में से जी उठें, ताकि वह वापस जा सकें और उनको मूल अवस्था में लाया जा सके, जैसे कि आदम और हव्वा आरंभ में अदन की वाटिका में थे। परमेश्वर का वह भेद जो कि तीन भागों में है, उसकी देह है! ओह मेरे परमेश्वर!

अब ध्यान से देखें, जैसा कि प्रतिछाया के रूप में पुराने समय का इस्राएल था।

530 क्या मैं इस विषय पर बहुत अधिक समय ले रहा हूँ? (सभा कहती है, "नहीं"–संम्पा) आप मुझे करने न दें, आप मुझे न करने दें... अब सुनिये। अब हमारे पास बस बीस पन्ने बाकि हैं। समझे? समझे? परन्तु अब मैं... बस अब थोड़ा सा और, और फिर–फिर मैं आप सभी को अगली गर्मी के लिये छोड़ दूंगा, या कुछ ऐसे समय तक के लिये, यदि प्रभु की इच्छा हुयी। समझे?

531 अब देखें। अब ध्यान दें, एक ही सिर के नीचे एकीकरण हो रहा है, जैसे की पुराने समय का इस्राएल था। अब क्या आप इस बात को समझ रहे हैं? जैसे की पुराने समय का इस्राएल था; एक परमेश्वर, जिसको कि आग के खंबे के द्वारा प्रमाणित किया गया, और उसने अपने आप को वचन के रूप में भविष्यद्वक्ता के द्वारा प्रगट किया। वही परमेश्वर, वही आग का खंबा, उसी प्रकार से है; वह अपने तरीकों को नहीं बदल सकता है। क्या वह... यह बात उतनी ही सिद्ध है जितनी की वह हो सकती है। क्या यह नहीं है? समझे? ( सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा)

532 एक परमेश्वर! इस्राएल के पास कितने परमेश्वर थे? ( सभा कहती है, "एक"–संम्पा) दुल्हन के पास कितने हैं? ("एक") कितने आगे कभी और होंगे? ("एक") निश्चित रूप से। निश्चित रूप से।

533 समझे, पवित्र आत्मा की अगुवाई में, जो कि मूसा के दिनों में आग का खंबा था, जो कि एक महान भविष्यद्वक्ता था। उसका मार्गदर्शन आग के खंबे के द्वारा हुआ। क्या यह ठीक बात है? ( सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) ठीक है। प्रतिज्ञा की जमीन की ओर जा रहे हैं।

534 और मसीही युग में एक परमेश्वर था जो कि आग के खंबे के रूप में एक भविष्यद्वक्ता जो कि पौलूस था, उसको प्रगट हुआ था, जिसको कि अन्यजातियों के पास भेजा गया, ताकि वह लोगो को अपने नाम के लिये बाहर निकाले। क्या यह ठीक बात है? ( सभा कहती है, "आमीन"–सम्पा)

535 और इन अंतिम दिनो में उसी प्रकार से नीचे आया है, अपने आप को प्रमाणित कर रहा है, समझे, उसी चिन्ह, उसी आश्चर्यकर्म, उसी आग के खंबे के साथ में, उसी सुसमाचार के साथ में, उसी वचन, उसी प्रगटीकरण के साथ में।

536 उसकी देह उन कार्यों को करेगी जिनकी प्रतिज्ञा उसने करी है, जैसे कि मरकुस 16 और ऐसे ही स्थानों में लिखा हुया है। उसकी देह कब्र में नहीं रूकी रही, परन्तु उसके साथ पुनुरूत्थान में पहचानी गयी। क्या आप इस बात को समझ गये? ( सभा कहती है, "आमीन"—संम्पा) तब उसके विश्वासी बच्चों की देह कब्र में रूकी न रहेगी जब उसका आगमन होगा, परन्तु उसके साथ पहचानी जायेगी, क्योंकि उसके मरने का उद्देश्य यह था कि वह अपनी दुल्हन को जिला उठाये, जो कि उसकी देह है। उसके साथ पहचानी गयी है क्योंकि वह उसकी देह है, क्योंकि वह वचन है। वह संस्थाओं की बातों से हटकर उसकी तरफ इतना अधिक समर्पित है, और वह वचन है। समझे? और वह उसके साथ पहचानी गयी है क्योंकि अब हमारे पास मरो में से जी उठने वाला पहलौठा है, उससे हम यह जान गये हैं कि हम मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुके हैं, उसके कैदी बन चुके हैं। और परमेश्वर अपनी व्यक्तिगत शीर्षता से हमें यह सिद्ध कर रहा है कि वह कलए आज और युगानयुग एक सा है, कलीसिया के द्वारा उन्हीं कार्यों को करने के द्वारा जो कि उसने तब किये थे, "वह मुझमे, और मैं उसके अन्दर, आपके अन्दर," आप जानते हैं, और ऐसी ही बाते हैं। यह ठीक बात है।

537 उसकी देह कब्र में रूकी न रही। उसके साथ पुनुरूत्थान में पहचानी गयी, उसी प्रकार से जैसे कि वह अब है, सुनिये, इसका अर्थ यह हैः उसका वचन, जो कि वह है, वह जीवन्त होना आरंभ हुआ है। वह वचन, लूथर के युगों में, और वेसली के युगों से होता हुआ आया है, समझे, वह अपनी सामर्थ में उठना आरंभ हुआ है; वहाँ पर उसने चलना आरंभ किया, तब फिर वह थोड़ा और चला, अब उसकी पहचान होनी है। समझे? ध्यान दें। अब, देह में जो जीवन है, वह इस बात का प्रमाण है कि पुनुरूत्थान नजदीक है। जब आप सिर और देह को एक होते हुये देखते हैं, और उसके प्रगटीकरण की परिपूर्णता को देखते हैं, यह इस बात को दिखाता है कि देह सिर को प्राप्त करने के लिये

लगभग तैयार है।

राष्ट्र टूट रहे हैं। इस्राएल जाग रहा है।

538 देखिये कि मेरा क्या मतलब है? उसने अपने जीवन को देह में देना आरंभ कर दिया है,(क्यों?) जो कि वह व्यक्ति है जिसको कि उसने छुड़ाया है। बिचवई का कार्य समाप्त हो चुका है, वह अपनीं देह में स्वर्गारोहण को प्रमाणित करने के लिये जीवन को लेकर आ रहा है। स्मरण रखें, अब, इस अंतिम दिन में...

539 मैं–मैं, यदि आप करने देंगे, बस इस बात पर अब मेरे साथ थोड़ा सा धैर्य रखें, अब, यह एक ठीक बात होगी। मैं चाहता हूँ कि आप इस बात से न चूकें। मैं–मैं, और मेरे पास है... मुझे अब इस टेप को लेना होगा, ऐसा हुआ है कि मैं इतनी दूर आकर आरंभ किया है। एक और महान टिप्पणी मैं करना चाहता हूँ, यदि मुझे उस बात में थोड़ा सा और आगे जाना होगा।

540 अब ध्यान दें। इस बात को सुने। अब एक महान बात है। अब ५८ वह स्थान है जहाँ पर हम देखना चाहते हैं। स्मरण रहे, अंतिम दिनो में, वह ठीक वापस जायेगा और पहले दिन को प्रमाणित करेगा, समझे, आदम और हव्वा, पति और पत्नी, कोई पाप नहीं था, जीवन था; फिर गिरावट आयी, ध्यान दें।

उसे भरमा दिया।

541 ध्यान दें कि इस बात के होने का क्या कारण था। लूसीफर! लूसीफर आज उस बात को कर रहा है जो कि उसने पहले समय में करी थी।

542 जैसे कि अन्यजातियों के राज्य का आरंभ नबूकदनेस्सर के साथ हुआ था, अन्यजातियों की जाति को एक भविष्यद्वक्ता के द्वारा प्रमाणित किया गया था जो कि अन्य–अन्य भाषा, दर्शनों और सपनो का अनुवाद कर सकता था। और यह अन्यजातियों में से होता हुआ किसी चीज के बिना आया है, वे बस

मादी–फारसी लोग थे, और वह लोहे का और ऐसी ही बातों का समय था, और पैरों में अन्यजातियों का राज्य फिर से उसी प्रकार से हो जायेगा।

543 लूसीफर की तरफ ध्यान दें, वह अंतिम दिनो में वैसे ही कर रहा है जैसे कि उसने पहले किया था? पहली बात जो लूसीफर ने करी वह यह थी कि उसने मनुष्य और परमेश्वर की संगति को अलग कर दिया, वह अपने लिये एक संयुक्त राज्य बनाना चाहता था, एक ऐसा राज्य जिसमें ज्यादा वैभव हो, और दिखने में ज्यादा सभ्य हो, उससे भी बड़ा राज्य जितना कि माईकल अर्थात मसीह के पास में था।

544 क्या आप को यह समझ में आ गया? ( सभा कहती है, "आमीन"–सम्पा) अब, अब यदि आप इस बात को समझने में चूक गये हैं, अपने बायें हाथ को उठायें, मैं इस बात को फिर से कह दूंगा, आप समझे। समझे?

545 लूसीफर, आरंभ में उसके हृदय में यह उद्देश्य था कि वह स्वर्ग में उससे भी चमकीली और महान चीज को प्राप्त करे जितना कि मसीह के पास में थी, क्या यह ठीक बात है, दिखने में एक ज्यादा सभ्य, ज्यादा सुन्दर, ज्यादा वैभव ये भरा हुआ राज्य को प्राप्त करे, जितना कि मसीह के पास में था। क्या आप सोचते हैं कि सहस्त्राब्दि में हमारे पास मोटर कार और हवाई जहाज होंगे? समझे? देखिये कि लूसीफर क्या कर रहा है?

546 अब, वह महान भड़कीली बुद्धिजीवी संस्थायें ठीक उसी बात को कर रही हैं, उसी बात को करने के लिये अपने आप को एकत्र कर रही हैं। समझे? वे एकत्र हो रहे हैं और अपने आप को संस्थागत कर रहे हैं, हर एक जन एक दूसरे को पछाड़ने का यत्न कर रहा है। और अब उनके पास इतना अधिक वैभव है कि कैथलिक कलीसिया के साथ में एक होने के अलावा किसी और बात को करना नहीं जानते हैं। समझे? लूसीफर फिर से एक उससे भी महान राज्य को बना रहा है, ताकि उन लोगो को बाहर निकाल दें जो लोग संस्थाओं में विश्वास नहीं करते हैं; और यहाँ तक कि वे उनकी कलीसियाओं के भवनों को लेंगे और उन्हें गोदाम बना देंगे, और ऐसों के याजको के पास कोई अधिकार नहीं होंगे।

547 और एक व्यक्ति जो कि परमेश्वर का भेजा हुआ है, इस बात को देखने और सुनने के बाद और अधिक संस्था में नहीं रूका रहेगा, यदि उसके बात वह पर्याप्त बात है कि वह बाहर जाये और इस चीज की ओर देखे। निश्चित रूप से। समझे? मैं इस बात को आलोचना के रूप में नहीं कह रहा हूँ; मैं इस बात को सच्चाई के साथ कह रहा हूँ, समझे, कि मैं इस बात को प्रगट होते हुये देखने पाऊँ।

548 ध्यान दें, उन अंतिम दिनो में, लूसीफर उसी बात को कर रहा है। क्या आप इस बात को समझते हैं? ( सभा कहती है, आमीन''–संम्पा) शैतान उसी बात को कर रहा है, एक दोगली कलीसिया को बना रहा है, दोगले सदस्यों के द्वारा दोगले लोगों को बना रहा है, वे ज्ञान के द्वारा दोगले हैं बजाये वचन में होने के, बजाये नया जन्म प्राप्त व्यक्ति के वे बुद्धिजीवी व्यक्ति हैं, वे बुद्धिजीवी राज्य को बना रहे हैं जो कि मसीह के छोटे से झुण्ड को पीछे छोड़ देंगे। समझे? वह क्या बात है जिसने कि ऐसा किया है? गिराये गये स्वर्गदूतों ने।

549 बाईबिल ने कहा है कि वे गिरे हुये स्वर्गदूत थे जिन्होंने बजाये मसीह की सुनने के लूसीफर की सुनी थी, जिसके साथ में पहले वे थे। क्या यह ठीक बात है? (सभा कहती है, ''आमीन''–संम्पा)

550 अब ध्यान से सुनें, ''गिराये गये स्वर्गदूत।'' किस प्रकार के स्वर्गदूत? लूथर, वेसली, कैथलिक, पिन्तेकोस्तल, जिन्होंने अपना निज निवास नहीं रखा जैसे कि स्वर्गदूतों ने रखा था, और वे संस्थाओं में गिरावट में आ गये, जैसे कि लूसीफर का नीसीया सभा के ऊपर पकड़ थी। और उन्होंने क्या किया? उन्होंने सेवकों के संगठन की सभा को आयोजित किया, ताकि वे ''पशु के लिये एक मूरत की स्थापना करें,'' जैसा कि बाईबिल ने कहा है। और एक ऐसी कलीसिया रूपी अर्थव्यवस्था को बनायें जो कि कलीसिया के लिये द्वारों को बन्द कर देंगी और जैसा कि दूसरों ने किया था। लूसीफर को कार्य करते हुये देखिये?

551 मैं आपके पास उस प्रकाशन को अर्थात परमेश्वर के उस भेद को लाने

का यत्न कर रहा हूँ जो कि तीन भागों में है।

552 उन्होंने क्या किया था? वे बुद्धि और शिक्षा के तर्क–वितर्क के लिये बिक गये, जैसे कि हव्वा ने किया था, जैसे कि गिरे हुये स्वर्गदूतों ने किया था। वेसली परमेश्वर का व्यक्ति था; परन्तु उसके बाद क्या हुआ? गिराये गये स्वर्गदूत उसके अन्दर आ गये। स्वर्गदूत पहले क्या थे? वे परमेश्वर के द्वारा सृष्टि किये गये प्राणी थे, परन्तु वे लूसीफर की बुद्धि के लिये गिरावट में आ गये, वे लूसीफर की बुद्धि के लिये गिरावट में आ गये। और आप समझे कि उनका क्या हुआ था? वे गिराये गये स्वर्गदूत थे। और संस्थायें बन गयीं, उन व्यक्तियों के द्वारा जो कि पृथ्वी पर सत्य को स्थापित करने के लिये आगे गये; इससे पहले कि सत्य आगे जाकर घोषित हो, और मसीह का वास्तविक प्रकाशन आये, गिराये गये स्वर्गदूत आये और उसको ले लिया और उससे संस्था बना ली।

553 यही कारण था कि सात मोहरों के भेद को खुलना था।

554 अब क्या आप इस बात को देखते हैं? उन्होंने क्या छोड़ दिया था! यदि लूथर आगे गया होता, तो वह बात यहाँ पर होती। यदि वेसली आगे गया होता, यदि पिन्तेकोस्तल आगे गये होते, उन्होंने क्या किया होता?

555 अब केवल एक बात है जो कि हो सकती है। अंत समय में एक संदेश को होना है, जबकि उसके बाद में किसी और चीज को नहीं आना है। और अब कलीसीयाओं को एक करने वाले जगत ने एक ऐसे राज्य को तैयार किया है कि कोई संस्था और कुछ भी बात उसके बाद नहीं आनी है; या तो आप उसमें होंगे या नहीं होंगे। फल पेड़ के ऊपरी हिस्से में है, और पहले से ठहराये गये बीज के ऊपर प्रकाश चमक रहा है। और वह मसीह के सामान दिखने वाले फल के रूप में पक रहा है, उसी प्रकार परिपक्वता को और उसी मधुरता को लेकर आ रहा है, और उसी आत्मा को लेकर आ रहा है जो कि उसके अन्दर थी। मैं आशा कर रहा हूँ कि आप इस बात को समझ रहे हैं! समझे?

556 मैंने–मैंने बहुत सी बातों को एक दिन में कह दिया है। मैं आपको थका रहा हूँ। ( सभा कहती है, "आमीन")

557 अतः देखिये, वे तर्क–वितर्क करने के द्वारा बिक गये, वे संस्थाओं के तर्क–वितर्क पर बिक गये। "यदि मैं बस उससे संबन्ध रख सकता! मेयर उस गिरजे में जाता है।" समझे? "यदि मैं मेथोडिस्ट, या प्रेसबेटेरियन हो सकता।" बस देखिये कि वे कहाँ पर चले गये हैं। अब, मैंने अभी समझाया है, उन डालीयों को छाँट दिया गया है। वे मृत हो चुकी हैं। वे मसीह से और अधिक संबन्ध नहीं रखते हैं; वे उसी जीवन को लेकर आ रहे हैं। वे उससे जुड़े हुये हैं।

558 परन्तु वे नीबू–वंश वे फल की तरह हैं। कोई भी नीबू वंश का फल नीबू–वंश के पेड़ के ऊपर उगेगा, परन्तु वह अपने फल को लेकर आयेगा। आप अंगूर के फल को संतरे के पेड़ के ऊपर लगायें, वो संतरे के वृक्ष से जीवन को लेगा, परन्तु वह अंगूर के फलों को लेकर आयेगा। आप वहाँ पर एक नीबू को लगा दें, वो एक नीबू–वंश का पेड़ है, वह एक पुराने से कड़वे नीबू को लेकर आयेगा, परन्तु वह उससे जीवन को ले रहा है। और संस्थायें कलीसिया के नाम के नीचे इसी बात को कर रही हैं।

559 यह दुल्हन है जो कि मूल वृक्ष है, मूल आत्मा है। प्रकाशन मसीह से आता है, संस्था से नहीं आता है। मसीह! ध्यान दें।

560 संस्था क्या करने का यत्न कर रही है? अपने आप को लूसीफर की तरह ऊँचा उठा रही है। वे अपने आप को तथाकथित "कलीसिया अर्थात दुल्हन कहते हैं।" जो कि वे प्रकाशितवाक्य 17 में हैं, जैसे कि झूठी दुल्हन के विषय में बोला गया है। वे अपने आप को मसीह के छोटे झुण्ड से ऊँचा समझते हैं, जो कि दुल्हन है; लूसीफर यह सोचता है और अपने आप को प्रकाशन के ज्ञान के द्वारा परमेश्वर के वचन के सत्य से ऊपर उठाता है, और उसने अपने आप को सेमनरी की शिक्षा के द्वारा और धर्मशिक्षाज्ञान के द्वारा एक ऐसे स्थान पर रखा है कि उसने अपने आप को ऊँचा नहीं उठा लिया है। और यदि आप उनके झुण्ड से संबन्ध नहीं रखते हैं, तब आप कूड़ा कड़कट

होते हैं।

561 जैसा कि लूसीफर ने आरंभ में किया था, उसने लोगो से ठीक वही कहा है जो कि उसने हव्वा से कहा था, "निश्चित रूप से परमेश्वर हमको ग्रहण कर लेगा! हम निर्धनो को भोजन देते हैं।" यह अच्छी बात है। "निश्चित रूप से वह हमको ग्रहण कर लेगा। हम एक बहुत बड़ी संस्था हैं। हम एक सुन्दर कलीसिया हैं। क्यों, हमारे बड़े भवनो को देखो! हमारी बड़ी सदस्यता को देखो। हमारी गिनती लाखों में है। निश्चित रूप से परमेश्वर इस झुण्ड को नीचा नहीं दिखायेगा।"

562 वही बात कैन ने करी थी, वह जमीन में उगने वाले सुन्दर फलों को लेकर आया था जिसको कि उसने उगाया था, और उनपर मेहनत करी थी, और कार्य किया था, और वह फलों को लेकर आया था, और उसने मेमने के नम्र लहु को ठुकरा दिया था।

563 परमेश्वर करूणा करे, कि पुरूष और स्त्री इस बात को नहीं सोचेंगे कि मैं यह बात किसी चीज को ऊँचा उठाने के लिये कह रहा हूँ, या कोई निजी प्रकाशन है या कुछ बात है। मैं आपको केवल सत्य बता रहा हूँ। क्या आप नहीं देख रहे हैं कि वे क्या कर रहे हैं? समझे? मैं इस बात को इतनी जोर से और कठोरता के साथ कह रहा हूँ, परन्तु आप को कील तब तक ठोकनी पड़ती है जब तक कि वह गड़ न जाये, यदि वह वह आपके लिये कुछ भला करे, समझे, जब तक कि आप उस बात को समझ नहीं जाते हैं। समझे?

564 अब, लोगो से कह रहे हैं, "निश्चित रूप से! आप मुझे जो बता रहे हैं उसका यह मतलब है कि हमारी महान कैथलिक कलीसिया, हमारी महान मेथोडिस्ट कलीसिया, जो कि हर समय में बनी रही है? हमारे पित्रों को देखिये!" परन्तु उन्होंने परमेश्वर के वचन को तोड़ दिया। और हव्वा परमेश्वर की थी, और वह... वह आदम की उपोत्पादन था; और चूँकि उन्होंने परमेश्वर के एक वचन को तोड़ दिया, उस बात ने इस चीज को कर दिया।

565 और यहाँ पर आज लूसीफर फिर से अपने उसी कार्य को कर रहा

है। और, स्मरण रहे कि मसीह विरोधी साम्यवाद नहीं है।. मसीह विरोधी वास्तविक बात के इतना नजदीक है जब तक कि, "यदि हो सके तो चुने हुये का भरमा दे," यीशु ने मति 24 में कहा था, "चुने हुओं को यदि हो सके।" लूसीफर फिर से, लूसीफर फिर से मनुष्य में परमेश्वर के एकीकरण को तोड़ रहा है, परमेश्वर के वचन का तर्क–वितर्क करने के द्वारा। जो भी वह सोचता है कि ठीक बात है, और जो भी वह सोचता है, वह परमेश्वर के वचन को तोड़ देता है।

566 और इसी बात को उसने यीशु के दिनो में किया था। और यीशु ने कहा, "तुम अपने रीती–रिवाजों से परमेश्वर के वचन को प्रभावहीन बना देते हो।"

567 और संस्थाओं ने अपने संस्थागत बौद्धिक तर्क–वितर्क करने के द्वारा परमेश्वर के वचन को लोगो के ऊपर प्रभावहीन बना दिया है। यह ठीक बात है। वे बस इस बात को समझ नहीं पाते हैं। तब फिर वे कहते हैं, "बाईबिल का परमेश्वर कहाँ पर है?" वह ठीक यहाँ पर है, यही वह है।

568 ध्यान दें, अब लूसीफर अपनी चालाकी में आता है, और परमेश्वर और मनुष्य की एकता को तोड़ देता है, बस वैसे ही जैसे कि उसने अदन में अपने महान निजि–सामर्थ और अपने आप को ऊपर उठाने वाली प्रतिज्ञाओं का प्रलोभन देकर किया था। "क्यों, हो सकता है कि यदि तुम बस हमारे साथ में बने रहो, तुम बिशप बन जाओगे। शायद तुम जिला–पुरोहित बन जाओ। तुम उस प्रकार के स्थान पर क्यों जाते हो? हो सकता है कि तुम जिला के पुरोहित बन जाओ।" समझे, यह पिन्तुकोस्तल, कैथलिक और ऐसे ही लोग हैं; समझे, यह मनुष्य के लिये एक बड़ी झूठी प्रतिज्ञा है, कि परमेश्वर के वचन और उसकी प्रतिज्ञा के बाहर आप सामर्थ को पायें। आप सामर्थ को तब पाते हैं जब पवित्र आत्मा आप के ऊपर आता है, तब नहीं जब कि आप बिशप बनते हैं, या डीकन बनते हैं, या वो जो कुछ बनते हैं जो कि वह था। समझे? परन्तु लूसीफर अपने कार्य पर फिर से है।

569 क्या यह कलीसिया इस बात को समझ रही है? अपने हाथों को

उठाईये ताकि मैं उन को देख सकूं।( सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) ठीक है, तब फिर मैं उस बात पर और अधिक रूका नहीं रहूंगा।

परमेश्वर के वचन के अलावा उस चीज से टूट रहे हैं। समझे?

570 उसने इसी बात को नीसीया रोम में किया था। आप को पता है कि कानस्टेनटाईन ने उन्हें क्या दिया था? आप कलीसिया कालों से होकर गये हैं। उसने दिये... उनके पास मसीह के अलावा कुछ और चीज नहीं थी। और वे छोटे से भवनो में और कठोर पत्थर के फर्श पर और जहाँ कहीं वे बैठ सकते थे, बैठते थे। आप उस बात को जानते होंगे यदि आप ने नीसीया सभा और पूर्व नीसीया सभा और नीसीया के पिताओं, और कलीसिया का इतिहास और ऐसी ही चीजों को पड़ा है। उनके पास कुछ नहीं था। परन्तु जब उन्होंने इस सभा को किया और मसीहीयत में रोमी पगानवाद को डाल दिया, और उन्होंने पवित्र व्यक्तियों को, और ऐसे ही लोगो को, और पोपों को, और इस प्रकार की सब बकवास को डाल दिया, जो कि कानस्टेनटाईन ने उन्हें दिया था? मैं चाहता हूँ कि कोई धर्मशास्त्रज्ञानी मुझे बताये। उसने उन्हें सम्पत्ति दी। उसने उन्हें स्वतन्त्रता दी और वो सब कुछ दिया जो कि वे चाहते थे।

571 और उन्होंने परमेश्वर के वचन को बुद्धि के लिये और मनुष्य की सभ्यता के लिये बदले में दे दिया! और यह वही बात थी जो कि लूसीफर ने तब की थी, उसने यह बात अदन की वाटिका में करी थी, और वे ठीक वहीं पर मृत हो गये थे। पिन्तेकोस्तल कलीसिया नीसीया रोम में मर गयी थी, परन्तु उसको अंतिम दिनो में दुल्हन रूपी वृक्ष के रूप में पुनः जी उठना है।

572 ध्यान दें, लूसीफर अन्दर आता है, वह चालाक है, जैसे कि उसने तब किया था, और प्रलोभनों और झूठी प्रतिज्ञाओं के द्वारा, और परमेश्वर के वचन के बाहर पायी गयी सामर्थ के द्वारा। उसने इसी बात को नीसीया रोम में किया था। वह इसी बात को आज गिरजों से विश्व संगठन में कर रहा है।

573 "आओ हम एक हो जायें," पोप कहता है। "मैं चाहता हूँ कि मेरे सारे भाई जो कि वहाँ बाहर गिरजों के एकीकरण से संबन्ध रखते हैं, मेरे साथ मिल

जायें। हम एक हैं।'' संस्थाओं में यह एक ठीक बात है कि आप एक हैं। परन्तु इस बात को मसीह की दुल्हन से कोई लेना देना नहीं है; भाई, एक बात में भी लेना देना नहीं है। आप उसको किसी ऐसी बात में डाल नहीं सकते हैं।

574 अब अंतिम दिनो में प्रतिज्ञा करी गयी है, कि उसी मूल विश्वास को परमेश्वर की संतानों के पास दुल्हन रूपी वृक्ष के आने के समय में फेरा जायेगा। मलाकी चार में परमेश्वर ने कहा, ''इससे पहले कि संसार का नाश आग से हो, देखो कि मैं तुम्हारे पास ऐल्लियाह नबी को भेजूंगा, और वह बच्चों के विश्वास को फेर देगा।'' अब, यह बात पहले ऐल्लियाह के लिये लागू नहीं होती है जब वह आया था। नहीं, नहीं।

575 अब, हम यहाँ पर एल्लियाह के वस्त्र और एल्लियाह के कंबल और इन सारी बातों को नहीं सिखाते हैं। हम बस परमेश्वर के वचन को सिखाते हैं। समझे? यही वह बात है जो कि उसने कही है। समझे, हमारे पास सभी प्रकार की बाते हैं कि यह वाला ऐल्लियाह और वो वाला ऐल्लियाह, जो कि बकवास है। वह–वह हम इस बात को जानते हैं। उस बात के विषय में, मैं उस बात के विषय में नहीं बोल रहा हूँ, और आप जो कि आत्मिक मन के हैं इस बात को समझ जायें। समझे, इस घड़ी में देर हो रही है, और मैं इन सभी बातों को टेप पर नहीं रख सकता हूँ।

अब, अंतिम दिन की प्रतिज्ञा। अब यदि...

576 यीशु ने मति में कहा, मैं विश्वास करता हूँ कि ग्यारवें या छठे अध्याय में, और ग्यारवें में.... नहीं, यह ग्यारवाँ अघ्याय और उसकी छठी आयत है। जब यूहन्ना ने अपने चेलों को वहाँ पर देखने के लिये भेजा था कि वह वही व्यक्ति है कि नहीं, यीशु ने कहा था, ''तुम किसको देखने गये थे? एक–एक–एक आँधी को...एक हवा में हिलते हुये सरकंडे को? क्या तुम अमुक–अमुक व्यक्ति को देखने गये थे?'' उसने कहा, ''या तुम एक भविष्यद्वक्ता को देखने गये थे?'' यूहन्ना भविष्यद्वक्ता से भी ज्यादा था; वह वाचा का दूत था। और उसने कहा, ''यदि तुम इस बात को ग्रहण कर सकते हो, यह वही है जिसके विषय में भविष्यद्वक्ताओं ने कहा है, कि मैं अपने दूत

को अपने आगे आगे भेजता हूँ।'''

577 अब, यह मलाकी 3 में पाया जाता है, मलाकी चार में नहीं। क्योंकि वो ऐलीशा जो कि मलाकी 4 में आने वाला था, पृथ्वी बहुत अधिक गर्मी के साथ जलने वाली थी, और धर्मी जनों को सहस्त्राब्दि में दुष्टों की राख पर चलना था। समझे? अतः यह वो वाला नहीं है। समझे?

578 अब हम प्रतिज्ञा को पूरा होते हुये देखते हैं। मसीह, जो कि सच्चा सिर है, वह अन्दर आ रहा है, अपनी दुल्हन में आ रहा है, उन्हीं कार्यों को कर रहा है जो कि उसने आरंभ में किये थे, और तैयार कर रहा है और उसी प्रकार से अपने वचन को पूरा कर रहा है जैसे कि उसने पहले यूहन्ना 14:12 में किया था, ''वह जो कि मुझ पर विश्वास करता है, जो कार्य मैं करता हूँ वो भी करेगा।'' तब, सिर और देह कार्यों में और चिन्हों में और जीवन में, एक हो रहे हैं, और परमेश्वर के द्वारा स्वयं प्रतिज्ञा के वचन को जो कि अंतिम दिनो के लिये है, स्वयं प्रमाणित किया जा रहा है। अब, यदि आप आत्मिक हैं, आप उस बात को पकड़ लेंगे।

579 तब, हम यह देख सकते हैं कि विवाह का भोज आने वाला है। अब, यदि मैं आप को कभी न देख पाता हूँ, ध्यान रहे कि विवाह का भोज होने वाला है। और फिर प्रतिज्ञा के अनुसार राज्य जल्द आने वाला है, वह महान सहस्त्राब्दि, कलीसिया का ले लिया जाना, और दुष्टों का नाश जल्द होने वाला है। और संसार छठी मोहर के अन्तर्गत ज्वालामुखी से पवित्र किया जायेगा, ताकि वह संसार के सारे भ्रष्टाचार और पापों को ले और उसे फिर से ढाल कर बनाये, और आने वाले युग के लिये एक नये और चमकीले सहस्त्राब्दि को लेकर आये।

580 जब हम इन सब प्रकाशन को देखते हैं जो कि तीन भाग में हैः मसीह परमेश्वर में; मसीह कलीसिया में; आने वाला राज्य। आदम और हव्वा को अदन की वाटिका में छुड़ा कर मसीह और उसकी दुल्हन के प्रतिधिनित्व में फिर से ले जाया जा रहा है, और फिर प्रतिज्ञा के अनुसार राज्य को वापस फेर दिया जायेगा। परमेश्वर की महिमा हो! अब, इस प्रकाशन से जो कि तीन

भागों में है, इस भेद से, और व्यक्तिगत रूप से प्रमाणित वचन से जो कि उसकी मूल शीर्षता से आती है!

581 यह न कहें, "अच्छा, परमेश्वर की महिमा हो, हम चिल्लाये; हालेलुइया, हम गाना गाते हैं।" यह वह बात नहीं है। मैं मिशनरी हूँ। व्यवहारिक रूप से मैं सात बार संसार के चारों ओर गया हूँ। समझे? मैंने मूर्तिपूजकों को, शैतानों को, और हर एक को नाचते हुये और चिल्लाते हुये देखा है। मैंने हर प्रकार के देह मे किये गये प्रगटीकरणों को देखा है। यह शारीरिक बाते हैं।

582 परन्तु मैं मसीह की शीर्षता के विषय में बातचीत कर रहा हूँ। ध्यान दें, व्यक्तिगत रूप से उसकी मूल शीर्षता के साथ हम पहचाने जाने से हमारे पास शैतान के प्रश्नों का उत्तर होता है। आमीन! महिमा हो! हमारे पास शैतान के सवालों का उत्तर है। वह अर्थात मसीह जी उठा है और उसने दाम को चुका दिया है, और वह सिर को... या देह को खड़ा कर रहा है।

583 शैतान उस बात इस बात को सहन नहीं कर सकता है। यही कारण है कि कलीसियाओं में एकीकरण हो रहा है। यही कारण है कि वे सभी उसी बात पर आ रहे हैं जो कि वे अभी कर रहे हैं। शैतान, यही कारण है कि वह उस प्रकार से चिल्ला रहा है जिस प्रकार से वह है। उसकी दुष्टता...हो चुकी है, उसकी चाल जी उठे मसीह की शीर्षता जो कि उसकी देह के ऊपर है, से बेपरदा हो चुकी है।

584 आप सोच रहे हैं कि मुझे कुछ हो गया है? मैं नहीं हूँ। हमारे पास शैतान के लिये उत्तर है। "यह मैं नहीं हूँ जो कि जीवित है, परन्तु मसीह जो कि वचन है मुझमें जीवित है।" यह मेरा विचार नहीं है; यह उसका वचन है। उसने इस बात की प्रतिज्ञा करी है; यह यहाँ पर है। उसने कहा था कि यह बात यहाँ पर होगी, और वह यहाँ पर है। हमारे पास उत्तर है।

585 मसीह जी उठा है और उसने हमारे छुटकारे के लिये दाम चुका दिया है। जो परमेश्वर ने मसीह में प्रगट किया था, उसने उस देह को दिया था, और उस लहु को; कि उस लहु से जीवन आ सके, और देह को छुटकारा मिल

सके, कि–कि परमेश्वर जो कि इस छुड़ायी गयी देह में प्रगट हुआ है, वह इस दिन के लिये अपने वचन को प्रगट कर सके जैसे कि उसने उस दिन किया था। क्या बात है! महिमा हो!

586 क्या आप इस बात को समझ रहे हैं? (सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) ओह मेरे परमेश्वर! मैं कब इस बात को बन्द करूंगा? ध्यान दें। ("आप बोलते रहिये")

587 तब, हम परमेश्वर की उपस्थिति में धर्मी ठहरकर खड़े हुये है। जैसे कि एक स्याही की बूंद एक टब में भरे हुये विरंजन में गिरती है, आप उस स्याही के दाग को और अधिक नहीं पाते हैं। वह कहीं पर चला गया होता है। वही फिर कभी वापस नहीं आता है। और जब एक मनुष्य को सच्चाई से छुड़ाया जा चुका होता है, वह पहले से ठहराया गया बीज जो कि उस चीज को देखता है और उसे ग्रहण करता है, उसके पास समाप्त हो जाते हैं। वे चले जाते हैं। वे अलग किये जाते हैं। उनको यीशु मसीह के लहु की स्याही में डाल दिया जाता है, और उन्हें कभी स्मरण नहीं किया जाता है। परमेश्वर उनको भुला देता है। और वह परमेश्वर की उपस्थिति में उसके पुत्र और पुत्री के रूप में खड़ा होता है। आमीन और आमीन! "अब हम परमेश्वर के पुत्र हैं।" ऐसा नहीं हैं कि हम होंगे; हम हैं! अब हम छुड़ाये जा चुके हैं।

588 हमारे पास शैतान के लिये उत्तर है। परमेश्वर ने अपने आप को प्रमाणित किया है। परमेश्वर अपने आप को इस दिन के लिये अपनी प्रतिज्ञा को प्रमाणित करता है। होललुईया! शीर्षता यहाँ पर है। आमीन! मसीह, जी उठा प्रभु अपनी उसी जिला उठा देने वाली सामर्थ में है जैसे कि वो हमेशा रहा है, अपने आप को प्रगट कर रहा है। वहाँ पर शैतान के लिये उत्तर है।

589 यही कारण था कि जब वह व्यक्ति जो कि यहाँ पर बैठा हुआ था किसी दूसरे दिन मृत होकर गिर गया, वह यहाँ पर बैठा हुआ था, हम यह कह सकते थे, "जीवन, वापस आ जा!" क्योंकि पवित्र आत्मा ने ऐसा कहा।

590 यही कारण है कि उस छोटे बच्चे के साथ में वहाँ पर मेक्सिको में यह

किया जा सका, जो कि लगभग पन्द्रह घंटो तक मृत रहा था, जबकि दर्शन आया था और कहा, "उसके जीवन को वापस बुलाओ," मृत्यु से। और कहा, "होने पाये कि वह बच्चा जी उठे।" और उस बच्चे के लिये चिकित्सकों ने अपने बयान को लिखा था, कि वह उस प्रातः नौ बजे मर गया था, और ग्यारह बजे उस रात्रि वह फिर से जी उठा था; आज जी रहा है।

591 यह क्या बात है? यह वे लोग नहीं हैं। सिर और देह एक ईकाई बन चुके हैं। यह परमेश्वर है जो कि लोगो में प्रगट हो रहा है। यही कारण है कि पति और पत्नी दो नहीं हैं; वे एक हैं। परमेश्वर और उसकी कलीसिया एक हैं, "मसीह आप के अन्दर है," परमेश्वर का महान प्रकाशन। परमेश्वर की महिमा होवे! यहाँ तक कि उसके नाम को सह रहे हैं; उसका नाम यीशु है, जो कि अभिषिक्त जन है। यही कारण है कि उसको यीशु कहा गया है, वह अभिषिक्त जन है। यह परमेश्वर की अभिषिक्त देह है, उस प्रगट किये गये परमेश्वर को प्रमाणित कर रही है जैसे कि उस देह ने किया था। और उस देह ने इन देहों में हर एक देह को छुड़ाया है, और उनमें से होकर परमेश्वर ने अपने उस प्रगटीकरण का कार्य किया जो कि तीन भागों में है, उस राज्य में जा रहे हैं। जी उठा है, दाम को चुका दिया है! हम छुड़ाये जा चुके हैं। परमेश्वर ने इस बात को सिद्ध किया है, प्रमाणित किया है। समझे?

592 और हम मसीह में उसके सम्मुख न्यायोचित्त होकर खड़े हुये हैं। क्योंकि, वह न्याय नहीं कर सकता है, क्योंकि वह पहले ही उस देह का न्याय कर चुका है, जिसके हम और आप एक भाग हैं। किसका भाग, मैं उसका भाग कैसे हूँ? यह बात यहाँ पर है; यह मेरे अन्दर है। "यदि मेरे... तुम मुझमें बने रहो, और मेरा वचन तुममें बना रहे, तब जो भी कुछ तुम माँगो... पिता से मेरे नाम में कुछ भी माँगो, वह पूरा हो जायेगा, क्योंकि वह वहाँ पर है।" धर्मी ठहरना! परमेश्वर की महिमा हो!

593 ओह, यदि मैं बस संसार को यह बात समझा सकूं! क्यों? आप उस स्थिति में हैं। वहाँ पर मसीह की देह जी रही है, छुड़ायी जाकर खड़ी हुयी है। छुड़ा ली गयी है! ओह मेरे परमेश्वर!

594 उसकी दृष्टि में धर्मी ठहर चुके हैं! हम क्यों धर्मी ठहर चुके हैं? हम उसकी विजय हैं। कलीसिया उसकी विजय है। हम अंतिम दिनों में महिमायुक्त सुसमाचार के साथ आगे आये हैं, उसकी विजय को दिखा रहे हैं। वह उसी उद्देश्य के लिये मरा, और हम उसकी विजय के प्रमाण हैं। आमीन! जब हम उसको नीचे आते हुये और अपनी कलीसिया में जीते हुये देखते हैं, यही उसकी विजय है। यह इस बात को दिखाता है कि वो उसको कब्र में न रख सका, न ही वे हमको रख सकते हैं। यह ठीक बात है। वह...?... और हम पहले से ही संम्भवतः जी उठे हैं, क्योंकि हम मरे हुओं में से, उसके वचन में अविश्वास करने से, संस्थाओं के मतों से, अनंत परमेश्वर के अनंत वचन के लिये जी उठे हैं; जो कि वह स्वयं है, हमारे में से होकर कार्य कर रहा है, अपने आप को प्रगट कर रहा है कि वह कल, आज और सर्वदा एक सा है।

595 और फिर वचन सिर में से देह में नीचे आता है। यह क्या बात है? यह वही वचन है। उसमें कुछ जोड़ या घटाया नहीं जा सकता है। अतः वही वचन सिर में आता है, जैसे कि दिन समाप्त होने लगता है, नीचे देह में आता है, नीचे देह में आता है, इस बात को प्रमाणित कर रहा है कि वे एक हैं। वे पति और पत्नी हैं। वे उसके माँस में के माँस है, उसके वचन में के वचन हैं; उसके जीवन में के जीवन हैं, उसकी आत्मा में की आत्मा है। समझे? आमीन! आप इस बात को कैसे जानते हैं? यह उसी बात की गवाही देता है, उसी फल को, उसी वचन को लेकर आता है। समझे, मसीह को प्रगट करता है; उसी जीवन को, उसी परमेश्वर को, उसी आत्मा को, उसी वचन को, उसी पुस्तक को प्रगट करता है! आमीन! उन्हीं चिन्हों को, "जो कार्य मैं करता हूँ वो तुम भी करोगे।" ओह, हालेलुईया! ओह मेरे परमेश्वर!

596 ध्यान दें, प्रगट किया गया वचन जो कि उसकी देह में है वो ही उसकी विजय है और उसकी मृत्यु का कारण है। समझे, वह मृत्यु, आत्मा में नहीं; जब वह मरा, वह केवल देह में मरा। उसकी आत्मा अद्योलोक में गयी और उन प्राणों को जाकर प्रचार किया जो कि कैद में थे। यह ठीक बात है? उसकी देह केवल मरी, तब फिर उसने उसको फिर से उसको जी उठाया और उसे जिला उठाया। जिला उठाने का अर्थ है, "जीवन में लाना," उसकी देह जो कि उसका शरीर था। और वह वचन है। वह वर्षों तक मृत पड़ा हुआ है,

परन्तु वह धीरे–धीरे सुधार में आया, और अब वह अपने पैरों पर खड़ी हुयी है!

597 ओह, मैं कितना चाहता हूँ कि मेरे पाास यहेजकल में जाने का समय होता, और उन "सूखी हड्डियां" और आप को दिखता। उसने कहा, "क्या ये हड्डियां फिर से जी सकती हैं?"

उसने कहा, "भविष्यवाणी कर!"

598 भविष्यवाणी कैसे आ सकती है? केवल भविष्यद्वक्ता के द्वारा। यह परमेश्वर का वचन है। "हे सूखी हड्डियों, परमेश्वर के वचन को सुनो।" और नसें और खाल उनपर आ गयी, और वे खड़ी होकर एक महान सेना बन गयीं, और सिय्योन की तरफ कदम से कदम मिलाकर चलने लगीं। परमेश्वर की महिमा होवे! यह वह है। यह वह है, यह विजय है।

प्रभु के छुड़ाये गये तब फिर सिय्योन पर आनंद के साथ आयेंगे,
उसके सारे पवित्र पर्वत पर, कोई भी उनको चोट नहीं पहुंचायेगा या नाश करेगा। हाँ।

599 वह अपने पुनुरूत्थान रूपी जीवन को प्रमाणित करता है जबकि वह अपने आप को प्रगट कर रहा है। वह अर्थात दुल्हन सभी लोगो से स्वतन्त्र है। वह स्वतन्त्र स्त्री है, एक बड़ी चिड़िया है जो कि धब्बों से भरी है जो कि दूसरो से भिन्न है। क्या आप को इस बात से बाईबिल में लिखी वह बात स्मरण आती है, "वह बड़ी चित्तीवाले पक्षी।" परन्तु उसके पास उसका नाम था, उसके पास उसका जीवन था।

600 वे उस पक्षी को कैसे चित्तीवाली बनाते थे? वे दोनो सफेद होते थे, और तब वे एक पक्षी के सिर को काट देते थे और उसके लहु को दूसरे पक्षी के ऊपर गिरने देते थे। और दूसरे पक्षी के ऊपर लाल लहु के चित्ते पड़ जाते थे, और इस प्रकार से अपने पंखों को फड़फड़ाती थी, और जैसे ही लहु जमीन को नहलाना आरंभ करता था, वह ,"पवित्र, पवित्र, पवित्र," कहकर चिल्लाता था।

601 अतः मसीह जो कि मरा हुआ साथी था, उसने अपने लहु को, उसने अपने जीवन के लहु को हमारे अंदर रखा; छिड़का... उसके लहु को " पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु पवित्र है" कहकर हम उठा रहे हैं। यह विचित्र सा दिखने वाला पक्षी है। निश्चित रूप से वह है। परन्तु वह दुल्हन है; उसके द्वारा पहचानी गयी है, और दूसरों से स्वतंत्र है। "जब तक तुम दोनो जीवित रहते हो तुम उसको केवल अपने पास रखो। अपने आप को केवल उसके पास, वचन के पास रखो," कोई व्याभिचार नहीं, संस्था को कोई भी चिन्ह नहीं, मत को कोई भी चिन्ह नहीं, बिलकुल भी व्याभिचार नहीं। वचन और वह केवल एक साथ में!

602 "मसीह रूपी ठोस चट्टान पर मैं खड़ा हुआ हूँ, और सारी जमीने ढहती हुयी रेत हैं," ऐसा एडी पेरोनेट ने कहा।

603 यही बात है, मसीह वचन है! वह वचन था; और मसीह दुल्हन को अपना एक भाग बनाकर वचन बनता है, और वह फिर से वचन होता है। उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप में पहचाने जाते हैं, कि वह केवल उसकी संपत्ति है! वह उसके द्वारा छुड़ायी गयी है, उसमें से होकर, और केवल उसके लिये छुड़ायी गयी है। यह ठीक बात है। तब फिर शैतान किस बात के लिये चिल्ला रहा है, कि यह बात प्रगट की जा रही है।

604 हम जोखिम भरे समय में रह रहे हैं। स्मरण रहे, वचन कहता है, जब यह बातें घटित होना आरंभ होतर हैं, "समय और अधिक न रहेगा।" वह धूमिल होती जा रही है, जब हम उस बात का प्रगटीकरण देखते हैं।

605 "भूकंप।" आप ने किसी दूसरे दिन देखा था कि हजारों लोग मारे गये थे? "जगह जगह पर भूकंप आ रहे हैं।"

606 कहा, "आकाश में डरावने दृष्य दिखायी दे रहे हैं, आग के खंबे दिखायी दे रहे हैं," उड़न तश्तरीयों की तरह तैरते हुये दिख रहे हैं। वे नहीं जानते हैं कि वे क्या हैं। समझे? उनको इस बात का कोई अंदाजा नहीं है।

607 क्या आपने उन स्वर्गदूतों की ओर ध्यान दिया जो कि नीचे आये थे, और इससे पहले कि सदोम नाश हो, उन्होंने उसकी छानबीन की थी? क्या आपको वह बात स्मरण है? ( सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) उनका एक झुण्ड, तीन जन नीचे आये थे। उनमें से एक अब्राहम के साथ रूका रहा। क्या आपको स्मरण है? ("आमीन") वे स्वर्ग से आयीं ज्योतियां थीं, जो कि न्याय करने के लिये जाँच–पड़ताल करने आये थे। एक...

608 देखिये कि वे सब कहाँ पर पाये जाते हैं। पेन्टागन के चारों ओर, और उन्हीं जगहों पर वे उन्हें पाते हैं। वह ही संसार का न्याय है, जो कि सदोम है। और एक है जिसका प्रतिधिनित्व किया जायेगा, जिसका प्रतिधिनित्व कलीसियाओं में किया जायेगा, जो कि मसीह स्वयं होगा, अपने आप को प्रमाणित कर रहा होगा। समझे? "वहाँ पर दृष्य.. स्वर्ग पर, और पृथ्वी पर नीचे चिन्ह।" निश्चित रूप से।

609 पहचाने गये हैं! ओह, शैतान इस बात के विषय में चिल्ला रहा है: परमेश्वर की प्रतिज्ञा जो कि केवल दुल्हन में है, उसका प्रगट किया गया सत्य।

610 उनके पास कोई उत्तर नहीं है। जब यीशु आया, उन फरीसियों ने क्यों? उसने कहा, "यदि मैं परमेश्वर की सहायता के द्वारा शैतानों को निकालता हूँ, तुम किस की सहायता से उनको निकालते हो?" समझे? वह अकेले ही खड़ा रहा।

611 और उसकी कलीसिया अकेली खड़ी रहेगी। वह किसी चीज के साथ जुड़ी हुयी नहीं होगी। परन्तु वह परमेश्वर के द्वारा उस देह के रूप में पहचाना गया था जिसमें परमेश्वर वास करता था; और कलीसिया उसकी देह के द्वारा पहचानी जाती है, उन्हीं कार्यों को कर रही है। वह उसकी देह है, अंतिम दिन के लिये उसके प्रतिज्ञा के वचन का प्रगट किया हुआ सत्य है। और वह, और अकेले उस पर खड़ी हुयी है। यही कारण है कि शैतान चिल्ला रहा है, इन महान संस्थाओं में, कि कुछ ऐसी बात बन जाये कि उसको बन्द कर दे। वे ऐसा कभी नहीं कर पायेंगे। उसको ऊपर लिया जायेगा, बन्द नहीं किया

जायेगा। वह अब उठ चुकी है, और प्रगट किये गये वचन की सामर्थ के द्वारा जिसकी प्रतिज्ञा उस से करी गयी है। आमीन!

612 किस प्रकार से दुल्हन उस की प्रतिज्ञा को पकड़ी हुयी है! "उसने मुझे बताया है कि वह वापस आयेगा। मैं उस बात पर विश्वास करूंगा।" समझे? जी हाँ श्रीमान। अपने सिर से, अपने छुड़ानेवाले से, अपने पति से, अपने राजा से, अपने प्रभु से, अपने प्रेमी से, अपने उद्धारकर्ता से प्रदान की गयी जगह में मिलने के लिये!

613 उनसे मिलने के लिये उसके पास एक स्थान है। आप जानते हैं, वह... हाँ, दुल्हा किसी भी बात को नहीं छोड़ेगा। उसके पास अंगूठी है, जो कि पहचान है। उसके पास दुल्हन के पहनने के लिये वस्त्र हैं, जो कि उसका पहनावा है। समझे? और उससे मिलने के लिये उसके पास प्रदान किया गया स्थान है। सब कुछ प्रदान कर दिया गया है। ब्याह का भोज पहले से ही तैयार हो चुका है; मेहमानो को पहले से ही न्योता भेजा जा चुका है, और वह पहले से ही चुने जा चुके हैं। सारे स्वर्गदूत जो कि उसके दास हैं, चारों ओर सावधान स्थिति में खड़े हुये हैं। ओह–ओह–ओह–ओह–ओह!

ओह, हवा में एक सभा होने जा रही है, मधुरता में कुछ समय के बाद;
मैं आपसे वहाँ पर मुलाकात करने जा रहा हूँ
उस घर में जो कि वहाँ आसमानो में है;
ऐसा गाना जो कि कभी नहीं सुना गया, जो कि मरणशील कानों के द्वारा कभी न सुना गया हो,
यह महिमायुक्त होगा, यह बात मैं घोषित करता हूँ!
और परमेश्वर का अपना पुत्र, वह अगुवाई कर रहा होगा, ( जो कि परमेश्वर का पूर्ण प्रगटीकरण है)
उस सभा में जो कि हवा में होने जा रही है। ओह मेरे परमेश्वर!

614 उसके प्रगटीकरण को अब देखें।

आप ने मूसा की उस कहानी को सुना है जो कि उसके सरकंडो में

होने के विषय में बतायी गयी थी,

आप ने निडर दाऊद और उसकी गुलेल के विषय में सुना है;
आप ने स्वप्न देखने वाले युसुफ के विषय में कथा को सुना है,
दानियेल और शेरों के विषय में हमे अकसर गाते हुये सुना है।

ओह, बहुत से हैं, बहुत् से हैं जिनको कि बाईबिल में प्रमाणित किया गया है,

मैं उनसे मिलने के लिये कितना लालायित हूँ, मैं इस बात को घोषित करता हूँ,

कुछ समय के बाद प्रभु हम सभी से मिलेगा,
उस सभा में जो कि हवा में होने जा रही है।

क्योंकि हवा में एक सभा होने जा रही है,
मधुरता में कुछ समय के बाद;
और मैं आप से वहाँ पर मिलने और आप को शुभकामना देने के लिये होऊँगा,
उस घर में जो कि वहाँ आसमानो में है;
ऐसा गाना जो कि कभी नहीं सुना गया, जो कि मरणशील कानों के द्वारा कभी न सुना गया हो,
यह महिमायुक्त होगा, यह बात मैं घोषित करता हूँ!

और परमेश्वर का अपना पुत्र, वह अगुवाई कर रहा होगा,
उस सभा में जो कि हवा में होने जा रही है। ओह मेरे परमेश्वर!

615 क्या आपको यह अच्छा नहीं लगता है? ( सभा कहती है, "आमीन"—संम्पा) अब उसके भेद का वह प्रकाशन जो की तीन भागों में है, प्रगट हो चुका है। वह ही मुख्य व्यक्ति है। वही वो व्यक्ति है। ओह मेरे परमेश्वर! आइये हम इसे गायें। मैं और अधिक प्रचार नहीं कर सकता हूँ। मुझे इतना अच्छा लग रहा है, समझे।

ओह, हवा में एक सभा होने जा रही है, मधुरता में कुछ समय के बाद;
मैं आपसे वहाँ पर मुलाकात करने जा रहा हूँ

उस घर में जो कि वहाँ आसमानो में है;

ऐसा गाना जो कि कभी नहीं सुना गया, जो कि मरणशील कानों के द्वारा कभी न सुना गया हो,

यह महिमायुक्त होगा, यह बात मैं घोषित करता हूँ!

और परमेश्वर का अपना पुत्र, वह अगुवाई कर रहा होगा,

उस सभा में जो कि हवा में होने जा रही है।

616 क्या आप जा रहे हैं? ( सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) आमीन! परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वार! समझे? ओह मेरे परमेश्वर!

आप ने मूसा की उस कहानी को सुना है जो कि उसके सरकंडो में होने के विषय में बतायी गयी थी,

आप ने निडर दाऊद और उसकी गुलेल के विषय में सुना है; (वे सब प्रतिछाया के रूप में थे)

आप ने स्वप्न देखने वाले युसुफ के विषय में कथा को सुना है,

दानियेल और शेरों के विषय में हमे अकसर गाते हुये सुना है।

ओह, बहुत से हैं, बहुत से हैं जिनको कि बाईबिल में प्रमाणित किया गया है,

मैं उनसे मिलने के लिये कितना लालायित हूँ, मैं इस बात को घोषित करता हूँ।

कुछ समय के बाद प्रभु हम सभी से मिलेगा,

उस सभा में जो कि हवा में होने जा रही है।

617 परन्तु एक मुख्य व्यक्ति है!

ओह, हवा में एक सभा होने जा रही है, मधुरता में कुछ समय के बाद;

मैं आपसे वहाँ पर मुलाकात करने जा रहा हूँ

उस घर में जो कि वहाँ आसमानो में है;

ऐसा गाना जो कि कभी नहीं सुना गया, जो कि मरणशील कानों के द्वारा कभी न सुना गया हो,

यह महिमायुक्त होगा, यह बात मैं घोषित करता हूँ!
और परमेश्वर का अपना पुत्र, वह अगुवाई कर रहा होगा,
उस सभा में जो कि हवा में होने जा रही है।

618 अब हम वहाँ पर एक दुसरे से मिलने जा रहे हैं। आइये हम सभी, मेथोडिस्ट, और बैपटिस्ट, और जो भी कुछ आप हैं, जो कि परमेश्वर की आत्मा के द्वारा जन्मे हैं, अपने हाथों को एक दूसरे से मिलायें जबकि हम इसे गा रहे हैं।

ओह, हवा में एक सभा होने जा रही है, मधुरता में कुछ समय के बाद;
मैं आपसे वहाँ पर मुलाकात करने जा रहा हूँ
उस घर में जो कि वहाँ आसमानो में है;
ऐसा गाना जो कि कभी नहीं सुना गया, जो कि मरणशील कानों के द्वारा कभी न सुना गया हो,
यह महिमायुक्त होगा, यह बात मैं घोषित करता हूँ!
और परमेश्वर का अपना पुत्र, वह अगुवाई कर रहा होगा,
उस सभा में जो कि हवा में होने जा रही है।

619 ओह–ओह–ओह! ओह, यह अद्‌भुत है, समझे, देखिये कि वह क्या होने जा रहा है। अब देखिये।

620 मित्रों, हमें अब बस बन्द करना होगा। लगभग दो बज चुके हैं, समझे, और हम होंगे–हम यहाँ पर भोजन के लिये आयेंगे। मेरे पास अभी भी इस संदेश में एक पन्ने के बाद दूसरे पन्ने हैं, समझे, अतः इस बात पर अब हमें बस बन्द करना होगा। इस बात का कोई अन्त नहीं है।

621 यह एक प्रकाशन है। यह उतना ही अनंत है जितना कि परमेश्वर का वचन है। देखिये, परन्तु परमेश्वर का वही भेद जो कि तीन भागों में है प्रगट हो रहा है! परमेश्वर मसीह में प्रगट हुआ; मसीह कलीसिया में प्रगट हुआ; ताकि वह भटकी हुयी हव्वा को उस मूल स्थिति में ले जाये जो कि वह अदन की वाटिका में थी। ओह मेरे परमेश्वर!

622 ओह, उस दिन में बहुत महान समय होने जा रहा है! हाँ। यह बहुत जल्द होने जा रहा है। हम इस बात का विश्वास करते हैं। क्या आप इस बात का विश्वास करते हैं? (सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा) हर एक बार जब मैं इस बात के विषय में सोचता हूँ, मुझे वह गाना याद आता है।

623 उसने अपने आप को दानियेल में प्रगट किया, और मूसा में, और यिर्मयाह में। वे क्या थे? वे भविष्यद्वक्ता थे जिनके पास परमेश्वर का वचन आया, समझे,वे महान व्यक्ति थे। समझे, आप ने उस कथा को सुना है जिसमें स्वप्न देखने वाले युसुफ के विषय में बताया गया था, आप समझे, और दानियल जो कि शेरों की मांद में था, और यह सब व्यक्ति थे, आप जानते हैं। वे क्या थे? भविष्यद्वक्ता। समझे? परन्तु जो मुख्य व्यक्ति था... परमेश्वर बस कुछ समय के लिये उनमें प्रतिछाया के रूप में दिखा रहा था।

624 उसने अपने आप को आदम में प्रतिछाया के रूप में दिखाया, वह जानता था कि क्या ठीक है, परन्तु वह अपनी पत्नी को छुड़ाने के के लिये बाहर चलकर गया, क्योंकि वह गलत थी। मसीह को पाप होने की आवश्यकता नहीं थी, परन्तु वह बाहर चलकर गया और पाप को ले लिया, ताकि वह अपने भटके हुये पुत्र को छुड़ा कर ले आये। समझे? उसने अपने आप को प्रतिक्षाया के रूप में दिखाया।

आप ने मूसा की उस कहानी को सुना है जो कि उसके सरकंडो में होने के विषय में बतायी गयी थी,

आप ने निडर दाऊद और उसकी गुलेल के विषय में सुना है;

आप ने स्वप्न देखने वाले युसुफ(भविष्यद्वकता) के विषय में कथा को सुना है,

दानियेल और शेरों के विषय में हमे अकसर गाते हुये सुना है।

ओह, बहुत से हैं, बहुत से हैं जिनको कि बाईबिल में प्रमाणित किया गया है,

और मैं...

625 वे, वे बाईबिल थे। "और मैं..." हालाँकि वे सभी उसमें प्रगट हुये थे?

उसके बिना वे सब समाप्त हो जायेंगे। समझे? और वह बनने के लिये मुझे उनका भाग बनना होगा। आमीन! समझे?

मैं उनसे मिलने के लिये कितना लालायित हूँ, मैं इस बात को घोषित करता हूँ,

और परमेश्वर का अपना पुत्र, वह अगुवाई कर रहा होगा,

उस सभा में जो कि हवा में होने जा रही है।

626 इब्रानीयों 11 ने कहा है, "वे हमारे बिना सिद्धता को नहीं पहुंच सकते हैं।" हाथ और पैर बिना दिमाग के, ज्ञान के, सिर के, और ऐसी ही बातों से सिद्ध नहीं हो सकते हैं। समझे? और हम सभी उस में सिद्ध होते हैं, "अतः एक आत्मा के द्वारा हम एक देह में बपतिस्मा पाते हैं," हम न्याय से स्वतंत्र हैं; हम पाप से और मृत्यु से दूर हट चुके हैं...आमीन! परमेश्वर का अपना पुत्र ही वह व्यक्ति होगा जो कि उस सभा में जो कि हवा में होने वाली है, हमारी अगुवाई करने जा रहा है। क्या आप उससे प्रेम करते हैं? (सभा कहती है, "आमीन"–संम्पा)

मैं उससे प्रेम करता हूँ, मैं उससे प्रेम करता हूँ,

क्योंकि...

627 प्रभु यीशु, पवित्र आत्मा का अभिषेक इन रूमालों पर आने पाये, प्रभु, बिमारों को चंगा करें। ऐसा होने पाये, जबकि कि वे उनपर बैठते हैं। मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप इस बात को यीशु के नाम में कर देंगे। आमीन।

कलवरी के पेड़ पर।

( भाई ब्रन्हम मैं उससे प्रेम करता हूँ गाने को गुनगुनाना आरंभ करते हैं–संम्पा)

628 बस सोचिये, "मसीह प्रगट हो चुका है," हमारे अन्दर ठीक अभी, ठीक अभी हमारे अन्दर। वह कैसे हुआ, वह कैसे प्रगट हुआ? क्योंकि उसने मुझसे

पहले प्रेम किया?

और मेरे उद्धार को खरीद लिया
पर...

629 महिमा हो! वह महान वाचा का दूत, वही व्यक्ति जो कि मूसा के साथ जंगल में था, वही व्यक्ति जो कि पौलूस के पास आया था जब वह दमिश्क की राह पर था पर था, उसी व्यक्ति ने अपनी तस्वीर हमारे साथ उतरवाने दी; वही व्यक्ति जो कि लाईफ पत्रिका की तस्वीर में किसी दूसरे दिन था; वही वचन, उसी परमेश्वर के द्वारा, उन्हीं माध्यमों के द्वारा, उसी मार्ग के द्वारा, उसी प्रतिज्ञा के द्वारा! "जहाँ कहीं भी दो या तीन मेरे नाम में एकत्र होंगे, मैं उनके मध्य में होऊँगा।" तब फिर वह यहाँ पर है। "परमेश्वर के डरवैयों के चारों ओर उसका दूत छावनी किए हुये उनको बचाता है," वे जो कि केवल उसके वचन पर निर्भर रहते हैं। कोई भी व्यक्ति बिना परमेश्वर के भय के उसके वचन का आदर नहीं कर सकता है। समझे? तब, वह यहाँ पर हमारे साथ इस प्रातः उपस्थित है, जबकि हम उसकी आराधना आत्मा में करते हैं।

630 ओह, इस तरह के कठोर संदेश के बाद, मैं सोचता हूँ कि हमें बस कुछ समय के लिये उसकी आराधना आत्मा में होकर करनी चाहिये। "मैं उससे प्रेम करता हूँ,मैं उससे प्रेम करता हूँ," बस जबकि आप–आप अपने हाथों को उसकी ओर उठाते हैं।

मैं उससे प्रेम करता हूँ
क्योंकि... प्रेम किया
और खरीद लिया मेरा उद्धार
कलवरी के पेड़ पर।

ओह मेरे परमेश्वर, हम उससे कितना प्रेम करते हैं!

पिता में विश्वास, पुत्र में विश्वास,
पवित्र आत्मा में विश्वास, यह तीनो एक हैं;

शैतान परेशान करेंगे, और पापी जाग जायेंगे;
यहोवा में विश्वास के द्वारा हर चीज कांपने लगती है।

631 आमीन! परमेश्वर की महिमा होवे! बस उसकी आराधना अब अपने हृदय में कीजीये, बस उसकी आराधना करें, बस–बस यह सोचें कि वह कितना सुन्दर है। देखिये कि उसने आपके लिये क्या करा है। दर्शन देखने के इतने सारे वर्षों में, उनमें से एक भी असफल नहीं हुआ है। वह हर एक बात जो कि उसने कही थी कि घटित होगी, बिलकुल ठीक उसी प्रकार से घटित हुयी जैसे कि उसने कहा था कि होगी।

632 मैं आपसे प्रेम करता हूँ। छोटे बच्चों, अपने लिये परमेश्वर की आज्ञा को न भूलना, "एक दूसरे से प्रेम करो। सही है या गलत है, पापी है या संत है, हर हालत में उनसे प्रेम करें। यदि आप नहीं करते हैं, तब आप परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह आपकी सहायता करे, क्योंकि परमेश्वर ने पापी से प्रेम किया। और परमेश्वर का स्वभाव आपके अंदर है। यदि एक व्यक्ति गलत है, फिर भी उससे प्रेम करें। उसके पापों में उसके साथ भागीदार न बने। समझे? उसके पापों में भागीदार न बने। परन्तु मधुरता में, कड़वाहट और डांटने के द्वारा नहीं, मधुरता में आप उसे उस जीवन की आशा के विषय में बतायें जो कि पवित्र आत्मा के द्वारा यीशु मसीह के आपके ऊपर प्रगट होने के द्वारा, आपके अंदर वास करती है।

यीशु का नाम अपने साथ ले,
दुःख और संताप की संतान;
यह आपको आनंद और सान्तावना देगा,
ओह, उसे जहाँ कहीं भी आप जायें, ले जायें( अब इस बात को न भूलें)

633 ओह, वह नाम अनमोल है! ओह, हमारे पास उसका नाम है। हम उसके नाम के द्वारा बुलाये गये हैं।

पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;

अनमोल नाम, ओह कितना मधुर!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;

634 अब मैं आपको एक छोटा सा भेद बताने जा रहा हूँ, जब तक कि मैं आपसे मुलाकात नहीं करता हूँ। इसे स्मरण रखिये, जबकि हम खड़े होते हैं। इसे स्मरण रखिये।

यीशु के नाम पर हम झुकते हैं,
साष्टांग उसके पैरों पर हम गिर जाते हैं,
राजाओं का राजा का मुकुट हम उसे पहनायेंगे,
जब हमारी यात्रा पूरी होगी।

अनमोल नाम, अनमोल नाम, ओह कितना मधुर!
आशा...

635 क्या? वह प्रकाशन जो कि तीन भागों में है! स्वर्ग की आशा और आनंद, उसके अंदर प्रगट हुयी है।

अनमोल नाम, अनमोल नाम, ओह कितना मधुर!
पृथ्वी की आशा और ... का आनंद;

636 क्या? पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद, सभी बातें मसीह में प्रगट हुयी हैं। परमेश्वर, कलीसिया, सभी चीजें मसीह में प्रगट हुयी हैं। बाईबिल मसीह है। बाईबिल लिखा गया वचन है। जो कि वह वचन है। उसका प्रगटीकरण इस बात का प्रमाण है कि जीवन देह रूपी वचन में आ रहा है, ताकि उसे प्रगट करे। ओह, क्या यह बात अद्‌भुत नहीं है!

यीशु का नाम अपने साथ ले...

अब ध्यान से सुने।

ढाल के सामान( इस चीज का न भूलें) ... हर एक खतरे के लिये;
जब परीक्षायें आप के चारों ओर आती हैं...

आप को क्या करना चहिये?

बस उसके पवित्र नाम की सांस प्रार्थना में लें।

अनमोल नाम, अनमोल नाम, ओह कितना मधुर! ओह कितना मधुर!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;
अनमोल नाम, अनमोल नाम, ओह कितना मधुर! ओह कितना मधुर!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;

637 यह नहीं जानते हैं... बिलकुल, आत्मिक होने के द्वारा आपको आत्मिक चीजें दिखती हैं। इस बात को नहीं जानते हैं; परमेश्वर इस बात को जानता है। परन्तु यदि आप मुड़ेंगे और घड़ी की ओर देखेंगे, तो यह ठीक दो बजे हैं, दूसरे खिचाव का अंत है। तीसरा खिंचाव आने को है! समझे?

यीशु के नाम पर हम झुकते हैं,
साष्टांग उसके पैरों पर हम गिर जाते हैं,
राजाओं का राजा का मुकुट हम उसे पहनायेंगे,
जब हमारी यात्रा पूरी होगी।

अनमोल नाम...

दूसरे खिचाव का प्रगटीकरण हो चुका है!

पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;
अनमोल नाम, ओह कितना मधुर!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;

638 क्या अपने ध्यान दिया कि आत्मा ने उसी गाने को लिया और उसे

उस प्रकार से एक अष्टक आगे उठाया? अगला खिचाव आने वाला है! आमीन!

जितना कि आप सोचते हैं, यह बात उससे भी पहले होनी है,

यीशु का नाम अपने साथ ले,
दुःख और संताप की संतान;
यह आपको आनंद और सान्तावना देगा,
ओह, उसे जहाँ कहीं भी आप जायें, ले जायें।

अनमोल नाम, अनमोल नाम, ओह कितना मधुर! ओह कितना मधुर!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;
अनमोल नाम, अनमोल नाम, ओह कितना मधुर! ओह कितना मधुर!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद...

अब यदि परीक्षायें आती हैं, आप क्या करते हैं?

यीशु का नाम अपने साथ ले,
ढाल के सामान हर एक खतरे के लिये;
जब परीक्षायें आप के चारों ओर आती हैं,
बस उसके पवित्र नाम की सांस प्रार्थना में लें।

अनमोल नाम, अनमोल नाम, ओह कितना मधुर! ओह कितना मधुर!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;
अनमोल नाम, अनमोल नाम, ओह कितना मधुर! ओह कितना मधुर!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद।

639 आइये सभी अपने सिरों को अब आदर के साथ प्रार्थना में झुकायें। अब देखें।

यीशु के नाम पर झुक रहे हैं...

640 ( भाई ब्रन्हम यीशु का नाम अपने साथ ले गीत की अगली पंक्ति को गुनगुनाना आरंभ करते हैं। एक भाई अन्य–अन्य भाषा में बोलता है। दूसरा भाई उसका अनुवाद करता है–संम्पा)

641 अब यदि आप समझते हैं, प्रभु की आत्मा सभा पर गिरी, अन्य–अन्य भाषा के रूप में, एक ऐसे व्यक्ति से बातचीत करी जो कि नहीं जानता था; और एक ऐसे व्यक्ति के द्वारा अनुवाद हुआ जो कि नहीं जानता था। परमेश्वर का वचन! क्या आप को स्मरण है जब शत्रु आ रहा था और वे नहीं जानते थे कि उनको क्या करना है? प्रभु की आत्मा एक व्यक्ति पर गिरी, और यह प्रगट किया कि क्या किया जाना चहिये। ओह मेरे परमेश्वर!

642 अब बस नम्रता से अपने सिरों को झुकायें। परमेश्वर आपको आशीष दे।

जब तक हम न मिलें! जब तक हम न मिलें!
जब तक कि हम यीशु के चरणों पर न मिलें;
जब तक हम न मिलें!

ठीक है पास्टर।

जब तक हम न मिलें, परमेश्वर आपके साथ में हो।

***CHRIST IS THE MYSTERY OF GOD REVEALED***

मसीह परमेश्वर का वह भेद है जो कि प्रगट हुआ
63-0728 Vol.3-7R

भाई ब्रन्हम के द्वारा यह संदेश रविवार प्रातः जुलाई 28, 1963, ब्रन्हम आराधनालय, जैफरसनविले, इंडियाना,संयुक्त राज्य अमेरिका में दिया गया। इसका टेप नम्बर है 63–0728 और यह टेप चार घंटे का है। साफ आवाज वाले और पूरे मूल टेप को प्राप्त करने के बाद, इस पुस्तक का का संपादन फिर से किया गया है और इसके नाम के आगे R जोड़ दिया गया है। चुम्बकीय टेप रिकार्डिंग से छपे हुये पन्ने पर ठीक–ठीक मौखिक संदेश को लाने के लिये हर एक प्रयास किये गये हैं , और बिना किसी काँट–छाँट किये हुये यह संदेश छापा गया है और VOICE OF GOD RECORDINGS के द्वारा बाँटा जाता है।1982 में छापा गया। 2001 में पुनः छापा गया।

© 2002VGR , ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O.BOX 950, JEFFERSONVILLE , INDIANA 47131 U.S.A

**VOICE OF GOD RECORDINGS INC.**

**India Office**

No. 28, Shenoy Road, Nungambakkam, Chennai - 600 034. South India.

Phone : 044-28274560 Fax : 044-28256970

## कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:



वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org